@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 27 फरवरी 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 88 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ब्रह्मोस बनेगी भारतीय नौसेना का प्राथमिक हथियार: नौसेना प्रमुख

पुणे, 26 फरवरी। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारतीय नौसेना के प्राथमिक हथियार बनेगी, ये अन्य देशों से प्राप्त मिसाइलों की जगह लेगी। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने यह दावा किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि सतह से सतह पर मार करने वाले मिसाइल हथियार के रूप में अब ब्रह्मोस हमारा प्राथमिक हथियार होगा। साथ ही वायु सेना और हवाई लड़ाकू विमानों के पास भी हवा से सतह पर मार करने वाला यह प्राथमिक हथियार होगा। नौसेना प्रमुख की यह टिप्पणी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा 200 से अधिक ब्रह्मोस मिसाइलों के सौदे को मंजूरी देने के तुरंत बाद आई है। ये मंजूरी पांच मार्च को 19,000 करोड़ रुपये के अनुबंध के तहत 200 से अधिक ब्रह्मोस मिसाइलों के सौदे को लेकर दी गई थी। उन्होंने कहा कि ब्रम्होस की रेंज और क्षमताओं को विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अपग्रेड होने के बाद यह हमारा मुख्य आधार बनने जा रहा है। इसी के चलते हम अपनी सभी पुरानी मिसाइलों की जगह ब्रम्होस को शामिल कर रहे हैं। इस दौरान एडमिरल ने इसके मेड इन इंडिया होने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस भारत में बनी है, इसका एक बड़ा लाभ है। नौसेना प्रमुख ने कहा, यह एक बहुत ही शक्तिशाली मिसाइल है, और यह रेंज क्षमता आदि में भी विकसित हो रही है। और एक बड़ा तथ्य यह है कि यह भारत में बना है, इसलिए हम किसी और पर निर्भर नहीं हैं। इसकी मरम्मत यही आसानी से की जा सकती है।

माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन का 40 करोड़ से होगा पुनर्विकासः पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

जम्मू, 26 फरवरी। जम्मू संभाग के जिला रियासी कटड़ा स्थित माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन का मौजूदा सुविधाओं को बढ़ाने और यात्रियों के लिए नई सुविधाएं शुरू करने के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यह पुनर्विकास किया जाना है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से देश भर में 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। साथ ही पीएम ने 1,500 सड़क ओवरब्रिजों और अंडरपासों का शिलान्यास, उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन के औपचारिक पुनर्विकास को चिह्नित करते हुए एक पट्टिका का अनावरण किया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि कटड़ा स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल करना इस क्षेत्र के विकास के लिए प्रधान मंत्री के विशेष फोकस को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह स्टेशन वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ के लिए चुने गए स्टेशनों में से भी एक था। वर्तमान में दिल्ली से कटड़ा के बीच दो वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री ने कहा कि यह देश का पहला स्टेशन होने का गौरव भी रखता है जहां सौर ऊर्जा सुविधा का अनावरण किया गया है। कटड़ा स्टेशन के साथ ही उधमपुर, जम्मू और बडगाम

रेलवे स्टेश का भी अमृत स्टेशनों के रूप में पुनर्विकास किया जाएगा। चार में से तीन जम्मू क्षेत्र में हैं। यह प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि कटड़ा स्टेशन एक इंटर-मॉडल स्टेशन के रूप में उभरेगा, जो रेल, सड़क और हवाई यात्रा को एकीकृत करेगा ताकि लोग एक मोड से दूसरे मोड में निर्बाध रूप से जा सकें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया गया है कि देश का प्रत्येक नागरिक और क्षेत्र अपनी प्रतिभा और संसाधनों के अनुरूप अपनी अधिकतम क्षमता का उपयोग करे। उन्होंने कहा कि अब एक गरीब आदमी का बेटा या बेटी बड़े सपने देख सकते हैं, सिविल सेवाओं जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में भाग ले सकते हैं और सत्ता के गलियारे तक पहुंच सकते हैं, चाहे उनका धर्म, जाति या क्षेत्र कुछ भी हो। उम्मीदें फिर से जगी हैं और भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद जैसी बुराइयों पर अंकुश लगा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए चुने गए 553 रेलवे स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इन स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। यह स्टेशन सिटी सेंटर के रूप में कार्य करेंगे, जो शहर के दोनों किनारों को एकीकृत करेगा, और इसमें आधुनिक यात्री सुविधाएं होंगी। स्टेशनों को पर्यावरण अनुकूल और दिव्यांग अनुकूल के रूप में पुनर्विकसित किया जाएगा। इन स्टेशन भवनों के डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होंगे।

लोकसभा चुनाव लड़ेंगे निर्मला सीतारमण- जयशंकरः प्रह्लाद जोशी

बंगलुरू, 26 फरवरी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, यह लगभग तय है कि वे चुनाव लड़ेंगे। लेकिन पार्टी ने अभी इस बात पर फैसला नहीं किया है कि उनमें से किसको कर्नाटक से लड़ना चाहिए या दोनों को बाहर से लड़ना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट में इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि जयशंकर या सीतारमण बंगलूरू से चुनाव लड़ेंगे। 2019 में भाजपा ने बंगलूरू की सभी तीन सीट पर जीत दर्ज की थी। सीतारमण राज्यसभा में कर्नाटक प्रतिनिधित्व करती हैं और तमिलनाडु व तेलंगाना से भी काफी अच्छी तरह से परिचित हैं। मदुरै में जन्मीं सीतारमण ने जनवरी में अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले तमिलनाडु का दौरा किया था और कांचीपुरम में एक समारोह में पहुंची थीं। वहीं, बंगलूरू में अपनी शुरुआती स्कूली शिक्षा हासिल करने वाले जयशंकर ने पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया था। भाजपा के हलकों में इस तरह की भी अटकलें हैं कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर केरल के तिरुवनंतपुरम से चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी ने उन्हें फिर से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार नहीं बनाया। जिससे संसदीय चुनावों में उनके उतरने का रास्ता लगभग साफ है। चंद्रशेखर ने पार्टी के बंगलूरू केंद्रित चुनाव अभियानों का समर्थन किया था। लेकिन पार्टी के सूत्रों का कहना है कि भाजपा उन्हें तिरुवनंतपुरम से चुनाव लड़ने के लिए कह सकती है।

मनोज जरांगे ने 17 दिन बाद वापस लिया अनशन

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 26 फरवरी। मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने सोमवार को घोषणा की कि वह अपना सत्रह दिन का अनशन वापस ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक महाराष्ट्र सरकार ऐसे लोगों के परिवार के सदस्यों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं कर देती, तब तक वह अपना आंदोलन जारी रखेंगे। पिछले हफ्ते राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों न सर्वसम्मति से शिक्षा और सरकारी नौकरियों में मराठा समुदाय के लिए दस फीसदी अलग से आरक्षण प्रदान करने वाला एक विधेयक पारित किया था। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में दस फरवरी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे जरांगे ने इसका स्वागत किया था। हालांकि, उन्होंने मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत आरक्षण देने की मांग की और अपना अनशन जारी रखा। जरांगे ने कहा, मैं आज अपना अनशन टाल रहा हूं। लेकिन तीन से चार युवा यहां बैठे रहेंगे। वे हमारी मांगों को लेकर रोज रोजा रखेंगे। मैं कुछ गांवों का दौरा करूंगा और उन्हें अपने अपना रुख स्पष्ट करूंगा। वे यहां अंतरवाली सराटी गांव में मुझसे मिलने नहीं आ सके, क्योंकि गृह

विभाग ने पाबंदियां लगाई थीं। आरक्षण आंदोलन को लेकर उनके खिलाफ दर्ज कई पुलिस शिकायतों के बारे में पूछे जाने पर वह बेफिक्र नजर आए। उन्होंने कहा, अगर वे मेरे खिलाफ मुकदमा चलाना चाहते हैं तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन (ऐसा करके) वे मुसीबत को आमंत्रित करेंगे। लोग आक्रोशित होंगे और मुख्यमंत्री व राज्य के गृहमंत्री को परिणाम भुगतने पड़ेंगे। अब फैसला उनके हाथ में है। आरक्षण कार्यकर्ता ने एक दिन पहले उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फडणवीस उन्हें मारना चाहते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जरांगे को चेतावनी देते हुए कहा कि वह राज्य सरकार के धैर्य की परीक्षा न लें। वहीं, बिना अनुमति के प्रदर्शन करने और बीड जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़कों को बाधित करने के आरोप में जरांगे और उनके समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों ही मामलों में जरांगे मौके पर मौजूद नहीं थे। लेकिन उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, क्योंकि उनकी अपील पर प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे थे। अधिकारी ने बताया कि करीब अस्सी लोगों पर गैरकानूनी रूप से एकत्र होने, एक लोकसेवक को गलत तरीके से रोकने और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मांझी ने बताया नीतीश सरकार में क्या हेरफेर कर रहे थे तेजस्वी

पटना, 26 फरवरी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक ने सनसनीखेज बयान देकर लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने जन विश्वास यात्रा पर निकले तेजस्वी यादव पर बड़ा आरोप लगाया है। कहा है कि तेजस्वी यादव ने ट्रांसफर पोस्टिंग के नाम पर 50-50 लाख रुपये वसूले। और, इसके जरिए उन्होंने करोड़ों रुपये कमाए। हालांकि, सही वक्त पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसकी भनक लग गई और खेला होने से बच गया। इधर, तेजस्वी यादव पर लगे इन आरोपों के बाद राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव पर जनता को भरोसा है। आज राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव ने बिहार का व्याकरण बदल दिया है। राज्यसभा सांसद और लालू प्रसाद के करीबी मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव की जनविश्वास यात्रा का मैं 20 फरवरी से हिस्सा रहा हूं। मैं कई साल से राजनीति में हूं। कई जगह गया हूं। ऐसा जनसैलाब नहीं देखने को मिला। तेजस्वी यादव अब तक 22 जिले कवर कर चुके हैं। और, हर जिले में पहले सभाएं हुईं। सभाओं के बाद यह तय किया गया कि आगामी रैली के मद्देनजर अब रोड शो किया जा रहा है। सोमवार सुबह जब हमलोग पटना से चले तो रात से ढाई बजे सुपौल पहुंचे। इससे आपको अंदाजा लग जाएगा कि तेजस्वी की जन विश्वास यात्रा का व्याकरण क्या है? हर जाति और हर समुदाय की भागीदारी है। युवाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा है। भपटियाही में रात के डेढ़ बजे महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यह अपने आप में बदलाव का संकेत हैं। राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि तेजस्वी यादव ने बिहार का व्याकरण बदल दिया है। लोग अब मंदिर-मस्जिद नहीं सुनना चाहते हैं। उन्हें नौकरी चाहिए।

नहीं रहे मशहूर गजल गायक पंकज उधास

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 26 फरवरी। मशहूर गजल गायक पंकज उधास का निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे 72 साल के थे। उनका जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के जेतपुर में हुआ था। पंकज उधास की बेटी नायाब उधास ने पिता के निधन की पुष्टि की है। नायाब उधास ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह दुखद खबर साझा करते हुए लिखा, भारी दिल और बड़े दुख के साथ आप सभी को सूचित करना पड़ रहा है कि लंबी बीमारी के चलते 26 फरवरी 2024 को पद्मश्री पंकज उधास का निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पंकज उधास का निधन 26 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे ब्रीच कैंडी अस्पताल में हुआ। गायक लंबे समय से बीमार थे। बीते कई दिनों से

उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। सिंगर के निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर है। उनके चाहने वालों को झटका लगा है। सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए फैंस श्रद्धांजलि दे रहे हैं। पंकज उधास के निधन से हर कोई दुखी है। लोकप्रिय गायक और म्यूजिक कंपोजर शंकर महादेवन सदमे में हैं। उन्होंने पंकज उधास के निधन को संगीत जगत का बड़ा नुकसान बताया है। उन्होंने कहा कि इसकी भरपाई नहीं हो सकती। वहीं, सोनू निगम ने भी पंकज उधास के निधन पर इमोशनल पोस्ट लिखा है।

पीएम मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद वरुण गांधी

पीलीभीत, 26 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पीलीभीत रेलवे स्टेशन पर विभिन्न विकास कार्यों का वर्चुअली शिलान्यास किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर 16.7 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न कार्य कराए जाने हैं। स्टेशन पर आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में सांसद वरुण गांधी समेत भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, पालिकाध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल, पूर्व विधायक किशनलाल राजपूत व रेलवे के अधिकारी मौजूद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष समेत तमाम नेताओं ने सांसद वरुण गांधी का स्वागत किया। सांसद वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ की। पीलीभीत स्टेशन पर विकास कार्यों के शिलान्यास के लिए आभार जताया। सांसद ने कहा कि जिले के लिए मजबूत उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमारा देश तेजी से तरक्की कर रहा है। पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया 18 ऐसे देश हैं, जिनके अध्यक्ष या प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति भारतीय मूल के हैं। हमारे देश में मेहनत, हिम्मत और प्रतिभा की कमी नहीं है। बस जरूरत है कि समाज के अंतिम व्यक्ति अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

आप कौन होते हैं आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाले? सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 26 फरवरी। तीन नए आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो गई है। तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य कानून 1 जुलाई से देश में लागू हो जाएंगे। जनहित याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने याचिका से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आप कौन होते हैं नए आपराधिक कानूनों को चुनौती देने वाले? मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आपके पास इस मामले में हस्तक्षेप करने का ही अधिकार नहीं है। जनहित याचिका में गृह और कानून मंत्रालय को पक्षकार बनाने की मांग की गई थी। तीनों नए आपराधिक कानून देश में न्याय व्यवस्था में बड़े बदलाव लेकर आएंगे और एक जुलाई से देशभर में लागू हो जाएंगे। सरकार ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। तीनों नए आपराधिक कानून अंग्रेजी शासन काल के आईपीसी (इंडियन पीनल कोड), सीआरपीसी (कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसिजर) और इंडियन एविडेंस एक्ट 1872 की जगह लेंगे। बीते साल 21 दिसंबर को इन नए कानूनों को संसद की मंजूरी मिली थी और 25 दिसंबर को राष्ट्रपति ने इन्हें मंजूरी दी थी। हालांकि अभी हिट एंड रन मामले से जुड़े प्रावधान पर अमल नहीं होगा। दरअसल बीते दिनों देशभर में ड्राइवरों ने हड़ताल कर हिट एंड रन मामले में नए प्रावधानों का विरोध किया था। जिस पर सरकार ने आश्वासन दिया था कि इस कानून को ड्राइर यूनियन से चर्चा के बाद अमल में लाया जाएगा। सरकार ने नोटिफिकेशन में बताया है कि अभी भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2) को अमल में नहीं लाया जाएगा। भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं, जिसमें 20 नए अपराधों को परिभाषित किया गया है। देशभर के पुलिसकर्मियों को फिलहाल नए कानूनों की ट्रेनिंग दी जा रही है।

राहुल-अखिलेश अब बूढ़े हो गए : डिप्टी सीएम केशव मौर्य

सौरभ शर्मा

लखनऊ, 26 फरवरी। छठें सेशन में यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना यह भाजपा का वैचारिक मुद्दा रहा है। देश के करोड़ों लोग ऐसे रहे हैं जो इस आंदोलन से जुड़े हैं। यह भावनाओं का मुद्दा है चुनावों का मुद्दा नहीं है। यदि चुनावों में इसके फायदे की बात करें तो इसका लाभ उनको नहीं होगा जिन्होंने राम को काल्पनिक बताया था या जिन्होंने कार सेवकों पर गोली चलाई थी। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2017 में यूपी के इन लड़कों की जोड़ी यूपी देख चुकी है। अब यूपी के ये लड़के बूढ़े हो चुके हैं। जब ये 2017 में हमें नहीं रोक पाए तो अभी इस प्रचंड लहर में हमें नहीं रोक पाएंगे। हम यूपी की सभी 80 की 80 सीटें जीतने जा रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बसपा को लेकर हमारे पास रणनीति है। इसका हम मंच पर खुलासा नहीं कर सकते। लेकिन यह तय है कि यदि सपा, बसपा और कांग्रेस तीनों मिल भी जाएं तब भी बीजेपी सभी 80 सीटें जीतने जा रही है। पेपर लीक पर सरकार ने कड़े कदम उठाए और छह माह में फिर

से भर्ती कराने का आदेश जारी किया है। हम कड़े कानून बनाने का काम कर रहे हैं। दोबार परीक्षा कराने में काफी दिक्कतें होती है। बहुत सारे सामान्य परिवारों के लोगों का आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। भविष्य में ऐसा दुबारा न हो इस पर कड़े कदम उठाए जाएंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जाति जनगणना के मुद्दे में विपक्ष में दम नहीं है। जब सत्ता में थे तो किसी का ध्यान नहीं रखा। जब सत्ता में नहीं है ओर दूर दूर तक सत्ता में आने की संभावना नहीं है तो ऐसे मुद्दे उठाकर चर्चा में रहना चाहते हैं। केशव ने कहा कि यूपी की जनता ने 2014, 2017 और 2019 में देश की जनता ने राहुल गांधी का नशा उतारा था। अब यूपी की जनता एक बार फिर से उनका नशा उतारेगी। इस बार रायबरेली की जनता उनका नशा उतार देगी। प्रदेश की जनता को नशेड़ी कहना जनता का अपमान है। केशव मौर्य ने कहा कि फिल्मों के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। लेकिन उसमें जो समय मिल पाता है उसमें डिस्कवरी चैनल, राष्ट्रवादी फिल्में देखता हूं। कई सारी फिल्में उनके नाम की वजह से ही देखने का मन नहीं करता।

रोका गया पाकिस्तान जाने वाले रावी का पानी

नई दिल्ली, 26 फरवरी। रावी नदी का जो पानी पाकिस्तान की ओर जाता रहा है उसे अब बंद कर दिया गया है। पड़ोसी देश की ओर सालाना 12 हजार क्यूसेक जाता था। यह सब कुछ रावी नदी पर शाहपुर कंडी बांध बनने से संभव हुआ है। इस बांध को बनने में कई साल लग गए। दरअसल, सिंधु जल संधि के अनुसार, रावी के पानी पर भारत का पूर्ण अधिकार है। अब पानी रोके जाने से जम्मू-कश्मीर और पंजाब के किसानों को सबसे अधिक फायदा होगा। आइये जानते हैं कि भारत से पाकिस्तान की ओर बहने वाले पानी को लेकर क्या हुआ है?शाहपुर कंडी बांध की कहानी क्या है? यह पानी कब से प्रवाहित हो रहा था? परियोजना से क्या बदलेगा? पाकिस्तान जा रहे पानी को रोकने के लिए रावी नदी पर शाहपुर कंडी बांध बनाया जा रहा था। वर्षों से बन रहे इस बांध निर्माण का काम अब पूरा हो चुका है। बांध में जल भंडारण की क्षमता 4.23 ट्रिलियन घन मीटर फुट है। वहीं, बिजली निर्माण के लिए पावर हाउस तैयार किए जा रहे हैं। रणजीत सागर बांध से छोड़े गए पानी का उपयोग इस परियोजना के लिए बिजली पैदा करने के लिए किया जाना है। दरअसल, सिंधु जल बंटवारे के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। संधि के अनुसार, भारत को तीन पूर्वी नदियों यानी रावी, ब्यास और सतलुज के जल के उपयोग का पूर्ण अधिकार मिला। सरकार के अनुसार, रावी नदी का कुछ पानी माधोपुर हेडवर्क्स के जरिए पाकिस्तान में बर्बाद हो रहा था। पानी की ऐसी बर्बादी कम करने के लिए शाहपुर कंडी बांध परियोजना की कल्पना की गई। अब शाहपुर कंडी बांध की कहानी समझने के लिए 1979 में हुए समझौते को जानना होगा। दरअसल, जनवरी 1979 में पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच एक द्विपक्षीय समझौता हुआ था। समझौते के अनुसार, रणजीत सागर बांध और शाहपुर कंडी बांध का निर्माण पंजाब सरकार द्वारा किया जाना था। रणजीत सागर बांध अगस्त 2000 में चालू किया गया था। शाहपुर कंडी बांध परियोजना को रावी नदी पर रणजीत सागर बांध के आठ किमी अप स्ट्रीम पर बनाया जाना था। योजना आयोग ने नवंबर 2001 के दौरान परियोजना को अनुमोदित किया। परियोजना के सिंचाई घटक के वित्तपोषण के लिए इसे त्वरित सिंचाई लाभ योजना (एआईबीपी) के तहत शामिल किया गया।

भाजपा को रोकने के लिए राहुल-अखिलेश के पास क्या हैं विकल्प

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 26 फरवरी। तमाम हिचकोले खाने के बाद अंततः यूपी में ढ्ढ.ह्.ष्ठ.ढ्ढ गठबंधन सफल हो गया है। सीटों पर तालमेल बनने के बाद कांग्रेस और समाजवादी पार्टी न केवल साथ आ गए हैं, बल्कि राहुल गांधी-अखिलेश यादव भारत जोड़ो न्याय यात्रा में एक साथ शामिल भी हो चुके हैं। इससे यह संदेश गया है कि यूपी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को रोकने के लिए वे हर स्तर पर साथ हैं। यदि अखिलेश, राहुल गांधी और चंद्रशेखर रावण और अन्य छोटे दलों को साथ लाने में सफल हो जाते हैं, तो यह गठबंधन ज्यादा प्रभावी हो सकता है। लेकिन बड़ा प्रश्न यही है कि मोदी-भाजपा को रोकने के लिए सपा-कांग्रेस के पास एजेंडा क्या है? वे किन मुद्दों पर जनता को आकर्षित कर लोगों को अपने पक्ष में वोट देने के लिए कहेंगे? पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा के पास दस साल में किए गए कार्यों का भारी-भरकम लेखा जोखा है। पार्टी का दावा है कि मोदी सरकार की नीतियों से जनता में भारी बदलाव हुआ है, तो देश की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है। राम मंदिर जैसे मुद्दे से वह हिंदू बहुल समुदाय को आकर्षित कर रही है, तो हर वर्ग के गरीबों को राशन-घर-गैस देकर उनका समर्थन हासिल कर रही है। मोदी के इस एजेंडे को राहुल-अखिलेश कैसे चुनौती देंगे? अखिलेश यादव जिस पीडीए वर्ग (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) का मुद्दा उछाल रहे हैं, क्या वह बदले समय में भी कारगर होगा? भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह का दावा है कि केंद्र सरकार ने पिछड़े वर्ग के लिए न केवल सबसे ज्यादा काम किया है, बल्कि ओबीसी समुदाय के लिए आयोग बनाकर, उन्हें विभिन्न संस्थाओं में आरक्षण देकर पिछड़े वर्ग को मजबूत भी किया है। प्रधानमंत्री के रूप में सबसे बड़ा पिछड़ा चेहरा उनके पास है, तो केंद्र से लेकर राज्यों

तक हर जगह पिछड़े समुदाय के लोगों को मंत्री पद-संगठन में जिम्मेदारी देकर उनका सम्मान किया गया है। तीन तलाक समाप्त कर भी अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं को सशक्त करने का काम किया गया है। भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह का दावा है कि केंद्र सरकार ने दलित-जनजातीय समुदाय के लोगों को राष्ट्रपति पद पर बैठाकर उनका सम्मान किया है, महिलाओं को नारी शक्ति वंदन कानून से हर स्तर पर भागीदारी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। उनका दावा है कि मोदी सरकार एक बड़े सामाजिक बदलाव के लिए काम कर रही है, जो देश को हर स्तर पर सशक्त करने का काम करेगी। भाजपा नेता के अनुसार, केवल जातीय राजनीति करने के दिन अब लद चुके हैं और सपा-कांग्रेस गठबंधन पहले की तरह एक बार फिर नाकाम होगा। उनका दावा है कि अब तक सपा, बसपा और राजद जैसे दल केवल जातीय आधारों पर राजनीति करते थे, जबकि नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग के गरीब, महिला को एक जाति मानकर सबकी भलाई के लिए काम किया। इसी का परिणाम है कि अब जातीय राजनीति करने वाली पार्टियों पर से जनता का भरोसा समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस गठबंधन के पास मोदी को हटाने के नकारात्मक सोच के अलावा कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है, इसी कारण वह असफल होगा। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद आजम ने अमर उजाला से कहा कि उनकी पार्टी का एजेंडा केवल जातीय भागीदारी बढ़ाने की नहीं है। पीडीए समाज सबसे गरीब वर्गों में शामिल है। उसका आर्थिक सशक्तीकरण करना उनका सबसे बड़ा मुद्दा है। यदि सरकार स्वयं यह कह रही है कि वह हर महीने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है, और स्वाभाविक तौर पर इसमें सबसे बड़ी भागीदारी पीडीए वर्गों की ही होगी, इसी से पता चल जाता है कि देश में गरीबी कितनी ज्यादा है।

फ्लाइट में डेढ़ घंटे तक पति की लाश के साथ सफर करती रही महिला...कब हुई मौत, भनक तक नहीं लगी

नेशनल डेस्क. पति संग घूमने निकली एक पत्नी के साथ उस समय दुखदायी हादसा हो गया जब उसके सामने उसके जीवनसाथी की जान निकल गई और उसे भनक तक नहीं लगी। 24 फरवरी को एक ब्रिटिश टूरिस्ट अपनी बीवी के साथ फ़ॉकलैंड आइलैंड से चिली जाने के लिए निकला लेकिन लैंडिंग से पहले शख्स ने दम तोड़ दिया और बेखबर पत्नी इस घटना से अंजान पति की लाश संग ही सफर करती रही। जैसे ही प्लेन चिली में लैंड हुआ तो पता चला शख्स की मौत हो चुकी है जिसके बाद प्लेन में चीख-पुकार मच गई।एक रिपोर्ट के मुताबिक, 59 साल का

ब्रिटिश नागरिक घूमने के लिए पत्नी के साथ फॉकलैंड आईलैंड आया था और यहां से दोनों चिली के पुंटा एरेनास के लिए फ्लाइट लेनी थी, फिर वहां से सैंटियागो के लिए निकलना था लेकिन शनिवार को दोनों पति पत्नी ने चिली के ही विमान ख्रुरू में बैठे और फ्लाइट ने उड़ान भरी लेकिन जैसे ही विमान पुंटा एरेनास में लैंड हुआ, सभी लोग अपनी सीट से उठने लगे लेकिन ब्रिटिश नागरिक अपनी सीट से नहीं उठा जिसके बाद उसकी पत्नी को लगा कि उसे नींद आ गई होगी, इसलिए उसने पति को जगाने की कोशिश की लेकिन फिर भी वह नहीं उठा और देखा कि शरीर ठंडा पड़ चुका है. महिला ने मदद के लिए चीखना शुरू किया और क्रू मेंबर्स ने जांचा तो पता लगा कि शख्स की मौत हो चुकी है. यह सुनते ही फ्लाइट में बैठे बाकी यात्री भी घबरा गए। एयरपोर्ट पर मौजूद पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।वहीं, उसकी पत्नी ने भी इस बात की पुष्टि की और कहा कि उसका पति काफी बीमार रहता था. उसे कई सारी बीमारियां थीं.।

6 दिन तक बंद रहा एफिल टॉवर समझौते के बाद फिर से खुला

पेरिस. ऐतिहासिक स्थल के बेहतर रखरखाव और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वजह से छह दिनों तक बंद रहे विश्व प्रसिद्ध एफिल टॉवर को रविवार को आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया गया।

इस 330 मीटर (1,083 फुट) ऊंचे टावर के संचालक ने एक बयान में कहा कि नवीकरण कार्य के लिए 2031 तक महत्वाकांक्षी 38 करोड़ यूरो (लगभग 41.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) का निवेश आवंटित करने का वादा किया गया जिसके बाद श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मचारी संघों के साथ एक समझौता हुआ।संचालक ने इस सप्ताह वेतन को लेकर भी बातचीत शुरू की है जिसे अगले महीने अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। हड़ताल पर गए कर्मचारियों ने टिकट बिक्री से राजस्व के अनुपात में वृद्धि की मांग की है। यह 135 साल पुराना टावर 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस खेलों और अगले पैरालिंपिक में प्रमुखता से नजर आएगा।

पेरिस में ओलंपिक और पैरालंपिक पदकों में ऐतिहासिक स्थल से लिए गए लोहे के षट्कोणीय टुकड़े के अंशों को मिलाया गया है। एफिल टॉवर आम तौर पर साल में 365 दिन खुला रहता है। पिछले साल, देश की पेंशन प्रणाली में सुधार की सरकार की योजना के खिलाफ पूरे फ्रांस में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के दौरान स्मारक को 10 दिनों तक आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया था। एपी प्रशांत सिम्मी.

जिनपिंग का गुप्त एजेंडा: अमेरिकी युवाओं को CCP के एजेंट बनाने की तैयारी, चीन बुला कर किया जा रहा ब्रेन वॉश

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिका के खिलाफ नए प्लान का खुलासा हुआ है। शी जिनपिंग अमेरिकी युवाओं को CCP के एजेंट बनाने की तैयारी के....

बीजिंग. चीन के राष्टपति शी जिनपिंग के अमेरिका के खिलाफ नए प्लान का खुलासा हुआ है। शी जिनपिंग अमेरिकी युवाओं को ष्टष्टक्क के एजेंट बनाने की तैयारी के तहत उनका चीन बुला कर ब्रेन वॉश किया जा रहा है। इस गुप्त योजना के तहत कम से कम पांच अमेरिकी छात्र समूहों ने जनवरी में बीजिंग की यात्राएं पूरी कीं, जो अगले पांच वर्षों में विनिमय और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए 50,000 युवा अमेरिकियों को चीन में आमंत्रित करने की चीनी नेता शी जिनपिंग की योजना की शुरुआत का प्रतीक है। शी जिनपिंग ने पिछले साल सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान चीन-अमेरिका संबंधों को बढ़ाने के महत्व पर जोर देते हुए इस युवा मित्रता योजना की घोषणा की थी। चीनी राज्य मीडिया शिन्हुआ ने 4 जनवरी को आयोवा की अमेरिकी निवासी सारा लांडे को लिखे शी के पत्र की सूचना दी, जिसमें 50,000 युवा अमेरिकियों को चीन में आमंत्रित करने के उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया था।

अमेरिका में विद्वान चिंतित

इस पहल को तब और समर्थन मिला जब शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने 10 जनवरी को यूएस लिंकन हाई स्कूल में शिक्षकों और छात्रों के चीनी नव वर्ष ग्रीटिंग कार्ड के जवाब में कार्यक्रमों का उल्लेख किया। अमेरिका में विद्वान चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि ये विनिमय कार्यक्रम एक अधिक भयावह उद्देश्य की पूर्ति कर रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अमेरिकी युवाओं को CCCP के अनजाने एजेंटों में बदल रहे हैं। जैसा कि चीन के सिटीजन पावर इनिशिएटिव्स के रिसर्च फेलो जेनेट टोंग और राइट स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाले अर्थशास्त्री इवान ओसबोर्न के एक टिप्पणी लेख में उल्लिखित है, इन यात्राओं के कार्यक्रम में प्राचीन चीनी संस्कृति और व्यंजनों का नियमित अनुभव, आधुनिक लोगों का दौरा शामिल है।

अमेरिकी युवा रो चीनी सोशल मीडिया से लुभाने का प्रयास

रिपोर्ट के अनुसार कथित तौर पर मेजबान चीनी छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से, अमेरिकी प्रतिभागी तेजी से जुड़े और उन्हें विवादास्पद चीनी सोशल मीडिया ऐप, वीचैट डाउनलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। कथित तौर पर कुछ लोगों को चीन में अध्ययन और काम करने पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जो इन युवा दिमागों के भविष्य के प्रक्षेप पथ को प्रभावित करने के अधिक घातक उद्देश्य का सुझाव देता था। अमेरिका के विद्वानों को डर है कि ष्टष्टक्क का अंतिम लक्ष्य समर्थकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो वैश्विक प्रभुत्व के लिए शी जिनपिंग के दृष्टिकोण के साथ वैचारिक रूप से जुड़े हों। उन्होंने चेतावनी दी है कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य निर्दोष अमेरिकी युवाओं में ÷लाल जीन÷ पैदा करना है, जिससे उन्हें सीसीपी के सत्तावादी मॉडल के लिए अनजाने उपकरण में बदल दिया जा सके।

सीसीपी के लिए नए एजेंटों को तैयार करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन

टिप्पणी के लेखक ऐसी यात्राओं का आयोजन करने वाले संस्थानों को यह पहचानने की आवश्यकता पर जोर देते हैं कि गंतव्य केवल चीन नहीं है, बल्कि सीसीपी चीन है, एक ऐसी जगह जहां एक पार्टी सभी को नियंत्रित करती है।

वे छात्रों से यात्रा-पूर्व प्रशिक्षण लेने का आग्रह करते हैं जो अमेरिका-चीन संबंधों के बिगड़ने, ऐसी यात्राओं को प्रायोजित करने के पीछे सीसीपी के उद्देश्यों, मानवाधिकार संबंधी चिंताओं और वीचैट जैसे प्लेटफार्मों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों जैसे मुद्दों पर एक अमेरिकी परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। उन्होंने लिखा, ÷यह रणनीति अफ्रीकी देशों के भीतर सीसीपी के लिए नए एजेंटों को तैयार करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और यौन प्रलोभन दोनों का इस्तेमाल करती है।

गंभीर आर्थिक संकट से घिरा चीन, जिनपिंग ने कहा- चीनी शैली का आधुनिकीकरण एकमात्र समाधान

इंटरनेशनल डेस्क. 19 जनवरी को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। लेकिन जब उनमें से कई लोगों को उम्मीद थी कि चीनी राष्टपति सुधार बटन दबाएंगे लेकिन उन्होंने चीनी शैली के आधुनिकीकरण के लिए अपना आह्वान दोहराया, साथ ही उन पर लालफीताशाही सहित बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए दबाव डाला जो चीन के विकास की राह में रोड़ा है। राज्य समर्थित समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सभा को

संबोधित करते हुए राष्टपति शी जिनपिंग के हवाले से कहा, ÷राष्ट्रव्यापी आधुनिकीकरण प्रयासों के रास्ते में आने वाली संस्थागत बाधाओं को तोड़ने पर अपना ध्यान केंद्रित रखें।हालांकि इस बात का खुलासा नहीं किया गया कि क्या सीसीपी के वरिष्ठ नेताओं के साथ शी की बैठक 20वीं केंद्रीय समिति की बैठक की तैयारी के लिए थी, जो पिछले साल से विलंबित है और तब से औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की गई है कि यह कब होगी, लेकिन यह एक भावना पैदा करने के लिए आयोजित की गई थी स्थिति विकट थी और चीनी शैली का आधुनिकीकरण इसका उत्तर था।

इस साल की प्राथमिकता चीनी शैली के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए और सुधारों की योजना बनाना है। सिन्हुआ ने बैठक में राष्टपति शी जिनपिंग के भाषण के एक रीडआउट को उद्धृत करते हुए कहा, हमें जोखिमों और चुनौतियों को हल करने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में सुधार का उपयोग करना जारी रखना चाहिए।2021 की शुरुआत में, राष्ट्रपति शी ने अपने राजनीतिक दावे को स्पष्ट करने के लिए चीनी-शैली आधुनिकीकरण वाक्यांश का इस्तेमाल किया था कि चीन द्वारा अपनाए जाने वाले आधुनिकीकरण को आय के समान वितरण, शांतिपूर्ण राष्ट्रीय विकास और पारिस्थितिक स्थिरता जैसे सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, जबकि इसे आधुनिकीकरण से अलग किया जाना चाहिए। जैसा कि पश्चिम के विकसित देशों में सामने आया।

अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग करेंगे भारत और ओमान

इंटरनेशनल डेस्क. केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि भारत और ओमान ने अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग करने का फैसला किया है और सहयोग के कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीसी) के मसौदे पर सहमति बनी है। भारतीय राष्टीय अभिलेखागार (एनएआई) के महानिदेशक अरुण सिंघल के नेतृत्व में भारत के वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अभिलेखागार में उपलब्ध ओमान से संबंधित 70 चुनिंदा दस्तावेजों की एक सूची सौंपी। इनमें वर्ष 1793 से 1953 की अवधि के विभिन्न विषयों के दस्तावेज शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय प्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की जो कई पीढियों से ओमान के अलग-अलग हिस्सों में रहे हैं और इनमें से कई लोगों के पास समृद्ध निजी अभिलेखागार हैं।

खुलासाः चीनी हैकर्स ने कज़ाख क्रिटिकल IT इनफ्रा सुविधाओं पर 2 साल तक किए रखा कब्जा

इंटरनेशनल डेस्क. कजाकिस्तान की राष्टीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (Cert.kz) ने घोषणा की है कि चीनी हैकरों के एक समूह के पास दो साल तक कजाकिस्तान के दूरसंचार ऑपरेटरों के बुनियादी ढांचे को अपने नियंत्रण में रखा। फरवरी 2024 में, अज्ञात व्यक्तियों ने GitHub पर चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय (MPS) के ठेकेदारों में से एक, iSoon (उर्फ An&un) से लीक हुआ गुप्त डेटा प्रकाशित किया। Cert.kz का दावा है कि द्बस्थ्शठ्ठ चेंग्दू 404 से जुड़ा है, जो चीनी साइबर इंटेलिजेंस द्वारा नियंत्रित एक संरचना है जिसे APT41 के नाम से जाना जाता है। इस डेटा के अनुसार, पिछले दो वर्षों में कम से कम एक चीनी हैकर समूह के पास कजाकिस्तान के दूरसंचार ऑपरेटरों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तक पूरी पहुंच थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि लीक हुए दस्तावेज़, चीनी सुरक्षा फर्म द्वारा बेचे गए हैकिंग टूल और डेटा कैश का एक हिस्सा, विदेशी सरकारों और दूरसंचार कंपनियों की वेबसाइटों में सेंध लगाने के अभियान का हिस्सा है।iSoon उन सैकड़ों उद्यमशील कंपनियों में से एक है जो चीन के आक्रामक राज्य-प्रायोजित विश्वव्यापी हैकिंग प्रयासों का समर्थन करती है। जाहिर तौर पर GitHub पर और भी बहुत कुछ है, लेकिन वर्तमान में कजाकिस्तान चीनी खुफिया सेवाओं के लिए विशेष रुचि रखता प्रतीत होता है। सामग्री, जो हाल ही में GitHub वेबसाइट पर पोस्ट की गई थी, डेटाबेस को लक्षित करने और किर्गिस्तान, मंगोलिया, पाकिस्तान, मलेशिया, नेपाल, तुर्की, भारत, मिस्र, फ्रांस, कंबोडिया, रवांडा, नाइजीरिया, हांगकांग, को टैप करने के आठ साल के प्रयास का खुलासा करती है।

ब्रिटेन में केले के कंटेंनर से 4700 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त, एक साथ 6 टन की खेप ले जा रहे थे तस्कर

नेशनल डेस्क. ब्रिटेन की नैशनल क्राइम एजेंसी एंड बॉर्डर फोर्स (एन.सी.ए.) ने साउथैम्पटन पोर्ट के एक केले के कंटेनर से करीब 6 टन कोकीन जब्त की है।

अधिकारियों ने दावा किया है कि यह ब्रिटेन में अब तक की सबसे ज्यादा मात्रा में पकड़ी गई ए क्लास की ड्रग्स है। इंटनैशनल मार्केट में इसकी कीमत 4700 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है।

जर्मनी के पोर्ट ऑफ हैमबर्ग जानी थी ड्रग की खेप

मीडिया रिपोर्ट में एन.सी.ए.के हवाले से कहा गया है कि इस गैरकानूनी ड्रग्स के ब्लॉक्स को जर्मनी के पोर्ट ऑफ हैमबर्ग तक ले जाया जा रहा था जहां से इसे आगे डिलिवरी के लिए जाना था लेकिन उससे पहले ही यह बीते 8 फरवरी को जब्त कर ली गई। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनके एजेंट यूरोपीय पार्टनर्स से साथ इस तस्करी के पीछे के आपराधिक नेटवर्क की पहचान करने के लिए व्यापक स्तर पर ऑपरेशन चला रही थी।

यूरोप में केले के शिपमेंट में ड्रग्स की घटनाएं बढ़ीं

ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि उन्हें केले की एक खेप में छिपा हुआ 12,500 पाउंड यानी 5.7 टन से अधिक कोकीन मिला है, जिसने देश में हार्ड ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

एन.सी.ए. के निदेशक क्रिस फैरीमोंड ने एक बयान में कहा कि आपराधिक गिरोह ब्रिटेन के कोकीन बाजार से प्रतिवर्ष 5 अरब डॉलर से अधिक कमाते हैं, इसके चलते पिछले कुछ वर्षों में संबंधित हिंसा में तेजी से वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि पूरे यूरोप में केले के शिपमेंट में ड्रग्स छिपाने की घटनाए बढ़ी हैं।

कनाडा में लग्जरी कारों की चोरी बनी राष्ट्रीय संकट, टेंशन में PM ट्रूडो ने बुलाया खास सम्मेलन

कनाडा में लग्जरी कारों की चोरीराष्ट्रीय संकट बनती जा रही है। बढ़ती कार चोरी से चिंतित सरकार ने इस महीने ओटावा में एक ऑटो चोरी...

इंटरनेशनल डेस्क. कनाडा में लग्जरी कारों की चोरी राष्टीय संकट बनती जा रही है। बढ़ती कार चोरी से चिंतित सरकार ने इस महीने ओटावा में एक ऑटो चोरी सम्मेलन आयोजित किया। प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सम्मेलन में कहा कि संगठित अपराध नेटवर्क बिना किसी डर के काम कर रहे हैं। चोरी की कारों का अंतर्राष्टीय बाज़ार बढ़ रहा है। यह सम्मेलन लोगों को आश्वस्त करने के लिए बुलाया गया था कि सरकार ने समस्या पर ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वाहन चोरों पर सख्त दंड लगाया है, सीमा एजेंसियों की तैनाती बढ़ा दी है और प्रमुख हैकिंग उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। बेहतर निगरानी उपकरणों के लिए पुलिस का बजट बढ़ाया गया है।एक रिपोर्ट के अनुसार कनाडा निवासी डेनिस विल्सन को जब भी अपनी नई एसयूवी चलानी होती है तो उन्हें 15 मिनट का समय अलग रखना पड़ता है। कार के स्टीयरिंग व्हील, चारों टायरों को अनलॉक करने और पार्किंग में लगे बोलार्ड को हटाने में समय लगता है। उनकी कार में दो अलार्म सिस्टम, व्हीकल ट्रैकिंग डिवाइस हैं। एक रिमोट कुंजी प्रणाली है जो अवैध अनलॉकिंग सिग्नलों को जाम कर देती है। इसके अलावा उन्होंने टोरंटो स्थित अपने घर में दो फ्लड लाइटें लगवाई हैं। फिर भी, विल्सन को लगता है कि ये सभी सुरक्षा उपकरण उसकी कार को चोरी होने से बचाएंगे।

चिंता की बात यह है कि इन सुरक्षा उपायों का कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो के एक्सपर्ट कार चोरों पर कोई असर नहीं होने वाला है। विल्सन की कार पहले भी चोरी हो चुकी है। पिछले वर्ष पूरे कनाडा में कार चोरी में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले छह वर्षों में टोरंटो में कार चोरी में 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चोरी की कारों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए सोशल मीडिया समूह बनाए गए हैं। चोरों ने सरकार को भी नहीं छोड़ा। पूर्व और वर्तमान कानून मंत्रियों की टोयोटा हाईलैंडर कारें राजधानी ओटावा में तीन बार चोरी हो चुकी हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलेवर इस मुद्दे पर कई बार सरकार की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चोरी के आरोपियों को जमानत देने और सजा देने में ढिलाई बरत रही है।कनाडा के बीमा ब्यूरो के अनुसार, कार चोरी राष्टीय संकट स्तर पर पहुंच गई है। बीमा कंपनियों को 2022 में कार चोरी के दावों पर 7300 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। मॉन्ट्रियल स्थित टैग ट्रैकिंग के उपाध्यक्ष फ्रेडी मर्केंटोनियो ने कहा कि ओंटारियो में बीमा कंपनियों से वाहन ट्रैकिंग की मांग पिछले दो वर्षों में दोगुनी हो गई है।

क्यूबेक प्रांत में बीमा कंपनियों को अक्सर उच्च जोखिम वाली कारों के लिए टैग प्रणाली की आवश्यकता होती है। यहां वाहन चोरी अक्सर होती रहती है क्योंकि चोर वाहनों को देश से बाहर भेजने के लिए मॉन्ट्रियल बंदरगाह का उपयोग करते हैं।

जेलेंस्की का दावा- रूसी आक्रमण के बाद 2 साल में मारे गए यूक्रेन के 31 हजार सैनिक

कीव. यूक्रेन के राष्टपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद गत दो वर्षों में 31,000 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं। जेलेंस्की ने कीव में यूक्रेन वर्ष 2024 फोरम में कहा, इस युद्ध में 31,000 यूक्रेनी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। 3,00,000 या 1,50,000 नहीं, वह नहीं जो पुतिन और उनके धोखेबाज मंडली ने झूठ बोला है। लेकिन फिर भी, इनमें से प्रत्येक का जान गंवाना हमारे लिए एक बड़ा बलिदान है।हालांकि, जेलेंस्की ने कहा कि वह घायल या लापता सैनिकों की संख्या का खुलासा नहीं करेंगे। रूस द्वारा यूक्रेन पर चौबीस फरवरी, 2022 को आक्रमण शुरू करने के बाद से यह पहली बार है कि कीव ने जान गंवाने वाले अपने सैनिकों की संख्या की पुष्टि की है। इससे यूक्रेनी राष्टपति ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हालिया सैन्य असफलताओं के बावजूद उनका देश जीतेगा। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि सकारात्मक निर्णय होगा। ये आश्चर्यचकित कर देगा कि हम किस तरह जीतते हैं। जेलेंस्की ने 2024 को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताते हुए कहा कि नवंबर के अमेरिकी राष्टपति चुनाव के नतीजे एक महत्वपूर्ण कारक होंगे। अगर डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं तो उनसे कीव को दी जाने वाली सहायता बंद करने की संभावना है।

वाशिंगटन में हाउस रिपब्लिकन चार महीने से कीव को सैन्य और आर्थिक सहायता के 61 बिलियन डॉलर के पैकेज को रोक रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी कांग्रेस जल्द ही सहायता पैकेज पारित करेगी। जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि उनके सैनिकों के कुछ क्षेत्रों में पीछे हटने की एक वजह पश्चिमी देशों से हथियारों की आपूर्ति कम होना भी है। उन्होंने कहा, उनके पास गोला-बारूद की कमी हो गई थी और पिछले साल के अंत में हमारे सैनिक एक समय पर वे रूसियों की ओर से छोड़े गए हर बारह गोले के जवाब में एक गोला दाग रहे थे। रिज़वान, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने चौधरी चरण

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'पुलिस को तो बॉर्डर पर लगा रखा है', INLD नेता की बीच सड़क हत्या पर क्या बोले केजरीवाल

नई दिल्ली. हरियाणा में INLD के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह की बीच सड़क गोली मार कर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड से हड़कंप मच गया है। कहा जा रहा है कि बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर 40-50 राउंड फायरिंग की है। नफे सिंह की हत्या के बाद से कई नेताओं ने इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस हत्याकांड पर अपनी बाद रखी है। एक्स पर सीएम केजरीवाल ने कहा, हरियाणा में सरेआम हुई गोलीबारी में इनेलो नेता नफ़े सिंह जी की मौत बेहद दुखद है। उनके परिजनों व समर्थकों के प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। बीजेपी ने हरियाणा की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। पुलिस को बदमाश पकड़ने के काम में लगाना था लेकिन बीजेपी ने हरियाणा की पुलिस को किसानों को रोकने के लिए बॉर्डर पर लगा रखा है।

Indian National Lok Dal के कद्दावर नेता माने जाने वाले नफे सिंह राठी और एक पार्टी कार्यकर्ता की कुछ अज्ञात बदमाशों ने झज्जर जिले में गोली मारकर हत्या कर दी। पूर्व विधायक नफे सिंह राठी को बहादुगढ़ शहर में उस वक्त सरेआम गोलियों से भून दिया गया जब वो स्कूं से जा रहे थे। राठी की सुरक्षा में तैनात निजी सुरक्षाकर्मी भी इस हमले में जख्मी हो गया। INLD के नेता अभय चौटाला ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि वो नफे सिंह राठी को सुरक्षा देने में नाकाम रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी जान को भी खतरा था लेकिन इसके बावजूद उन्हें राज्य सरकार सुरक्षा नहीं दे सकी। इसके साथ ही अभय चौटाला ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और राज्य के गृहमंत्री अनिल विज के इस्तीफे की मांग की है।

क्या बोले DSP...

लोकसभा चुनाव से पहले नफे सिंह राठी की हत्या के बाद कई विपक्षी पार्टियों ने इसपर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विपक्षी नेताओं ने राज्य में कानून-व्यव्सथा पर सवाल उठाए हैं।

29 डिग्री तक पहुंचेगा पारा, बारिश भी होगी; दिल्ली में 7 दिन ऐसा रहेगा मौसम

नई दिल्ली. दिल्ली एनसीआर में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलता नजर आ रहा है। वजह है पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी। ऐसे में सर्द हवाएं लगातार मैदानी इलाकों का रुख कर रही हैं जिसके चलते धूप खिलने के बावजूद कई इलाकों अभी भी सर्दी का अहसास हो रहा है। इसके बाद बीच-बीच में हो रही बारिश से मौसम पल-पल करवट ले रहा है।

सोमवार को भी दिल्ली में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। वहीं रात में कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियत दर्ज किया जा सकता है। इसके अलावा 29 फरवरी को पश्चिम विक्षोभ भी सक्रिय हो रहा है जिसके चलते दो मार्च को दिल्ली में ज्यादा बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज की जा सकती है। इससे पहले रविवार को का नयूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम दर्ज किया गया था।

अगले 7 दिन कैसा रहेगा मौसम?

अगले सात दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की जाएगी। बीच में पारा 29 डिग्री तक पहुंचेगा।

इसके अलावा हवा भी 6 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। मौसम विभाग ने आज यानी 26 फरवरी से लेकर 3 मार्च तक के मौसम का हाल बताया है।

27 फरवरी मौसम का हाल

न्यूनतम तापमान दो डिग्री बढ़ सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री बढ़ सकता है। इसके अलावा आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं।

28-29 फरवरी का मौसम

अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं मौसम भी साफ रहेगा। वहीं 29 फरवरी को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। इस दौरान आसमना में आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं।

2 मार्च को भी होगी बारिश

एक मार्च को अधिकतम तापमान 29 डिग्री तक पहुंच जाएगा जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। इसके बाद 2 मार्च को एक बार फिर अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकती है और यह 27 डिग्री तक पहुंच सकता है। हालांकि न्यूनतम तापमान इस दौरान बढ़कर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस दौरान दिल्ली एनसीआर में आंधी तूफान के साथ हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इसके बाद 3 मार्च को अधिकतम तापमान और भी ज्यादा नीचे गिरकर 25 डिग्री पहुंच सकता है और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। इस दौरान बादल भी छाए रहने की संभावना है।

ED का 7वां समन भी दरकिनार, अरविंद केजरीवाल ने पेश होने से किया इनकार

ED का 7वां समन भी दरकिनार, अरविंद केजरीवाल ने पेश होने से किया इनकार

नई दिल्ली. शराब घोटाले से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सातवें नोटिस को भी दरकिनार कर दिया है। केजरीवाल ने ईडी को एक बार फिर कोर्ट के फैसले का इंतजार करने की सलाह देते हुए ईडी से सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल ने एक-दो बार नहीं बल्कि सात बार ऐसा किया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली के सीएम और 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज ईडी के पास नहीं जाएंगे। मामला कोर्ट में है और अगली सुनवाई 16 मार्च को है। ईडी को

रोजाना समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। हम इंडिया गठबंधन नहीं छोड़ेंगे। मोदी सरकार को इस तरह दबाव नहीं बनाना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय ने केजरीवाल को बीते गुरुवार 22 फरवरी को 7वां समन जारी कर दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए 26 फरवरी को पेश होने के लिए कहा था। केजरीवाल पिछले छह समन पर वह ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे।आम आदमी पार्टी (आप) शुरुआत से ही ईडी द्वारा अरविंद केजरीवाल को भेजे जा रहे इन नोटिसों को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित बताती रही है। 'आप' के मुताबिक, समन की वैधता का मामला भी अभी कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए उसे अब बार-बार समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए।बता दें कि, ईडी द्वारा सातवां समन भेजे जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए 'आप' ने कहा था कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में हार का बदला लेने के लिए 'भाजपा के प्रवर्तन निदेशालय' (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सातवां गैरकानूनी समन भेजा है। 'आप' की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ में लोकतंत्र को बचाया, उसका बदला लेने के लिए भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को एक बार फिर गैरकानूनी समन भेज दिया।

गाजियाबाद में युवक को कार की बोनट पर 3 KM तक घसीटा, ड्राइवर को क्यों आया गुस्सा

गाजियाबाद. राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक कार चालक एक शख्स को बोनट पर लटकाकर सड़क पर घुमाता हुआ नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक, दोनों के बीच गाड़ी टकराने के बाद विवाद हो गया था। गुस्से में कार चालक ने पीड़ित को करीब तीन किलोमीटर तक बोनट पर लटकाए रखा। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

तीन KM तक बोनट पर घसीटा

'आजतक' की रिपोर्ट के मुताबिक, कार चालक और पीड़ित के बीच गाड़ियों की टक्कर के बाद विवाद हो गया। गुस्से में आकर कार चालक पीड़ित को बोनट पर लटकाकर घसीटने लगा। आरोपी ने करीब तीन किलोमीटर तक उसे बोनट पर लटका कर सड़क पर घुमाया। कुछ लोगों ने कार चालक को रोका जिसके बाद पीड़ित को बोनट से नीचे उतारा गया।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

युवक को कार से घसीटे जाने की घटना सड़क किनारे लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई। वायरल हो रहे फुटेज में देखा जा सकता है कि युवक कार के सामने खड़ा है। अचानक ड्राइवर कार आगे बढ़ा देता है जिससे युवक बोनट पर लटक जाता है। इसके बाद चालक तेजी से कार को आगे बढ़ाने लगता है। बताया जा रहा है कि वह तीन किलोमीटर तक युवक को घसीटा। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक ने गाजियाबाद के कौशांबी थाने में आरोपी कार चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी की कार बरामद कर ली है। मामले की जांच की जा रही है। इस खौफनाक वारदात की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है।

जामा मस्जिद के 14वें शाही इमाम बने सैयद शाबान बुखारी, परिवार में बरकरार रहा पद

नई दिल्ली. सैयद शाबान बुखारी की जामा मस्जिद के 14वें इमाम के रूप में रविवार को दस्तारबंदी की गई। उन्होंने अपने पिता सैयद इमाम अहमद बुखारी की जगह ली। इस मौके पर उनके पिता और हालिया इमाम सैयद अहमद बुखारी ने शाबान बुखारी के नाम की घोषणा की और उनकी दस्तारबंदी की। इससे पहले शाबान बुखारी को नायब इमाम नियुक्त किया गया था। जामा मस्जिद के शाही इमाम के दस्तारबंदी कार्यक्रम के लिए सियासत के जानी-मानी हस्तियों के साथ, देश-विदेश और कई लोग आमंत्रित थे। जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में आम लोग भी एकत्रित हुए थे। पांच सौ किलो मिठाई यहां विभिन्न मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से लोगों को बांटने के लिए पहुंचाई गई। इस दौरान जामा मस्जिद को रोशनी से सजाया गया था।

रात 10 बजे के बाद इमाम अहमद बुखारी ने सैयद शाबान बुखारी के नाम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं 400 साल की रिवायत को बरकरार रखते हुए सब लोगों की मौजूदगी में शाबान बुखारी को जानसी मुकर्रर करता हूं। अली बुखारी नायब इमाम होंगे। उन्होंने खुदा से देश में अमन और तरक्की दुआ की। सैयद शाबान बुखारी ने अपने पिता का शुक्रिया अदा किया और कहा कि यह मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं इसका पालन करूंगा। मैं चाहूंगा कि खुदा मेरे पिता को सेहमंद और लंबी आयु दें। आप सब दुआ करें कि मैं बुजुर्गों के नक्शे कदम पर चलते इस जिम्मेदारी को हिम्मत के साथ निभा सकूं।

दिल्लीवालों के लिए गुड न्यूज, भैरों मार्ग अंडरपास की दोनों लेन यातायात के लिए खोली जाएंगी

दिल्ली में रिंग रोड से भैरों मार्ग को जोड़ने वाले अंडरपास का रूट प्लान बदला जा रहा है। पहले भैरों मार्ग से रिंग रोड होते हुए सराय काले खां की तरफ जाने वाले वाहनों के लिए ही दो लेन खोलने की योजना थी।

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में रिंग रोड से भैरों मार्ग को जोड़ने वाले अंडरपास का रूट प्लान बदला जा रहा है। पहले भैरों मार्ग से रिंग रोड होते हुए सराय काले खां की तरफ जाने वाले वाहनों के लिए ही दो लेन

खोलने की योजना थी, लेकिन अब इसको दोनों तरफ के यातायात के लिए खोला जाएगा।

नई दिल्ली क्षेत्र में आवागमन आसान होगा :

अंडरपास के खुलने पर प्रतिदिन 20-30 हजार वाहनों का आवागमन होने की संभावना है। इससे पूर्वी दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा से आने वाले लोगों का रिंग रोड के रास्ते नई दिल्ली क्षेत्र में आवागमन आसान होगा।

रिंग रोड और भैरों मार्ग को अंडरपास से जोड़ने वाली अप्रोच रोड भी बनकर तैयार :

लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पहले चरण में टनल की चार लेन में से सिर्फ दो ही लेन खुलनी है। इन दोनों लेन से भैरों मार्ग से सराय काले खां की तरफ जाने वाले और आईटीओ की तरफ से रिंग रोड के रास्ते भैरों मार्ग आने वाले ट्रैफिक को शुरू किया जाएगा। इन दोनों लेन को स्प्रिंग पोस्ट के जरिए दो हिस्सों में बांट दिया गया है।

रिंग रोड और भैरों मार्ग को अंडरपास से जोड़ने वाली अप्रोच रोड भी बनकर तैयार है। सड़क सुरक्षा से जुड़े काम बाकी है, जिन्हें अगले चार से पांच दिन में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद दोनों तरफ का ट्रैफिक शुरू कर दिया जाएगा। इससे लोगों को कई मार्गों पर जाम से भी छुटकारा मिलेगा।

पूरा तैयार होने में अभी समय लगेगा

अधिकारियों के अनुसार, चार लेन के अंडरपास में दो लेन को तैयार करने का काम चल रहा है। इसमें अभी दो से तीन महीने लग सकता हैं। इनके तैयार होने के बाद दोनों तरफ के ट्रैफिक के आवागमन को दो-दो लेन उपलब्ध होंगी।

अंडरपास को अगस्त 2022 तक पूरा किया जाना था। इसके बाद से 10 से अधिक बार इसकी समय सीमा को बढ़ाया जा चुका है लेकिन अभी तक बनकर तैयार नहीं हुआ है।

यमुना प्राधिकरण की जापानी और कोरियन सिटी को नए सिरे से बसाने की तैयारी, जल्द होगा भूमि अधिग्रहण

ग्रेटर नोएडा. यमुना प्राधिकरण जापानी और कोरियन सिटी को नए सिरे से बसाने की तैयारी कर रहा है। निवेश को लेकर दोनों देश के सकारात्मक रुख को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। जापानी और कोरियन कंपनियां चाहती हैं कि उन्हें जेवर एयरपोर्ट के पास जमीन मिले, जहां वे अपनी छोटी-बड़ी परियोजनाएं लगा सकें। ऐसे में यीडा कोरियन के लिए 365 हेक्टेयर और जापानी सिटी के 395 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत करने की तैयारी कर रहा है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के पास सेक्टर-4ए में कोरियन और सेक्टर-5ए में जापानी सिटी को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह दोनों शहर पहले सेक्टर-10 एवं 32 में बसाने की तैयारी थी। अब इनके लिए सेक्टर-4ए और 5ए में भूमि चिह्नित कर ली गई है। यहां निवेश के तौर पर क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां आएंगी। खासतौर पर सेमीकंडक्टर, एआई (आर्टीफिशियल इंटलीजेंस), ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी, सोलर एनर्जी सहित ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी निवेश होगा। इस प्रस्तावित सिटी में आधारभूत ढांचा सरकार विकसित करेगी। जापानी और कोरियन सिटी में उनकी कंपनियों में काम करने वाले लोगों को उन्हीं का परिवेश उपलब्ध करवाते हुए उनको घर, स्कूल और अस्पतालों समेत अन्य तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

NAME CHANGE
I, Santi pada saha S/o- Hem Chandra Saha R/O House No .-347-F , pocket -2 Near Govt School Mayur vihar phase -1 East Delhi -110091 have changed my name from Santi pada saha to Shanti pada saha for all future purpose.

NAME CHANGE
I BHAVAY S/o OM PARKASH, Residing H.No. 113/1, Ward No. 8, Badri Gate, Pradhana Mohalla, Rohtak - 124001 have changed my name from BHAVAY to BHAVAY SEHGAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I ROHAN S/o JOGINDER SINGH, Residing VPO: Budha Khera Lather, Jind - 126101 have changed my name from ROHAN to ROHAN LATHER for all future purposes.

NAME CHANGE
I JYOTI W/o MAYUR BATRA, Residing H.No. 341B, SJK Mandir Road, hota Panna, Kalanaur, Rohtak - 124113 have changed my name from JYOTI to JYOTI BATRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I SAHIL S/o MUNI RAM, Residing H.No. 422, Bhogipur (161), Sonipat - 131101 have changed my name from SAHIL to SAHIL JANGRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I VIRENDER s/O RAM PRASAD residing at H NO- 3681 GALI NO16 REGAR PURA KAROL BAGH DELHI-110005 have changed my name to VIRENDER KUMAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Firoj Khan S/o Islamuddin Add-/ A-220, Savitri Nagar, Malviya Nagar, DIST: South Delhi, Delhi - 110017 Have changed my name to Firoz Khan for all future purpose

NAME CHANGE
I ABHISHEK S/o SURENDER SINGH, Residing H.No. 1381/34, Vijay Nagar, Jhajjar Chungi, Rohtak - 124001 have changed my name from ABHISHEK to ABHISHEK DHRU for all future purposes.

NAME CHANGE
I SOKIN s/O YASIN residing at WARD NO 0 BANARSI NAGINA MEWAT NUH HARYANA-122107 have changed my name to SHOUKEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I HARIOM S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from HARIOM to HARIOM KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I HARIOM KADIAN S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my minor daughter name from HIMANSH to HIMANSH KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I HARIOM KADIAN S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my minor daughter name from PREKSHA to PREKSHA KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammed Inam S/o Abdul Waheed R/o 27/151-152, First Floor, Right Side Block-27, Trilok Puri, Delhi-110091 have changed my name to Mohd Inam Khan.

NAME CHANGE
I, Iqra Abu Talib d/0 Mohammed Abu Talib A1-61, ground floor, Saraswati Appartments, Neb Sarai Ignou Road, Opp. karnataka Resturant, New Delhi, Newdelhi, Delhi India, 110068 have changed my name to Iqra Talib for all future purposes

NAME CHANGE
I, TALIB ANSARI S/O MOHD RASHID residing at H.NO-75, GALI NO-9, MANDOLI ROAD, NEW MORERN, SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to MOHD TALIB ANSARI for all future purposes

NAME CHANGE
I BANTI W/o HARIOM KADIAN, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from BANTI to BANTI KUMARI for all future purposes.

NAME CHANGE
9. I HARI OM S/o PAWAN KUMAR, Residing H.No. 122, VPO: Dubaldhan Kirmian, Beri, Jhajjar - 124202 have changed my name from HARIOM to HARIOM KADIAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Falak Parveen D/o Mohammad Jalil Khan R/o 45,46,47,48, 2nd Floor, Brij Puri Extn No.-2, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Falak Perveen for all future purposes.

सूचना
मैं राधा शर्मा पत्नी श्री रमाकांत कटारे निवासी- ग्राम व पोस्ट- मेहदा , तह- रौन, जिला- भिण्ड , राज्य- मध्य प्रदेश , पिन कोड- 477335. मैं घोषणा करती हूं कि मेरा नाम राधा शर्मा है। और मेरे पति के सैन्य रिकॉर्ड में दर्ज है जो कि गलत है लेकिन मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड दस्तावेज के अनुसार मेरा सही नाम- राधा कटारे है। और भविष्य में इन्ही को सही माना जाये.

NAME CHANGE
I PANKAJ KUMAR MANDAL s/O PARITOSH KUMAR MANDAL residing at WB-74 THIRD FLOOR PLOT NO-33 GANESH NAGAR-2 SHAKARPUR DELHI-110092 have changed my name to PANKAJ MANDAL for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **कर्ज़ा मुक्ति पार्टी** के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। **पार्टी कार्यालय- बी-29 सांवल नगर, नई दिल्ली-110049** में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पते नीचे दिये गए है-
अध्यक्षः **सुरभी श्रीवास्तव,** 56, वी आई पी एन्कलेव, डेरा बस्सी, साहिबज़ादा अजित सिंह नगर, पंजाब-140507
महासचिवः **अरुणिमा गौतम** वाई/160, ई डब्लू एस, बर्रा-2, कानपुर नगर, उत्तर प्रदेश 208027
कोषाध्यक्षः **कोमल** म०नं० 783/2, गढ़ी मौहल्ला, कृष्णा कॉलोनी, रोहतक, हरियाणा 124001
यदि किसी को **कर्ज़ा मुक्ति पार्टी** के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित, सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली - 110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेंजें ।

NOTICE
Public at large is hereby informed that M/s Praveen Industries through its proprietor Sh. Sewa Singh was the owner of Industrial Plot NO. 146, area measuring 111.50 sq.mtrs., Situated In Block D, Sector VII, NOIDA, District Gautam Budh Nagar, U.P. vide Transfer Deed cum Sale Deed dated 23/04/2004 executed by M/s C.P. Engg. Works through its proprietor Sh. Chander Pal Singh in favour of M/s Praveen Industries through its proprietor Sh. Sewa Singh (Doc No. 2162/63, Book No. 1, Vol No. 532, Pages 253-270, SR-I NOIDA) Initially, Lease Deed dated 22/12/1981 executed by NOIDA in favour of M/s Bee Cee Engineers through partners (1) Sh. Praveen Bajaj & (2) Sh. Madan Mohan Chawla who executed Transfer Deed dated 11/07/1985 in favour of Sh. Chander Pal Singh (Doc No. 2433) who executed Transfer Deed cum Sale Deed dated 23/04/2004 in favour of M/s Praveen Industries through its proprietor Sh. Sewa Singh (Doc No. 2162/63), who Sh. Sewa Singh expired leaving behind legal heirs (1) Smt. Neelam Prabha, (2) Sh. Praveen Taak & (3) Smt. Priyanka. and NOIDA mutated the said property to Sh. Praveen Taak vide Mutation Letter dated 14/02/2019, Now Sh. Praveen Taak as proprietor of M/s Praveen Industries (as the vendor) and Smt. Neelam Prabha & Smt. Priyanka (as the confirming party) willing to sell the said property to intended Borrower who further intends to mortgage the said immovable property for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI **PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
DATE: 26/2/2024 Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I Iramishrat Aliase Iram Hashmi W/O Ayaz Uddin Hashmi Residing At House No House No 4642-47/21 Ansari Road Darya Ganj Delhi 110002 Have Changed My Name From Iramishrat Aliase Iram Hashmi To Eram Hashmi For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Ashiya Begum w/o Mohammad Jalil Khan R/o 45,46,47,48, 2nd Floor, Brij Puri Extn No.-2, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Asiya Begum for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MAHMODA KHATUN Wife of JC-452292W Rank-SUB Name-IMAMUDDIN presently residing at VPO-HEERWA, TEH-BHUHANA, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333027 have changed my name from MAHMODA KHATUN to MAHMUDA KHATUN for all future purposes vide affidavit dated 26/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I,Krishan S/o Satyapal R/o Kanti,mahendragarh haryana -123021 Have Change My Name From Krishan To Krishan Kumar For All Purposes.

NAME CHANGE
I,Satpal S/o Gulab Chand R/o Kanti,mahendragarh haryana-123021 Have Change My Name From Satpal To satyapal For All Purposes

NAME CHANGE
I, PIPARA SINGH Father of No-15508176P Rank-HAV Name-AJAY KUMAR R/o VILL- ARNIALA LOWER, PO-KOTLA KALAN, TEH+DIST-UNA, HIMACHAL PRADESH-174303, have changed my name from PIPARA SINGH to PIARA SINGH SAINI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 03/10/1954 instead of my correct date of birth as 08/12/1955 vide affidavit dated 26/02/2024 before Notary Public, Delhi.

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Deepak Jain & Smt. Pooja Jain are the owners of Freehold Shop cum Residential Plot No. 12, measuring 355.55 sq. yds., Block -A, Sector -07, THA residential Colony, Rampuri, Village - Chikambarpur, Pargana Loni, Tehsil and District - Ghaziabad, U.P. vide Sale Deed dated 22.11.2021 executed by Smt. Asha Gund w/o late Sh. Dharampal Gund & Smt. Vipul Gund & Smt. Niza Gund & Sh. Sachin Gund & Sh. Pankaj Gund both s/o late Sh. Dharampal Gund in favour of Sh. Deepak Jain & Smt. Pooja Jain in respect of the said property. (Document No. 14120), pages 71-100, registered on 22.11.2021, Initially, M/s Mahamaya General Finance Co. Ltd. had sold out the said property in the name of Mrs. Janak Dulari vide Sale Deed dated 10.01.1978 having Doc. No. 213, Later, Sh. Roshan Lal Kalia & Smt. Janki Dulari had adopted Girish kumar from Sh. Kailash Devi & Smt. Sulakshana Rani vide Adoption Deed dated 25.01.1971. after the death of Sh. Roshan Lal Kalia & Smt. Janki Dulari, their son Sh. Girish Kumar had acquired the said property as per Will executed by Sh. Roshan Lal Kalia & Smt. Janki Dulari in their lifetime on dated 20.03.1977. who sold said property to Mr. Jai Prakash Gupta and Mrs. Heera Rani vide Sale Deed dated 08.12.2004 having Doc. No. 10186, who sold said property to Mr. Dharampal, Mr. Vipul Gund and Mr. Nija Gund vide Sale Deed dated 27.04.2005 having Doc. No. 3273, Later Sh. Dharam Pal died leaving behind his legal heirs, Smt. Asha Gund w/o late Sh. Dharampal Gund, Sh. Sachin Gund & Sh. Pankaj Gund both s/o late Sh. Dharampal Gund, Finally, Sale Deed dated 22.11.2021 was executed in favour of my above stated clients who intend to mortgage the said immovable property for their bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.
NEW DELHI **PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
DATE: 26/2/2024 Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Gaurav Singh is the owner of One Built up Second Floor, of Property Bearing No. J-77, area measuring 41.8 Sq. Meters i.e. 50 Sq. Yards i.e. 450 Sq. Ft., out of Khasra No. 62/12, situated in the abadi of Gali No. 5, Block-J, Laxmi Nagar, in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110092 vide Gift Deed dated 24.03.2022 (Doc. No. 1550) and same property to be financed by Hinduja Housing Finance Ltd. (Branch Loni) That, Surviving Member Certificate of Mr. Suraj Singh is not available on the records. If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within a week from the date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Mohit who is the owner of Residential House No. 337/8, Land Area Measuring 41.31 Sq. Meters, Situated in Sector-8, Jagriti Vihar Yojana No. 6, Meerut owner vide Sale Deed dated 17.10.2020 executed by Mr. Vivek Aggarwal & Sons (HUF) (Doc. No.6821) and same property to be financed by Grihum Housing Finance Limited having its office address at 3rd Floor, Plot No.03, Commercial Sector-14, Kaushambi, Ghaziabad-201012, Uttar Pradesh. That, (1) Provisional Allotment Cum Demand Letter dated 07.01.1998, (2) Possession Letter issued by UPAVP in Favour of Mrs. Kamlesh Rastogi, (3) Death Certificate of Mrs. Kamlesh Rastogi, (4) Mutation/Transfer Letter issued by UPAVP in favour of Mr. Vishal Rastogi, (5) Freehold Deed dated 31.01.2018 executed by UPAVP in favour of Mr. Vishal Rastogi (Doc. No.1124), (6) Sale Deed dated 31.01.2018 in favour of Mr. Vivek Aggarwal & Sons (HUF) (Doc. No.1141) has been lost/misplaced. If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within 7 days from the date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सीमेंटेड दीवारें तोड़ने में छूटे प्रशासन के पसीने

सोनीपत. संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के दिल्ली कूच के आह्वान के चलते किसानों को रोकने के लिए सील किये कुंडली-सिंघु बॉर्डर की किलाबंदी को हटाने में अब प्रशासन को पसीने बहाने पड़ रहे हैं। शनिवार शाम को दोनों ओर के सर्विस रोड को खोलने का निर्णय लेने के बाद से मशीनों से सीमेंटेड दीवार को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मगर दीवारों के अधिक मजबूत होने के कारण प्रशासन की हालत खस्ता हो रही है। गौरतलब है कि किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद पंजाब से किसान 13 फरवरी को अंबाला के शंभू बॉर्डर पर आ डटे थे। जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने कुंडली-सिंघु बॉर्डर को पूरी तरह से सील कर दिया था। पुलिस प्रशासन ने कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर अभेद किलाबंदी करते हुए आठ लेयर बना दी थीं। सुरक्षा बढ़ाने के लिए पत्थरों के बैरिकेड्स के बीच 6 से 8 फुट चौड़ी सीमेंट की दीवार खड़ी कर दी गई थी। सीमेंट के बैरिकेड के बीच कंक्रीट भरते हुए उसमें भारी मात्रा में लोहे का सरिया भी डाला गया था। जिसके कारण सीमेंट की दीवार काफी मजबूत बन गई हैं। अब बुलडोजर इन्हें तोड़ नहीं पा रहा है। सीमेंट की इस तरह की आठ लेयर है। अब इन्हें तोड़ने में पसीने छूट रहे हैं। शनिवार के बाद रविवार को भी पूरा दिन मशीनें दीवार तोड़ने के काम में लगी रही, लेकिन इसके बावजूद काम बेहद धीमी गति से हो रहा है।

गर्म हो रही मशीनें

दीवारों को तोड़ने के लिए कई मशीन लगी हैं। कुछ समय बाद ही वे गर्म हो जाती है। ऐसे में उन्हें रोकना पड़ता है। इस दौरान मलबे को हटवाने का प्रयास किया है।

फ्लाईओवर भी खोलने की मांग

कुंडली बॉर्डर पर फ्लाईओवर के नीचे दोनों ओर के सर्विस रोड को खोलने का काम शुरू हुआ तो उद्योगपतियों, राहगीरों व कामकाजी लोगों को राहत मिली। अब उन्होंने मांग की है कि केवल सर्विस रोड ही नहीं बल्कि फ्लाईओवर को भी खोल दिया जाए। सुरक्षा बल किसानों को शंभू बॉर्डर से आगे नहीं आने देंगे। जब टिकरी बॉर्डर पर 6 लेन खोली जा चुकी है तो कुंडली बॉर्डर पर भी सभी मार्ग खोलने जाने चाहिये। वहीं दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि किसान अभी शंभू व दातासिंह वाला बॉर्डर पर डटे हुए हैं, जिसके कारण बॉर्डर को पूरी तरह से खोला नहीं जा सकता।

स्वास्थ्य, शिक्षा में कटौती, फिर भी किसान कर्जदार

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार यदि प्रदेश के किसान परिवार को सरकार स्वास्थ्य व शिक्षा भी निशुल्क दे दे तो भी वह हर साल 90 हजार रुपये का कर्जदार हो रहा है। यदि इनमें कटौती न करे तो एक किसान परिवार पर हर साल एक लाख, 31 हजार, 626 रुपये का कर्ज हो रहा है। हकृवि से प्रकाशित होने वाली 'हरियाणा खेती' मैगजीन के फरवरी अंक में विवि के कृषि अर्थशास्त्री विनय महला की रिपोर्ट में स्पष्ट है कि 2.7 एकड़ के एक किसान परिवार को हर साल एक लाख, 31 हजार, 626 रुपये का घाटा हो रहा है। प्रदेश के किसान परिवारों की वित्तीय गतिशीलता को समझने के लिए वर्ष 2022-23 में अध्ययन किया गया। सर्वे में शामिल परिवारों में पांच से आठ सदस्य थे और अधिकांश के पास दो दुधारू पशुओं के साथ प्रति परिवार औसतन 2.7 एकड़ जमीन है, जिस पर वे गेहूं, धान, कपास, सरसों, गन्न, बरसीम और ज्वार फसलों की खेती करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार एक किसान परिवार खाद्य वस्तुओं (अनाज, दाल, डेयरी, अंडे, कंन्फेक्शनरी, पेय पदार्थ, खाद्य तेल, फल, सब्जियां, मसाले, मांसाहारी भोजन) पर प्रति वर्ष 73 हजार, 185 रुपये, गैर खाद्य पदार्थों (स्वास्थ्य, शिक्षा वाहन, यात्रा, कपड़े, जूते, इलेक्ट्रोनिक आइटम, लॉन्ड्री और क्लीनर, रिचार्ज, बिल भुगतान, एलपीजी, सामाजिक समारोह, घर और घरेलू रखरखाव) पर एक लाख, 40 हजार, 849 रुपये, कृषि पर एक लाख, 65 हजार, 798 रुपये खर्च करता है। किसान का सबसे ज्यादा खर्च कृषि पर 43.7 प्रतिशत, गैर खाद्य पर 37.1 प्रतिशत और खाद्य वस्तुओं पर 19.3 प्रतिशत होता है। इसी प्रकार आमदनी में किसान को 51.052 प्रतिशत आय फसलों की पैदावार से एक लाख, 83 हजार रुपये होती है और 18.191 प्रतिशत आय डेयरी से 65 हजार, 206 रुपये होती है। इस प्रकार कृषि व्यवसाय से कुल आय दो लाख, 28 हजार, 206 रुपये (69.243 प्रतिशत) होती है। इसके अलावा जिन किसान परिवारों में कोई सदस्य नौकरी करता है तो उनको औसतन एक लाख, 10 हजार, 250 रुपये (30.575 प्रतिशत) की आय होती है। इस प्रकार किसान की कुल आय तीन लाख, 58 हजार, 456 रुपये होती है। यदि किसान के घर में खेती व डेयरी के अलवा तीसरा कोई काम नहीं है तो यह आय दो लाख, 48 हजार, 206 रुपये है।

दो बार रहे विधायक राठी की इनेलो में थी गहरी पैठ

चंडीगढ़/बहादुरगढ़. 22 फरवरी, 1958 को बहादुरगढ़ इलाके के गांव जटवाड़ा में जन्मे नफे सिंह राठी लंबे समय से इंडियन नेशनल लोकदल से जुड़े हुए थे। पार्टी में उनकी अपनी अलग हैसियत थी। चौटाला परिवार से उनकी काफी नजदीकियां रहीं। इनेलो के टिकट पर वह 1996 और 2000 में विधायक बने। बहादुरगढ़ नगर परिषद के 2 बार चेयरमैन भी रहे। उन्होंने रोहतक से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। वह एक्स एमएलए एसोसिएशन के प्रधान थे। इनेलो ने साल 2020 में उन्हें प्रदेश की कमान सौंपी थी। वर्तमान में वह कुश्ती संघ (भारतीय स्टाइल) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी थे।

हरियाणा विधानसभा में आज हंगामे के आसार

इनेलो के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने राठी की हत्या पर दुख जताते हुए राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। अभय और हुड्डा सोमवार को यह मुद्दा विधानसभा में उठा सकते हैं, जिस पर हंगामे के आसार हैं।

सरकार की अनदेखी के चलते प्रदेश में कानून व्यवस्था का दीवाला पिट चुका है। प्रदेश में ऐसे हालात न बनें, इसके लिए बार-बार विपक्ष की तरफ से सड़क से लेकर विधानसभा तक कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति को उठाया गया और सरकार को चेताया गया। मैं राजनीतिक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक हरियाणवी होने के नाते भी इन हालात को लेकर चिंतित हूं। हरियाणा देश का सबसे असुरक्षित राज्य है। इससे पहले भी बदमाशों ने विधायकों को अपना निशाना बनाया था।

– भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व सीएम, हरियाणा

हरियाणा में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराध का शासन है, कानून व्यवस्था श्मशान में है। लगातार हो रहे अपराध भाजपा-जजपा के खोखले दावों की पोल खोल रहे हैं। नफे सिंह राठी की आत्मा को मेरी श्रद्धांजलि और घायल हुए सुरक्षाकर्मियों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

– रणदीप सुरजेवाला, कांग्रेस
महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य

नफे सिंह राठी की हत्या संबंधी घटनाक्रम दुखद है। राठी मेरे साथ विधायक रहे हैं। मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए हैं। स्पेशल टास्क फोर्स को भी लगाया गया है। उम्मीद है कि पुलिस जल्दी कार्रवाई करेगी। घटना की वजह क्या है, यह अभी कहना संभव नहीं है।

– अनिल विज, गृह मंत्री, हरियाणा

नफे सिंह राठी की हत्या बेहद दुखद है और यह घटना बहुत ही निंदनीय है। नफे सिंह का निधन अपूरणीय क्षति है। मैं शोकाकुल परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर नफे सिंह राठी की आत्मा को शांति और परिवार को यह क्षति सहने की शक्ति प्रदान करें।

– डॉ. अजय चौटाला, अध्यक्ष, जजपा

नफे सिंह राठी की हत्या से स्तब्ध हूं। उनके परिजनों व समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। इस हमले में घायल व्यक्तियों के जल्दी स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उम्मीद करता हूं कि पुलिस जल्द ही हमलावरों को पकड़ेगी।

विस में आज गूंजेगा निकायों में भ्रष्टाचार का मुद्दा

चंडीगढ़.हरियाणा विधानसभा के जारी बजट सत्र में सोमवार को विधायकों द्वारा कई शहरों के बाईपास के अलावा गांवों में खेतों के 25 किमी लम्बाई तक के रास्तों को पक्का करने के मुद्दे उठेंगे। गुरुग्राम नहर में बह रहे पानी की गुणवत्ता को लेकर भी सरकार पर सवाल दागे जाएंगे। शहरी स्थानीय निकायों ङ्क नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं में कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों को भी सदन में उठाया जाएगा।

वहीं शुक्रवार को वित्त मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पेश किए गए भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के पांचवें और आखिरी बजट पर भी चर्चा की शुरुआत होगी। नूंह से कांग्रेस विधायक आफताब अहमद गुरुग्राम कैनाल के प्रदूषित पानी का मुद्दा उठाएंगे। उनका आरोप है कि यह पानी पीने योग्य नहीं है और इसकी वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियां फैल रही हैं। वे सरकार द्वारा पानी के लिए गए सैम्पल और इसकी रिपोर्ट को लेकर भी सवाल पूछेंगे। यह मुद्दा पहले भी विधानसभा में कई बार उठ चुका है।

गोहाना से कांग्रेस विधायक जगबीर सिंह मलिक विधायकों की सिफारिश पर गांवों में खेतों तक जाने वाले 25 किमी. तक के अलग-अलग रास्तों को पक्का करने को लेकर सवाल पूछेंगे। भिवानी से भाजपा विधायक घनश्याम सर्राफ द्वारा स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के सामने उनके शहर में नर्सिंग कॉलेज के निर्माण की मांग उठाई जाएगी। हालांकि राज्य सरकार यह पहले ही फैसला कर चुकी है कि नये बनने वाले सभी मेडिकल कॉलेजों के साथ नर्सिंग कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। रेवाड़ी से कांग्रेस विधायक चिरंजीव राव का आरोप है कि नगर परिषदों में भ्रष्टाचार के मामले बढ़ गए हैं। वे रेवाड़ी नगर परिषद में हुए कथित भ्रष्टाचार के अलावा सरकार से पिछले नौ सालों में सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों पर सवाल पूछेंगे। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता उनके सवालों का जवाब देंगे। पानीपत सिटी से भाजपा विधायक प्रमोद विज शहर में बाईपास निर्माण का मुद्दा उठाएंगे। उनका कहना है कि औद्योगिक शहर पानीपत में बढ़ते ट्रैफिक की वजह से बाईपास की जरूरत है। बरवाला से जजपा विधायक जोगीराम सिहाग विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली को बरवाला शहर के चार तालाबों के सौंदर्यीकरण और रखरखाव के मुद्दे पर घेरते दिखेंगे। उनका कहना है कि इन तालाबों के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सौंदर्यीकरण की घोषणा की गई थी। वे इससे स्टेट्स रिपोर्ट मंत्री से पूछेंगे। अटेली से भाजपा विधायक सीताराम यादव द्वारा उनके हलके में सरकार द्वारा खोले गए और खोले जाने वाले महिला संस्कृति केंद्रों को लेकर सवाल पूछेंगे।

कालोनियों में दूषित जलापूर्ति

कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा द्वारा रोहतक शहर में पेयजल संकट का मुद्दा प्रश्नकाल के दौरान उठाया जाएगा। उनका आरोप है कि शहर की कई कालोनियों में कई बार दूषित जलापूर्ति होती है। वे शहर में मौजूद वाटर टैंक की संख्या के अलावा यह जानेंगे कि उन्हें कितने समय के बाद भरा जाता है। इसी तरह जींद से भाजपा विधायक डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा द्वारा ईक्कस, ईंटल कलां, ईंटल खुर्द, जलालपुर कलां-खुर्द, संगतपुरा, जुलानी, दरियावाला, ढांढा खेड़ी, जाजवान आदि गांवों में जलापूर्ति के लिए कलस्टर परियोजना को लेकर पब्लिक हेल्थ मंत्री बनवारी लाल से सवाल पूछेंगे। कांग्रेस विधायक बलबीर सिंह वाल्मीकि द्वारा ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों को विधानसभा में उठाया जाएगा।

खेदड़ में भी लगेगा 800 मेगावाट थर्मल प्लांट

चंडीगढ़. हरियाणा में बिजली की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सरकार ने 800 मेगावाट का एक और थर्मल पावर प्लांट लगाने का फैसला लिया है। खेदड़ (हिसार) में चल रहे राजीव गांधी थर्मल पावर प्लांट में ही सरकार ने 800 मेगावाट का नया प्लांट लगाने की तैयारी की है। इसके लिए हरियाणा राज्य बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया है। साथ ही, केंद्र से भी बातचीत शुरू की जा चुकी है ताकि कोयले का प्रबंध हो सके।

खेदड़ में 660-660 मेगावाट की दो यूनिट यानी 1320 मेगावाट का प्लांट पहले से चल रहा है। पूर्व की हुड्?डा सरकार के समय में यह प्लांट स्थापित किय गया था। खेदड़ कैम्पस में ही नया प्लांट स्थापित किया जाएगा। निगम की सर्वे रिपोर्ट आने के बाद इसे मुख्यमंत्री के सामने रखा जाएगा। केंद्र से अगर कोयले के प्रबंधन को लेकर हरी झंडी मिल गई तो इस प्लांट को भी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बाद मंजूरी मिल सकती है।

इससे पहले राज्य सरकार यमुनानगर में 6900 करोड़ रुपये की लागत से थर्मल पावर प्लांट लगाने का फैसला कर चुकी है। इस बार के बजट में भी इसका उल्लेख है और 16 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी ने रेवाड़ी में 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' कार्यक्रम के दौरान यमुनानगर के थर्मल प्लांट का शिलान्यास किया था। बिजली कंपनियों के चेयरमैन पीके दास ने खेदड़ में नया पावर प्लांट स्थापित करने की पुष्टि की है।

कोचिंग इंस्टीट्यूट सरकार के रडार पर

चंडीगढ़. हरियाणा में चल रहे कोचिंग इंस्टीट्यूट के लिए आने वाले समय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो जाएगा। बिना पंजीकरण के राज्य में कोचिंग इंस्टीट्यूट नहीं चल सकेंगे। इतना ही नहीं, कोचिंग इंस्टीट्यूट को सरकार द्वारा तय की जाने वाली शर्तों की भी पालना करनी होगी और विद्यार्थियों से मनमानी फीस भी वसूल नहीं की जा सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमम विधेयक-2024 पेश किया जाएगा।

हरियाणा कैबिनेट द्वारा विधेयक के ड्रॉफ्ट को मंजूरी दी जा चुकी है। उच्चतर शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा द्वारा विधेयक पेश किया जाएगा। यहां बता दें कि पिछले दिनों केंद्र सरकार ने प्राइवेट कोचिंग सेंटर्स की मनमानी पर लगाम कसने के लिए नई गाइडलाइन जारी की हैं। इसके तहत अब बिना परमिशन के सेंटर नहीं खुल सकेंगे। फीस पर भी कंट्रोल रहेगा और इन सेंटर्स में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के रजिस्ट्रेशन पर रोक रहेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने सख्त कानून बनाने का निर्णय लिया है। विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद इसे राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राजभवन की मुहर लगाने के बाद उच्चतर शिक्षा विभाग इसका नोटिफिकेशन जारी करेगा और इसके बाद यह कानून पूरे प्रदेश में लागू हो जाएगा।

फीस पर भी रहेगा कंट्रोल

विधेयक में स्पष्ट किया है कि प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट में ट्यूशन फीस पर भी सरकार का कंट्रोल रहेगा। एक लिमिट से अधिक फीस कोचिंग इंस्टीट्यूट वसूल नहीं सकेंगे। उन्हें कुल विद्यार्थियों की संख्या के अलावा बैचवार विद्यार्थियों का ब्यौरा, बिल्डिंग में उपलब्ध सुविधाओं सहित सभी प्रकार की जानकारी सरकार को देनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर संस्थानों के खिलाफ 25 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान विधेयक में किया है।

प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट के लिए रजिस्ट्रेशन और रेगुलेशन अनिवार्य करने के लिए सरकार कानून बना रही है। इससे जुड़ा विधेयक बजट सत्र के दौरान पेश किया जाएगा।

सभी कोचिंग सेंटर्स के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया जाएगा। उल्लंघन करने पर जुर्माना और लाइसेंस रद्द करने का प्रावधान भी विधेयक में किया। ट्यूशन फीस पर भी कंट्रोल रहेगा ताकि अभिभावकों से मनमानी वसूली पर रोक लगाई जा सके।

अब पशुधन के इलाज की 24 घंटे मिलेगी सुविधा, टोल फ्री नंबर जारी

नारनौल. मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को गांव जाट- पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ परिसर में चल रही तीन दिवसीय 40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी के दूसरे दिन प्रदेश के पशुपालकों को बड़ी सौगात दी। सीएम ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए 11.20 करोड़ रुपए की लागत से खरीदी गई 70 मोबाइल पशुधन एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने लैपटॉप का बटन दबाकर प्रदेश में पशु चिकित्सालय कॉल सेंटर 24X7 टोल फ्री नंबर 1962 का शुभारंभ भी किया। इस मौके कृषि एवं किसान कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जयप्रकाश दलाल भी मौजूद रहे।

इन एबुंलेंस को कॉल सेंटर से जोड़ा गया है। जीपीएस युक्त इन मोबाइल वैन से पशु चिकित्सा सेवा की निगरानी तथा परामर्श सुविधा प्रदान की जाएगी। इन वाहनों के माध्यम से बीमार पशुओं को घरङ्कघर जाकर ट्रीटमेंट दिया जा सकेगा। अब प्रदेश का कोई भी पशुपालक अपने पशुओं के बीमार होने पर जल्द से जल्द चिकित्सा वाहन को अपने स्थान पर बुलवा सकेगा और अपने पशुओं का समय पर इलाज करवा सकेगा। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता, सांसद धर्मबीर सिंह, अटेली के विधायक सीताराम यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा भी मौजूद रहे।

पशुपालकों व किसानों को मिले पुरस्कार

पशुधन प्रदर्शनी के दूसरे दिन लकी ड्रा निकाले गए। ड्रा में फरीदाबाद के शंकर लाल के नाम बाइक व दादरी के रवि के नाम स्कूटी निकली। वहीं जिला रेवाड़ी के कुनाल, महेंद्रगढ़ के विजय सिंह व महेश, दादरी के फूल कुमार व भिवानी निवासी सुमन के नाम दूध बिलोने की मधानी मशीन निकली। महेंद्रगढ़ की निर्मला व रिंकू तथा दादरी के धर्मेंद्र सिंह को भी पुरस्कार दिए गए।

केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन

झज्जर (हप्र): केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक संस्थान के रूप में झज्जर जिले को केन्द्र सरकार की तरफ से बड़ी सौगात मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को गुजरात के राजकोट से वर्चुअल माध्यम से गांव देवरखाना में बनाए गए इस नवनिर्मित केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक संस्थान का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं इस उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ व सांसद डा. अरविंद शर्मा भी उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने संस्थान का लोकार्पण किए जाने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि झज्जर जिला ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा के लोगों के लिए यह खुशी के पल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार पहले ही लोगों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य देने के प्रति वचनबद्ध है। बता दें कि झज्जर जिले के हलका बादली के गांव देवरखाना में 19 एकड़ क्षेत्र में 64 करोड़ रुपए की लागत से 200 बैड का योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा उत्कृष्ट केन्द्र का निर्माण किया गया है। इस संस्थान में लोगों के लाइफ स्टाइल से जुड़े रोगों की रोकथाम और चिकित्सा एवं अनुसंधान पर फोकस रहेगा।

7 फेरे लेने के बाद टूट गयी शादी, बिना दुल्हन लौटी बारात

रेवाड़ी/नारनौल. बड़े ही उल्लास के साथ दुल्हन को लेने रेवाड़ी के गांव लाला से गई बारात को बिना दुल्हन के उस समय लौटना पड़ा, जब दूल्हे ने कथित रूप से विदाई के समय फार्च्यूनर गाड़ी की मांग कर डाली। यह सब कुछ उस समय घटा, जब सात फेरे हो चुके थे और विदाई की तैयारी हो रही थी। फेरों के बाद खाना खाते समय दूल्हा व दुल्हन में मिठाई खाने को लेकर कुछ तकरार हो गई। लड़का काजू बर्फी खिलाने लगा तो लड़की ने कहा कि उसे तो गाजर का हलवा पसंद है। इस पर लड़के ने कहा कि वह तो दुल्हन को ही पसंद नहीं करता। उसके घरवालों ने जबरदस्ती शादी करवाई है। इसके बाद लड़का व लड़की पक्ष में विवाद बढ़ता चला गया। लड़की ने भी दूल्हे के साथ जाने से मना कर दिया। लड़की वालों का कहना है कि दूल्हे ने धमकी दी थी कि यदि बिना फार्च्यूनर के लड़की को विदा कर दिया तो वह अपने घर पर 7 दिनों में उसे मार देगा। तत्पश्चात, दुल्हन ने ही विदा होने से इनकार कर दिया। रविवार को 11 गांवों की हुई पंचायत में लड़की पक्ष को 65 लाख रुपये देने व जुर्माने के तौर पर 11 लाख रुपये गौशाला में देने का फैसला हुआ।

जानकारी के अनुसार गांव लाला के प्रदीप कुमार के बेटे मणि कुमार की शादी नारनौल के गांव निजामपुर की लड़की सुषमा से तय हुई थी। शनिवार को बारात निजामपुर गई थी। सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा था और राजी-खुशी के माहौल में रात को दूल्हा-दुल्हन के सात फेरे भी हो गए। मामले में उस समय नया मोड़ आया, जब खाना-खाते समय दूल्हे ने लड़की पक्ष से फार्च्यूनर गाड़ी की मांग कर दी। दूल्हे मणि कुमार ने कहा कि यदि फार्च्यूनर नहीं दी और सामाजिक दबाव डालकर उसके साथ विदा कर दिया गया तो वह घर पर सात दिनों में उसे मार देगा। दूल्हे की इस मांग से मामला बिगड़ता चला गया और दुल्हन ने ही विदा होने से इनकार कर दिया। इस बारे में जब दूल्हे से बात की गई तो उसने कहा कि उसने जो भी कहा, गुस्से में कहा। उसने केवल इतना कहा था कि यदि उसके पिता को कुछ हो जाए तो क्या वह उनकी सेवा और घर में बंधे पशुओं का कार्य करेगी। लड़की ने जब इनकार कर दिया तो उसने आवेश में आकर ऐसा बोल दिया था। इधर, दुल्हन ने कहा कि खाना खाते समय मणि ने उससे पूछा उसने कितनी पढ़ाई की है। उसने कहा कि वह तो इंग्लिश मीडियम से पढ़ा है और वह उससे कम पढ़ी-लिखी है। वह ये शादी नहीं करेगा। दुल्हन ने यह आरोप भी लगाया कि उसके परिवार से फार्च्यूनर गाड़ी की मांग की गई। आर्मी से रिटायर होने के बाद हरियाणा पुलिस में कार्यरत लड़के के पिता प्रदीप कुमार का कहना है कि उन्होंने दहेज की कोई मांग नहीं की थी। लड़के ने गुस्से में कुछ बोल दिया होगा। वे लड़की को ले जाने के लिए तैयार हैं।

कंपनी ने उठाया भारी घाटा तो शेयर बेचने की लगी होड़, केमिकल स्टॉक 11 टूटा

नई दिल्ली. केमिकल इंडस्ट्री की कंपनी रेन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर आज शुरुआती कारोबार में 11 फीसद से अधिक लुढ़क गए। दरअसल शेयरों में आई इस गिरावट के पीछे कंपनी के दिसंबर तिमाही के नतीजे हैं। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 1118.75 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट लॉस दर्ज किया है। जबकि, इससे पहले दिसंबर 2022 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान कंपनी को 89.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। दिसंबर तिमाही में कंपनी की सेल 24.85त्न गिरकर 4100.58 करोड़ रुपये रह गई, जबकि दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान बिक्री 5456.81 करोड़ रुपये थी। आज शुरुआती कारोबार में रेन इंडस्ट्रीज के शेयर 11.29त्न का गोता लगाकर 183.05 रुपये पर आ गए। इसका असर ये हुआ कि कंपनी का मार्केट कैप घटकर 6,383 करोड़ रुपये रह गया। यह स्टॉक आज सुबह बीएसई पर टॉप लूजर था।रेन इंडस्ट्रीज का स्टॉक 22 नवंबर, 2023 को 52 सप्ताह के निचले स्तर 141.05 रुपये तक गिर गया और 19 फरवरी, 2024 को 52 सप्ताह के हाई 219.65 रुपये पर पहुंचा था। रेन इंडस्ट्रीज के शेयर सुबह 186.55 रुपये खुले और 194.70 रुपये तक पहुंचे। आज ये 185.05 रुपये के दिन के लो तक भी आए। सुबह पौने 11 बजे के करीब इससमें 7 फीसद से अधिक की गिरावट थी। यह 191.75 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।रेन इंडस्ट्रीज के स्टॉक में पिछले पांच दिनों में 10 फीसद से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले एक महीने में इसमें 3 फीसद से अधिक बढ़त भी हुई है। इस साल अब तक रेन इंडस्ट्रीज ने 24 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है।

पहले दिन ही फुल सब्सक्राइब, आज भी IPO पर दांव लगाने का मौका, दाम 100 से कम

नई दिल्ली.साधव शिपिंग आईपीओ को पहले दिन अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। आईपीओ अपने ओपनिंग-डे पर ही फुल सब्सक्राइब हो गया था। जो निवेशक पहले दिन दांव नहीं लगा पाए थे उनके पास आज भी दांव लगाने का मौका रहेगा। बता दें, आईपीओ 23 फरवरी को ओपन हुआ था। और यह 27 फरवरी तक खुला रहेगा। आइए डीटेल्स में जान लेतें हैं आईपीओ के विषय में -

क्या है प्राइस बैंड?

साधव शिपिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 95 रुपये प्रति

शेयर तय हुआ है। कंपनी ने 1200 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिस वजह से निवेशकों को कम से कम 1,14,000 रुपये का दांव लगाना होगा। कोई भी रिटेल निवेशक एक बार में अधिकतम 1200 शेयर ही खरीद सकता है।

पहले दिन 100त्न सब्सक्राइब

आईपीओ को पहले दिन ही 100 प्रतिशत से अधिक का सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ था। 23 फरवरी को आईपीओ को 1.57 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 2.06 गुना, जबकि अन्य कैटगरी में 1.08 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

क्या है ग्रे मार्केट का हाल?

ग्रे मार्केट में आईपीओ कल 18 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। प्राइस बैंड के लिहाज से देखें तो जीएमपी बहुत मजबूत नहीं है। लेकिन अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में अभी भी स्थिति बेहतर है। जिससे पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीदें निवेशक लगा रहे हैं।

शेयर मार्केट में गिरावट, सेंसेक्स 72900 के नीचे, निफ्टी 22140 पर

नई दिल्ली.शेयर बाजार की शुरुआत आज कमजोर रही। बीएसई सेंसेक्स 97.99 अंकों की कमजोरी के साथ 73044 के स्तर पर खुला। जबकि, निफ्टी 43 अंक गिरकर 22169 के लेवल से इस महीने के आखिरी कारोबारी सप्ताह के पहले दिन की शुरुआत की। बता दें पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स में 716.16 अंक या 0.97 प्रतिशत बढ़त रही।

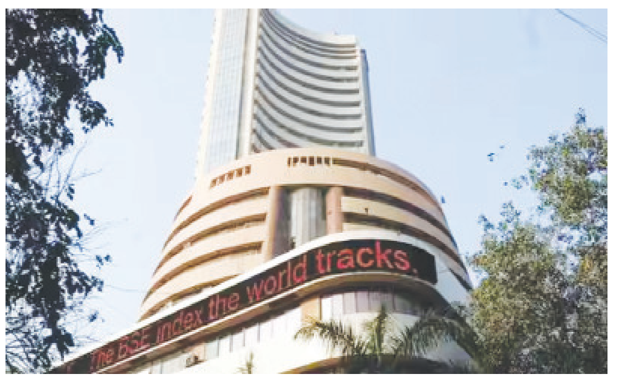

निफ्टी आईटी, मेटल और हेल्थकेयर इंडेक्स पर अधिक दबाव नजर आ रहा है। निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 1 फीसद की गिरावट है। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.42 फीसद नीचे है। मेटल में 0.83 फीसद लुढ़का है। निफ्टी फार्मा 0.75 और रियल्टी 0.56 फीसद नीचे है। कंज्यूमर ड्यूराबेल्स 0.66 फीसद और ऑयल एंड गैस 0.44 फीसद नीचे ट्रेड कर रहा है। सेंसेक्स अब 375 अंक नीचे 72767 और निफ्टी गिरावट का शतक लगाकर 104 अंक नीचे 22107 के लेवल पर आ गया है। एनएसई पर 2519 स्टॉक्स में ट्रेडिंग हो रही है। इनमें से केवल 993 बढ़त पर हैं। जबकि, 1418 में गिरावट है। आज 103 स्टॉक्स अपर सर्किट पर हैं। 71 में लोअर सर्किट लगा है। 172 आज 52 हफ्ते के हाई और 15 लो पर हैं।

शेयर मार्केट में गिरावट जारी है। सेंसेक्स 295 अंक नीचे 72847 और निफ्टी 81 अंकों की गिरावट के साथ 22131 के लेवल पर है। निफ्टी टॉप लूजर में एशियन पेंट्स करीब 4 फीसद की गिरावट के साथ एशियन पेंट्स 2867.85 रुपये पर है। बीपीसीएल 1.66 फीसद नीचे 607.70 रुपये, भारती एयरटेल 1.51 फीसद नीचे 1108.70 रुपये, हिन्डाल्को 1.49 फीसद नीचे 510.65 और एक्सिस बैंक 1.41 फीसद नीचे 1081.30 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

निफ्टी टॉप गेनर की बात करें तो इसमें एलएंडटी 2.24 फीसद ऊपर 3463.85 फीसद ऊपर, पावर ग्रिड 1.49 फीसद ऊपर 286.15, अडानी एंटरप्राइजेज 1.40 फीसद ऊपर 3319.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।शुरुआती कारोबार में एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, टाटा स्टील में जहां तेजी है, वहीं एशियन पेंट्स, टाइटन, बजाज फिनसर्व, मारुति आदि में गिरावट। सेंसेक्स 196 अंक नीचे 72946 के लेवल पर आ गया है। एनएसई 42 अंकों की गिरावट के साथ 22169 पर है।

पावर ग्रिड से इस कंपनी को मिला 737 करोड़ रुपये का ठेका, शेयर खरीदने को मची लूट

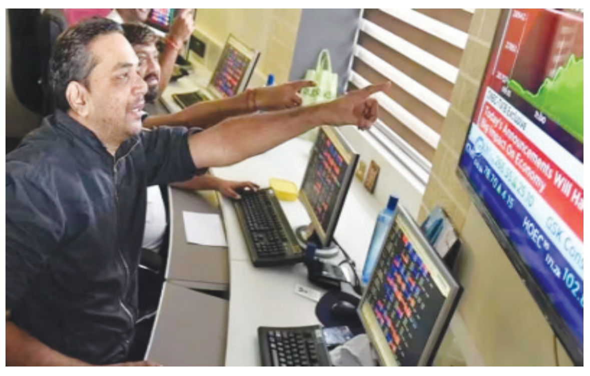

नई दिल्ली. पावर ग्रिड से 737 करोड़ रुपये का ठेका मिलने के बाद स्किपर लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की आज लूट मची है। सुबह मार्केट खुलते ही निवेशक इस पर टूट पड़े और देखते ही देखते यह 10 फीसद उछलकर 401 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का हाई है। शेयर सुबह 385 के स्तर पर खुला। स्किपर लिमिटेड ने रविवार को यह जानकारी दी कि उसे पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (PGCIL) से 737 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी को यह ठेका अत्याधुनिक 765 केवी ट्रांसमिशन लाइन के डिजाइन, सप्लाई और निर्माण के लिए मिला। इस खबर के बाद आज शुरुआती कारोबार में इसमें जबर्दस्त तेजी देखी गई।

शेयर प्राइस हिस्ट्री अगर स्किपर लिमिटेड के शेयर प्राइस हिस्ट्री की बात करें तो पिछले पांच दिन में इसने 13 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। पिछले एक महीने में ही यह शेयर करीब 60 फीसद उछल चुका है। जबकि, छह महीने में इसने करीब 84 फीसद की उड़ान भरी है। इस साल अबतक इसने 62 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। इसका 52 हफ्ते का लो 85.24 रुपये है।

स्किपर लिमिटेड एक भारतीय ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रक्चर बनाने वाली कंपनी है। इसकी स्थापना 1981 में हुई थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है। स्किपर लिमिटेड टावर्स, ईपीसी, मोनोपोल और पोल्स जैसे सब-सेगमेंट में उपस्थिति के साथ पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन और पॉलिमर पाइप,र फिटिंग सेगमेंट में काम करता है।

पावर टीएंडडी संरचनाओं की विनिर्माण क्षमता के मामले में यह भारत की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है।

यह दक्षिण अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और ऑस्ट्रेलिया में 40 से अधिक देशों को निर्यात करता है।विशेषज्ञों द्वारा दी गई सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं।

300 MW सोलर पावर के लिए डील, सरकारी कंपनी के शेयरों में रॉकेट सी तेजी

नई दिल्ली. सरकारी कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त तेजी आई है। एसजेवीएन **(SJVN)** के शेयर 7 पर्सेंट की तेजी के साथ 127.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। पीएसयू कंपनी एसजेवीएन ने 300 मेगावॉट सोलर पावर कैपेसिटी के लिए जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के साथ पावर यूसेज डील की है। एसजेवीएन लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 170.45 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 30.39 रुपये है।

बीकानेर सोलर प्रोजेक्ट से होगी पावर की सप्लाई

एसजेवीएन लिमिटेड ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है, कंपनी के पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (SGEL) ने 300 मेगावॉट सोलर पावर कैपेसिटी के लिए जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (JKPCL) के साथ पावर यूसेज एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉरपोरेशन को इस 300 मेगावॉट पावर की सप्लाई अंडर कंस्ट्रक्शन 1000 मेगावॉट वाले बीकानेर सोलर प्रोजेक्ट से की जाएगी। इस सोलर पावर प्रोजेक्ट को 5491 करोड़ रुपये की कॉस्ट से डिवेलप किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेंट (DCR) मोड में डिवेलप किया गया है और यह जुलाई 2024 से चालू हो जाएगा।

एक साल में 295त्न से ज्यादा चढ़े हैं SJVN के शेयर

एसजेवीएन लिमिटेड (SJVN) के शेयरों में पिछले एक साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। सरकारी कंपनी एसजेवीएन के शेयर 295 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। एसजेवीएन के शेयर 27 फरवरी 2023 को 31.50 रुपये पर थे। सरकारी कंपनी के शेयर 26 फरवरी 2024 को 127.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में एसजेवीएन के शेयर 105 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं।

भोजन नहीं, कपड़े और मनोरंजन पर ज्यादा खर्च कर रहे भारतीय

नई दिल्ली. देश में लोग भोजन पर कम और कपड़े व मनोरंजन इत्यादि पर ज्यादा पैसे खर्च कर रहे हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन से यह जानकारी मिली है। इसके मुताबिक, भारतीय परिवारों का घरेलू खर्च पिछले 10 वर्षों में दोगुना से ज्यादा हो गया है।रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच किए गए सर्वेक्षण में शहरी क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय बढ़कर अनुमानित 6,459 रुपये हो गया, जो 2011-12 में 2,630 रुपये था।

इसी अवधि में ग्रामीण भारत में यह 1,430 रुपये से बढ़कर अनुमानित 3,773 रुपये हो गया।भारतीय परिवार खाद्य पदार्थों पर प्रतिशत के रूप में कम खर्च कर रहे हैं, जबकि कपड़े, टेलीविजन सेट और मनोरंजन जैसी विवेकाधीन वस्तुओं पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है।

क्या कहते हैं आंकड़े

शहरी क्षेत्र

भोजन हिस्सेदारी 2011-12 में 42.5 फीसदी थी, जो 2022-23 घटकर 39.2 फीसदी रह गई।गैर खाद्य खपत 2011-12 में 57.4 फीसदी थी और अब 2022-23 में 60.8 फीसदी हो गई।

ग्रामीण क्षेत्र

भोजन में हिस्सेदारी 2011-12 में 53 फीसदी थी। अब 2022-23 में 46.4 फीसदी रह गई है।गैर खाद्य खपत 2011-12 में 47 फीसदी थी, लेकिन 2022-23 में 53.6 फीसदी हो गई।

सरकार ने कहा- Byju की जांच में लाएं तेजी, जल्द सौंपी जाए रिपोर्ट

बिजनेस डेस्क. एडटेक कंपनी बायजू की समस्या बढ़ती जा रही है। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को कंपनी के बही-खातों की जांच में तेजी लाने और रिपोर्ट सौंपने को कहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी कानून लागू करने वाला मंत्रालय अपने क्षेत्रीय कार्यालय से रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय करेगा। मंत्रालय ने जुलाई, 2023 में हैदराबाद में क्षेत्रीय निदेशक के कार्यालय को बायजू मंच का संचालन करने वाली बेंगलुरु में पंजीकृत कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड की जांच करने को कहा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय ने बायजू के संबंध में जांच और रिपोर्ट सौंपने में तेजी लाने को कहा है। जांच के बारे में फिलहाल विस्तार से जानकारी नहीं मिल पायी है। मंत्रालय ने पिछले साल शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी में उस समय के विभिन्न घटनाक्रमों के मद्देनजर जांच का आदेश दिया था। इन मामलों में ऑडिटर का इस्तीफा भी शामिल था। चार्टर्ड अकाउंटटेंट का शीर्ष निकाय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) कुछ वित्त वर्षों के लिए शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी के वित्तीय खुलासों पर भी गौर कर रहा है। आईसीएआई के अध्यक्ष रंजीत कुमार अग्रवाल ने पिछले सप्ताह कहा था कि मामला प्रक्रियाधीन है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा-प्रौद्योगिकी मंच बायजू के बहुलांश शेयरधारकों ने शुक्रवार को आसाधारण आम बैठक (ईजीएम) में लोकप्रिय तकनीकी स्टार्टअप में कथित 'कुप्रबंधन और विफलताओं को लेकर संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन और उनके परिजनों को निदेशक मंडल से हटाने के लिए आम सहमति से मतदान किया।

73.87 लाख पीएफ क्लेम में से 24.93 लाख खारिज, ये है बड़ी वजह

बिजनेस डेस्क.कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) से जुड़े सदस्यों को अपने पीएफ क्लेम को निपटाने में मुश्किलों का सामना कर पड़ा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 में ईपीएफ अंतिम दावों के करीब 13 फीसद मामले खारिज हुए थे, जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर लगभग 34 प्रतिशत हो गए है। यानी हर तीन ईपीएफ दावों में से एक दावा नामंजूर हो रहा है। क?लेम मिलने में देरी होने और भारी संख?या में दावे खारिज करने की काफी शिकायतें सोशल मीडिया पर आ रही हैं।वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 73.87 लाख पीएफ क्लेम आए थे, जिनमें से 24.93 लाख यानी 33.8 फीसदी खारिज हो गए। इस तरह तीन में से एक दावा रद्द हो गया। इसी अवधि में 46.66 लाख दावे निपटाए गए और सदस्यों को राशि जारी की गई। 18 लाख दावे शेष रह गए।यह आंकड़ा वर्ष 2017-18 और 2018-19 में खारिज किए गए दावों से काफी अधिक है। उस समय क्रमशः 13 फीसदी और 18.2 फीसदी दावे खारिज हुए थे। इसके बाद 2019-20 में दावा खारिज होने की दर बढ़कर 24.1 फीसदी पहुंच गई। वर्ष 2020-21 में यद दर 30.8 फीसदी और 2021-22 में 35.2 फीसदी पहुंच गई।ऑनलाइन दावों में समस्या सबसे ज्यादा ईपीएफओ अधिकारियों का कहना है कि पीएफ दावे तेजी से अस्वीकार होने की बड़ी वजह ऑनलाइन प्रक्रिया है। पहले दस्तावेजों का सत्यापन नियोक्ता या कंपनी करती थी, इसके बाद कागजात ईपीएफओ के पास आते थे।

लेकिन, अब पीएफ खाते आधार नंबर से ऑनलाइन जोड़े गए हैं। ऐसे में 99 फीसदी दावे ऑनलाइन पोर्टल के जरिए किए जा रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन में आवेदनकर्ताओं से कुछ गलतियां हो जाती हैं और उनका क्लेम खारिज हो जाता है। ईपीएफओ के मुताबिक जब पीएफ का ऑफलाइन निपटारा होता था तो संस्थान की हेल्पडेस्क ऐसे मामलों को निपटाती थी, जिससे पीएफ दावा जल्दी खारिज नहीं होता था।

अब पीएफ की रकम ऑनलाइन क्लेम हो रही है जिसमें कई खामियां आ रही हैं। कई बार तो पीएफ खाताधारक के नाम के अक्षर मेल नहीं खाते, तो कभी आधार कार्ड में अलग-अलग जानकारी होती है। इसकी जिसकी वजह से पीएफ के दावों के निपटारे में काफी दिक्कतें आ रही है।

ईपीएफओ के मुताबिक अगर सही तरीके से सभी दस्तावेजों के साथ दावा दाखिल किया जाए तो पीएफ खाताधारक को 20 दिन के भीतर पैसा दे दिया जाता है। ईपीएफओ के पास 27.7 करोड़ खाते हैं और यह लगभग 20 लाख करोड़ के फंड का प्रबंधन करता है।

अगर आपकी केवाईसी जानकारी अधूरी और वैध नहीं है तो पीएफ दावा खारिज हो सकता है। इससे बचने के लिए दावा दाखिल करने से पहले केवाईसी से संबंधित सभी दस्तावेजों को अपडेट कर लें।

यहां एक कप चाय के दाम में मिलता है 4 लीटर पेट्रोल, बता सकते हैं उस देश का नाम

नई दिल्ली. एक कप चाय की कीमत में अगर आपको चार लीटर से अधिक पेट्रोल मिले तो आपकी तो बल्ले-बल्ले हो जाएंगे। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल की कीमत आज ढाई रुपये से कम है और अपने देश में एक आप चाय की औसत कीमत 10 रुपये है। इस लिहाज से जहां पेट्रोल 2.37 रुपये लीटर बिक रहा है, वहां अपने यहां के एक कम चाय के दाम में 4 लीटर से अधिक पेट्रोल मिल जाएंगे।

हम बात कर रहे हैं ईरान की। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत **glob-alpetrolprices.com** पर दिए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारतीय रुपये में 2.37 रुपये है। सबसे महंगा पेट्रोल हांगकांग में है। यहां एक लीटर पेट्रोल के लिए 258.48 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। जबकि, अपने देश में सबसे महंगा पेट्रोल राजस्थान के श्रीगंगानगर में 113.44 रुपये लीटर है। वैसे आज भारत में सबसे सस्ता पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये लीटर बिक रहा है। जबकि, पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की औसत कीमत 81.66 रुपये (भारतीय करेंसी में) है।

सरकारी ऑयल मार्केटिंग पेट्रोलियम कंपनियों ने रोजाना की तरह आज सुबह छह बजे पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दी हैं। 651वें दिन भी तेल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दूसरी ओर ब्लूमबर्ग एनर्जी पर दिए गए ताजे अपडेट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड का अप्रैल वायदा 81.41 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। जबकि, डब्ल्यूटीआई क्रूड 76.28 डॉलर प्रति बैरल पर है।

अपने आसपास के अन्य देशों की बात करें तो नेपाल में पेट्रोल अब 107.44 रुपये लीटर हो गया है, जबकि भारत में औसत रेट 104.18 रुपये है। श्रीलंका में भी पेट्रोल की कीमत 121.17 रुपये प्रति लीटर पड़ेगी। यहां सभी आंकड़े भारतीय रुपये में दिए गए हैं।अफगानिस्तान में पेट्रोल 85.74 रुपये लीटर है। मालदीव में पेट्रोल का रेट 77.13 रुपये प्रति लीटर है। भूटान में 67.58 रुपये और बांग्लादेश में 94.40 रुपये लीटर।

चीन में एक लीटर पेट्रोल की कीमत है 96.89 रुपये। नेपाल में पेट्रोल की औसत की कीमत भारत से अब अधिक हो गई है।

Vitamin क्की ज्यादा मात्रा हो सकती है सेहत के लिए नुकसानदेह, जानें इसके 5 साइड इफेक्ट्स

सेहतमंद रहने के लिए शरीर में सभी पोषक तत्वों का होना बेहद जरूरी है। शरीर में मौजूद ये सभी न्यूट्रिएंट्स हमें सही विकास और हेल्दी रहने में मदद करते हैं। विटामिन बी (Vitamin B) इन्हीं जरूरी पोषक तत्वों में से एक है, जो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। ऐसे में इसकी अहमियत को देखते हुए लोग शरीर में इसकी कमी दूर करने के लिए विटामिन बी से भरपूर फूड्स और सप्लीमेंट्स को डाइट में शामिल करते हैं, लेकिन कहते हैं न कि किसी भी चीज की अति हमारे लिए हानिकारक होती है।ऐसा ही कुछ विटामिन बी के साथ भी है। अगर शरीर में इसकी मात्रा जरूरत से ज्यादा होने लगे, तो इसके कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। बहुत ज्यादा मात्रा में इसे लेने से हृदय संबंधी समस्याओं से लेकर लिवर डैमेज तक का खतरा बढ़ सकता है। आइए जानते हैं ज्यादा विटामिन बी के साइड इफेक्ट्स-

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं

बहुत ज्यादा विटामिन बी लेने से आपका पाचन तंत्र भी खराब हो सकता है। कुछ लोगों को विटामिन बी की ज्यादा मात्रा के कारण अपच, मतली या हल्के दस्त का अनुभव होता है। खासकर अगर आपको पहले से ही पेट की समस्याए रही हैं या आपकी उम्र ज्यादा है, तो इसके दुष्प्रभावों में दस्त और पेट में ऐंठन आदि हो सकती हैं। कई मामलों में, उल्टी भी हो सकती है।

त्वचा पर लाल चकत्ते

विटामिन बी की अधिक मात्रा से होने वाले साइट इफेक्ट्स में सबसे प्रमुख और ध्यान देने योग्य संकेत त्वचा पर लाल चकत्ते हैं। फ्लशिंग, जिसमें आपका चेहरा और गर्दन असहज रूप से गर्म महसूस होती है और गुलाबी या लाल हो जाती है, तो यह विटामिन बी के ओवरडोज का एक स्पष्ट संकेत हो सकता है। इसकी वजह से पित्ती और झाइयां, उभरे हुए खुजलीदार उभार हर जगह हो सकते हैं। कुछ मामलों में, सूजन वाले दानों के साथ मुंहासे जैसे दाने भी निकल सकते हैं।

अनिद्रा

विटामिन बी एनर्जी बढ़ाने वाला विटामिन है और इसकी ज्यादा मात्रा, विशेष रूप से बी12, आपके सामान्य स्लीप साइकिल में बाधा डाल सकती है और दिन के अंत में आपके लिए आराम करना कठिन बना सकती है, जिससे आपको नींद से जुड़ी समस्याएं, खासकर अनिद्रा की समस्या हो सकती है।

आंखों से जुड़ी समस्या

विटामिन बी की ज्यादा मात्रा आपकी आंखों पर भी असर डाल सकती है। इसकी वजह से आपको रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, ब्लर विजन और दुर्लभ मामलों में आंखों के अंदर तरल पदार्थ जमा हो सकता है। साथ ही यह आपकी ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचा सकता है और यहां तक ??कि इससे स्थायी अंधापन भी हो सकता है।

मूड स्विंग्स

जरूरत से ज्यादा विटामिन बी आपके मूड को भी खराब कर सकता है। इसकी वजह से मूड स्विंग्स हो सकते हैं। साथ ही आप बेचैनी का अनुभव कर सकते हैं और डिप्रेशन में जा सकते हैं। खासकर अगर आपको पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, तो विटामिन बी की ज्यादा मात्रा इसे और गंभीर बना सकती हैं।

सामाजिक न्याय की राजनीति के नए प्रतीक बने राहुल

सामाजिक न्याय के विमर्श को कांशीराम ने उत्तर प्रदेश की जमीन पर साकार करके दिखाया। बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों के जरिए कांशीराम ने वंचितों को संविधान और वोट की ताकत का अहसास कराया। दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके उन्होंने बहुजन राजनीति को मजबूत किया। दलितों वंचितों में सम्मान और स्वाभिमान की चेतना पैदा करके कांशीराम ने सत्ता और संसाधनों पर समाज की दावेदारी मजबूत की।

1994 में रिलीज़ हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म क्रांतिवीर में नाना पाटेकर का एक डायलॉग बड़ा मशहूर हुआ था। पत्रकार का किरदार निभाने वाली डिम्पल कपाड़िया की तरफ इशारा करते हुए नाना पाटेकर भीड़ को संबोधित करते हैं। %ये कलम वाली बाई क्रांति करने चली थी। क्रांति कैसे होगी? यहां सब बुजदिल हैं , मुर्दे हैं।% भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले राहुल गांधी यूपी पहुंचकर नाना पाटेकर के क्रांतिवीर की भाषा में संवाद कर रहे हैं। बनारस से इलाहाबाद होते हुए सामन्तवाद के गढ़ प्रतापगढ़ पहुंचे राहुल गांधी दलित-ओबीसी मुद्दों पर जमकर बरसे। संभवतया पहली बार राहुल गांधी ने दलितों और पिछड़ों को अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए ललकारा। भारत जोड़ो यात्रा से लेकर न्याय यात्रा में बिहार झारखंड तक राहुल गांधी भाजपा और आरएसएस की नफरत और हिंसा पर आधारित विभाजनकारी राजनीति को कठघरे में खड़ा करके दलित, आदिवासी और पिछड़ों के सवालों को संयमित भाषा में उठाते रहे हैं। एक राजनीतिक व्यक्तित्व से बढ़कर राहुल गांधी एक शिक्षक की तरह आंकड़ों के जरिए वंचित समुदायों को समझाते रहे कि नरेंद्र मोदी किस तरह दलितों पिछड़ों और आदिवासियों के संसाधनों को छीनकर अपने पूंजीपति मित्रों की तिजोरियां भर रहे हैं।

राहुल गांधी पूछते रहे कि देश की संपदा और संसाधनों में इन तबकों की हिस्सेदारी कितनी है? लेकिन जब राहुल गांधी यूपी पहुंचे तो उन्होंने दलित ओबीसी और आदिवासियों को ललकारते हुए कहा कि तुम सोये हुए हो। तुममें दम नहीं है। दरअसल, ये अम्बेडकर और कांशीराम की भाषा है। उनका कहना था कि अधिकार मांगने से नहीं मिलते, छीनने पड़ते हैं। बुजदिली और कायरता से अधिकार नहीं मिलेंगे। इसके लिए मजबूती के साथ खड़ा होना होगा। लड़ना होगा। संघर्ष करना होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि यूपी आकर राहुल गांधी एंग्री यंगमैन क्यों बन गए? राहुल गांधी में ये बदलाव कैसे आया?

14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए राहुल गांधी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अन्याय के खिलाफ लोगों से अनवरत संवाद कर रहे हैं। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हुई भयानक जातीय हिंसा से उपजे विभाजन को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोई सार्थक प्रयास नहीं किया। जबकि राहुल गांधी हिंसा के दरम्यान मणिपुर पहुंचे थे। मणिपुर के लोगों को सौहार्द्र और न्याय का संदेश देने के लिए राहुल गांधी ने वहीं से अपनी न्याय यात्रा शुरू की। दलितों और आदिवासियों पर होने वाली अन्याय और प्रताड़ना की घटनाओं में पिछले दशक में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आदिवासियों के जंगल और जमीन के अधिकारों को छीना जा रहा है। राहुल गांधी इस अन्याय के खिलाफ लगातार खड़े हैं। वे राष्ट्रीय संसाधनों में वंचित तबकों की समान हिस्सेदारी की बात कर रहे हैं। इसके समानांतर भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी को अपमानित करने और न्याय यात्रा को बाधित करने के प्रयास भी निरंतर हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र बनारस में काशी विश्वनाथ मंदिर से निकलकर गोदौलिया में राहुल गांधी ने जहां भाषण दिया था, उस स्थान को भाजपाइयों ने 51 लीटर गंगाजल से धोया। दरअसल, ये वर्णवादी और मनुवादी मानसिकता है, जिसके शिकार सदियों से दलित और पिछड़े रहे हैं। राहुल गांधी के साथ इस तरह का व्यवहार करना, एक नई परंपरा की शुरुआत है। नरेंद्र मोदी और भाजपा के हिंदुत्व से जो असहमत हैं उसके खिलाफ अपमान और घृणा का व्यवहार, भारत की वर्चस्वशाली परंपरा का नया हथियार है। जाहिर तौर पर राहुल गांधी ने अब इस दर्द को ज्यादा अंतरतम से महसूस किया होगा। राहुल गांधी सिर्फ राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के लिए नहीं बल्कि किसी भी तरह की शोषणकारी सत्ता को बदलने के लिए बेताब दिखते हैं।

सामाजिक न्याय के विमर्श को कांशीराम ने उत्तर प्रदेश की जमीन पर साकार करके दिखाया। बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों के जरिए कांशीराम ने वंचितों को संविधान और वोट की ताकत का अहसास कराया। दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके उन्होंने बहुजन राजनीति को मजबूत किया। दलितों वंचितों में सम्मान और स्वाभिमान की चेतना पैदा करके कांशीराम ने सत्ता और संसाधनों पर समाज की दावेदारी मजबूत की। परिणामस्वरूप यूपी में चार बार बीएसपी की सरकार बनी।लेकिन इसी के समानांतर राम मंदिर आंदोलन के जरिए हिंदुत्व की राजनीति अपना प्रभाव जमा रही थी। बहुजन राजनीति इस खतरे को भांपने में असफल हुई। इसका नतीजा यह हुआ कि 2014 और 2019 के लोकसभा तथा 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को यूपी में बड़ी सफलता मिली। जिस जमीन को अंबेडकर के विचारों के जरिए कांशीराम ने सामाजिक राजनीतिक बदलाव के लिए उर्वर बनाया था, उस पर हिंदुत्व के जरिए सामंतवाद और ब्राह्मणवाद के पुनरुत्थान की परत जमने लगी। राहुल गांधी ने सामंतवाद के गढ़ प्रतापगढ़ में दलितों पिछड़ों को याद दिलाया कि विश्वविद्यालयों से लेकर मीडिया तक और बड़े पूंजीवादी कंपनियों से लेकर उच्च न्यायालयों में उनकी भागीदारी नगण्य है।

ओबीसी दलित और आदिवासियों की अनुमानित आबादी 73 फीसदी है लेकिन देश को चलाने वाले 90 सचिव स्तर के अधिकारियों में केवल 7 इन तबकों से आते हैं। इनको भी सबसे कमजोर मंत्रालयों में जगह दी गई है। राहुल गांधी ने इन समुदायों को ललकारते हुए कहा, कि तुम सोए हुए हो। तुममें दम नहीं है। तुम बब्बर शेर हो। अपनी ताकत को पहचानो। अन्याय से मुक्ति और अधिकारों की शक्ति हासिल करने के लिए तुम्हें खुद इस बर्बर सत्ता का मुकाबला करना होगा। आजादी के आंदोलन के दरम्यान लगभग गुलामी का जीवन जी रहे दलितों का आह्वान करते हुए डॉ अंबेडकर ने कहा था, शिकार बकरी का होता है, शेर का नहीं। राहुल गांधी दलितों वंचितों को जगाने के लिए डॉ अंबेडकर वाले तेवर में संवाद कर रहे हैं।

यूपी देश का सबसे बड़ा सूबा है। 80 लोकसभा सीटें दिल्ली के लिए निर्णायक हैं। योगी आदित्यनाथ की भाजपा सरकार में दलितों पर 150 फीसदी हमले बढ़े हैं। सरकारी शिक्षा व्यवस्था खत्म की जा रही है। नौकरी के अवसर छीने जा रहे हैं। समृद्धि और सशक्तिकरण की आकांक्षाएं ध्वस्त की जा रही हैं। सरकारी संरक्षण में सामंती शक्तियां मजबूत हो रही हैं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के नाम पर अवसरवादी मुखौटों को लाकर भाजपा सामाजिक न्याय की हत्या कर रही है। इसके बरक्स यूपी में दलितों पिछड़ों में एक नई लहर करवट ले रही है। इन दिनों संविधान और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। हिंदुत्व के सामने अंबेडकरवाद सीना ताने खड़ा है। दलित वंचित समाज के भीतर की इस आंदोलनधर्मी धारा को राहुल गांधी पहचान रहे हैं। इसीलिए उन्होंने उत्तर प्रदेश में बदलाव और संघर्ष की इस चेतना को धार देने के लिए दलितों, पिछड़ों और नौजवानों को ललकारा है। राहुल गांधी सामाजिक न्याय की राजनीति के नए आइकन बनकर उभर रहे हैं।

संपादकीय

संदेशखाली का संदेशसंदेशखाली का संदेश

राजनीतिक संरक्षण में अपराधियों का फलना-फूलना किसी भी समाज के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही है। लेकिन संगीन अपराध के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय वास्तविक अपराधियों को दंडित करना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आपराधिक तत्वों का बोलबाला दशकों से जारी रहा है। कभी जो दबंग लोग पश्चिम बंगाल की वामपंथी सरकार के दौरान वोट छापने व बूथ कब्जाने के लिये कुख्यात थे, अब उनके ही चोला बदलकर सत्तारूढ़ टीएमसी के कार्यकर्ताओं के रूप में नजर आने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में हुई हिंसा व चुनावों में हेराफेरी इसकी बानगी बतायी जाती है। ताजा मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर परगना जिले में स्थित संदेशखाली का है, जो आज राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। दरअसल, एक अनाज घोटाले में ईडी की कार्रवाई पर टीएमसी कार्यकर्ताओं के प्रतिरोध और उसके बाद ईडी अधिकारियों पर हमले के बाद संदेशखाली में नये-नये खुलासे होते रहे हैं। हिंसा व दबंगई के लिये कुख्यात इलाके में दबंग राजनेताओं द्वारा जमीन कब्जाने और आदिवासी महिलाओं के शोषण के मामले उजागर हुए। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाये जा रहे हैं। भाजपा की ओर से जहां महिला मुख्यमंत्री वाले राज्य में महिलाओं का शोषण करने वाले टीएमसी नेताओं को बचाने के आरोप लगाए जा रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से विपक्ष पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आरोप लगाये जा रहे हैं। कालांतर बढ़ते विवाद के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रतिनिधि संदेशखाली का दौरा करके पीड़ितों से मिले भी हैं। निस्संदेह, इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, लेकिन यदि दबंग राजनेताओं द्वारा महिलाओं का सामूहिक शोषण किया जाता है तो निश्चय ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी मुख्य अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई न होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। हालांकि, इस प्रकरण में अब तक डेढ़ दर्जन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।बहरहाल, हिंसा और दबंगई के लिये मशहूर पश्चिम बंगाल की राजनीति में संदेशखाली का विवाद लगातार विस्तार लेता प्रतीत हो रहा है। जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा को मामले को तूल देने के आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा अपराधियों को बचाने के आरोप सत्तारूढ़ दल पर लगा रही है। आरोप है कि भाजपा आम चुनाव के मद्देनजर ध्रुवीकरण के प्रयासों में लगी है। बाकायदा एक बीस मिनट का वीडियो भी जारी किया गया है जिसमें महिलाएं अपनी आपबीती सुना रही हैं। क्षेत्र की महिलाएं इस मुद्दे को लेकर मुखर हो रही हैं और दोषियों को दंडित करने की मांग को लेकर एकजुट हो रही हैं। विपक्षी नेता इस आंदोलन की तुलना सिंगूर-नंदीग्राम जैसी मुहिम से कर रहे हैं, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की वाहक बनी थीं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन महिलाओं ने पहले दबंग राजनेताओं के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई। कुछ लोगों की दलील है कि मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद वे आवाज उठाने में सक्षम हो पायी हैं। बहरहाल, राशन घोटाले, अभियुक्तों के ठिकानों पर छापे, जमीन हड़पने और सामूहिक उत्पीड़न के आरोपों के बीच संदेशखाली लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं व विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों के संदेशखाली जाने की बात की जा रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल पहले ही संदेशखाली का दौरा कर चुका है। बहरहाल, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों से इतर यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में दबंगों का वर्चस्व बना हुआ है। ऐसे तत्व किसी भी दल में हों, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यहां जरूरी है कि किसी भी राज्य में किसी भी दल की सरकार हो, अपराधी बख्शे नहीं जाने चाहिए।

शाहजहां शेख व्यक्ति नहीं प्रवृत्ति है जिसे विशेष प्रकार का सेक्युलर संरक्षण प्राप्त है

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना जिले में कालिंदी नदी के किनारे बसा गांव संदेशखाली पिछले कई दिनों से चर्चाओं में है। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके दो सहयोगियों पर यहां की महिलाओं ने कथित अत्याचार और यौन उत्पीड़न के कई गंभीर आरोप लगाए हैं। संदेशखाली की पीड़िताओं ने जो बातें बताई हैं, वह 21वीं सदी में अकल्पनीय है। ऐसे में अहम सवाल है कि कोई शाहजहां शेख कैसे इतना निरंकुश हो जाता है? शाहजहां जैसे अत्याचारियों को ताकत कहां से मिलती है? इन सवालों का जवाब भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी के बयान के छिपा है। सुधांशु के अनुसार, ''जो कुछ संदेशखाली में हो रहा है वो मात्र एक घटना नहीं बल्कि एक राजनीति सोच है, जो 78 वर्ष पूर्व नोआखाली से लेकर आज के संदेशखाली तक बंगाल के लिए नासूर बनती जा रही है। शाहजहां शेख एक व्यक्ति नहीं एक प्रवृत्ति है जिसे मात्र बंगाल में नहीं बल्कि पूरे भारत में एक विशेष प्रकार का सेक्युलर संरक्षण प्राप्त है।'राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटें तो कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम तुष्टिकरण की जननी कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। आजादी के बाद नेहरू से वर्तमान तक पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति को समर्पित रही है। आजादी के बाद घरेलू ही नहीं, विदेशी नीति भी तुष्टिकरण से तय होती थी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जिन मुसलमानों के नाम पर कांग्रेस ने देश में तुष्टिकरण की नीति का आगाज किया उन मुसलमानों की माली हालत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। दूसरी विडंबना यह हुई कि कांग्रेसी तुष्टिकरण का संक्रमण क्षेत्रीय पार्टियों, मीडिया और बुद्धिजीवियों तक होता गया।पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण के बलबूते ही सत्ता में आई थी। सत्ता पर काबिज होने के बाद से तृणमूल की सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए हिंदुओं व दूसरे समुदायों की पूरी तरह अनदेखी की। हिन्दुओं के धार्मिक उत्सवों और यात्राओं तक में सरकार ने अड़चनें लगाने का काम किया। पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं की जो दुर्दशा हो रही है, वो किसी छिपी नहीं है। तृणमूल के नेता और कार्यकर्ता जिस तरह का अत्याचार कर रहे हैं, वो सुनकर हैरानी होती है कि हम किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हैं और पश्चिम बंगाल में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है। पश्चिम बंगाल हो या फिर दिल्ली, मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर इनमें होड़ है। दिल्ली के दंगों में आम आदमी पार्टी के नेताओं की भूमिका सर्वविदित है। दिल्ली में शाहीन बाग प्रदर्शन के पीछे भी मुस्लिम तुष्टिकरण वाली राजनीतिक ताकतें अपना चेहरा चाहकर भी छुपा नहीं पाई थीं। तेलंगाना में जब बीआरएस और राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी, तब वहां मुस्लिम तुष्टिकरण ही राजनीति था। बिहार में राष्ट्रीय

जनता दल जब सरकार की हिस्सेदार थी, तब वहां भी मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था।आजादी के बाद देश में जिस मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को जो बीज बोया गया, वह आगे चलकर वट वृक्ष बन गया। भारत दुनिया का इकलौता देश बना जहां बहुसंख्यकों के हितों की कीमत पर अल्पसंख्यकों को वरीयता दी गई। कांग्रेसी तुष्टिकरण का पहला नमूना आजादी के तुरंत बाद देखने को मिला जब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गुलामी के पहले कलंक को मिटाने के लिए भव्य सोमनाथ मंदिर बनाने की पहल की। लेकिन मुस्लिम परस्ती के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने न सिर्फ सोमनाथ मंदिर के नवीनीकरण और पुनर्स्थापना के कार्य से खुद को अलग कर लिया बल्कि तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री को आदेश दिया कि मंदिर निर्माण में सरकार का एक भी पैसा नहीं लगना चाहिए। इतना ही नहीं, जब राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुनर्निमित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन करने जाने लगे तब नेहरू ने उन्हें रोकने की नाकाम कोशिश भी की।

वोट बैंक की राजनीति की विवशता को कतिपय राजनीतिक दल, दल विहीन राजनेता और बुद्धिवादी देश का स्थायी भाव बना देने की जी तोड़ कोशिशें कर रहे हैं। स्वभावतः पंथनिरपेक्ष भर को सुनियोजित ढंग से पंथ और मजहब के संदर्भ में सोचने, जीने और अपना मानस बनाने को कहा जा रहा है कि यदि ऐसा सोचा और किया न गया तो देश साम्प्रदायिकता की आग में जलकर राख बन जायेगा। यदि संक्षेप में और कुछ वाक्यों में कहें तो आज के भारत की धर्म (पंथ) निरपेक्षता मुस्लिम सापेक्षता का पर्याय है। दोनों एक दूसरे के दास हैं। दोनों की आधार भूमि है सत्ता राजनीति। यह मान लिया गया है कि मुस्लिम सापेक्ष न होना पंथनिरपेक्षता का विरोधी होना है। यह कि यदि हमारी सोच का केंद्र बिंदु मुसलमान नहीं है तो हम भारत राष्ट्र को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं। यदि हम किसी अबोध शिशु की दुधमुंही मुस्कान से प्राप्त होने वाले आत्म और वात्सल्य का अनुभव नहीं करते, तो हम मुस्लिम ही नहीं, भारत विरोधी भी हैं। और यह कि यदि हम अपने आचार विचार से हिन्दू विरोधी नहीं हैं तो हम सेकुलर नहीं हैं। अतएव यदि हमें सेकुलर बने रहना है तो हमें चाहिए कि हम कश्मीर घाटी से भगा दिये गये हिन्दुओं की पीड़ा प्रताड़ना, उनके दुख और दैन्य की बात न करें। कन्हैया लाल की हत्या और संदेशखाली पर मुंह बंद रखें। यानी हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचारों जिसमें सरकारें और राजनीतिक दल शामिल हैं, को अनदेखा करें।

कांग्रेस की इस तुष्टिकरण की नीति का असर दूसरी राजनीतिक पार्टियों पर भी पड़ा और वे मुस्लिम वोट बैंक छिटकने के डर से हिंदुओं के हित में बोलने से कन्नी काटने लगीं। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी, एन चंद्रबाबू नायडू, अरविंद केजरीवाल, चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं की मुस्लिमपरस्ती एक दिन में नहीं आई है। यह सब कांग्रेसी तुष्टिकरण रूपी वटवृक्ष के फल हैं। दरअसल कांग्रेस द्वारा क्षेत्रीय अस्मिताओं की उपेक्षा और तानाशाही से उपजी क्षेत्रीय पार्टियों ने मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए मुसलमानों के सशक्तिकरण की बजाय तुष्टिकरण का कांग्रेसी फार्मूला अपना लिया। इसका नतीजा यह हुआ कि एक ओर मुसलमानों का पिछड़ापन बढ़ा तो दूसरी ओर कट्टरपंथ को उर्वर जमीन मिली। 'तुष्टीकरण' की राजनीति ने मुख्यरूप से मुस्लिमों के बीच की 'मलाईदार पर्त' को ही फायदा पहुंचाया। इससे कथित धर्मनिरपेक्ष राजनीति का खोखलापन उजागर होता है।कांग्रेस का इतिहास खुद इस बात का गवाह है कि उसने अपनी पूरी राजनीति तुष्टीकरण को आधार बनाकर ही की है और अल्पसंख्यकों में भी उसने सबसे अधिक मुस्लिम वोटों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, क्योंकि मुस्लिम वोट देश के कई हिस्सों में निर्णायक साबित होते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का बनता है। साल 2018 में उर्दू अखबार इंकलाब की एक रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मुस्लिम बुद्धिजीवियों के बीच कथित तौर पर अपनी पार्टी को मुस्लिमों की पार्टी बताया गया था। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत की बड़ी वजह मुसलमानों का थोक वोट मिलना था। पिछले साल मुस्लिम वोटों की बदौलत कांग्रेस तेलंगाना में सत्ता हासिल करने में सफल रही।राजनीतिक दल वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण का सहारा लेते आए हैं। राजनीतिक दलों ने अपने एजेंडे के हिसाब से धर्म व संप्रदाय बांट रखे हैं और उसके तुष्टिकरण में वो किसी भी हद तक चले जाते हैं। सच्चाई यह है कि तुष्टिकरण देश के विकास, सद्भाव, भाईचारे, सुरक्षा और शांति के लिए हानिकारक है। मौकापरस्त, स्वार्थी और गलत प्रवृत्ति के व्यक्ति तुष्टिकरण की आड़ में अन्याय, अनाचार, दुराचार और पाश्विकता करते हैं जो शाहजहां शेख और उसके गुर्गों ने संदेशखाली में किया। सही मायनों में संदेशखाली में जो कुछ हुआ वो राजनीतिक तुष्टिकरण का कुफल है। राजनीतिक दलों को तुष्टिकरण की राजनीति से बाज आना चाहिए, इसी में सबकी भलाई है।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदंती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठी सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योंकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाई ओर रखें क्योंकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

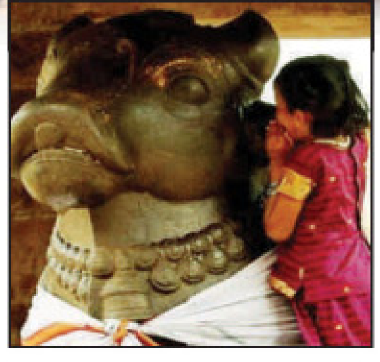

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते है हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ ये भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

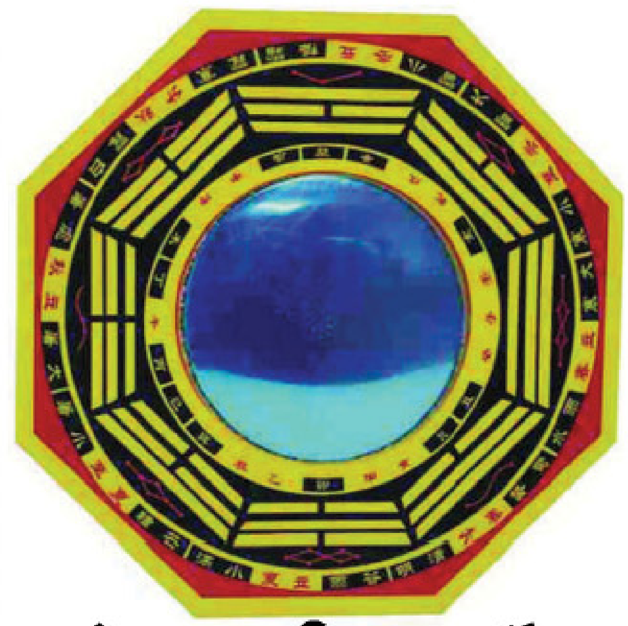

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते है।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अत: साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

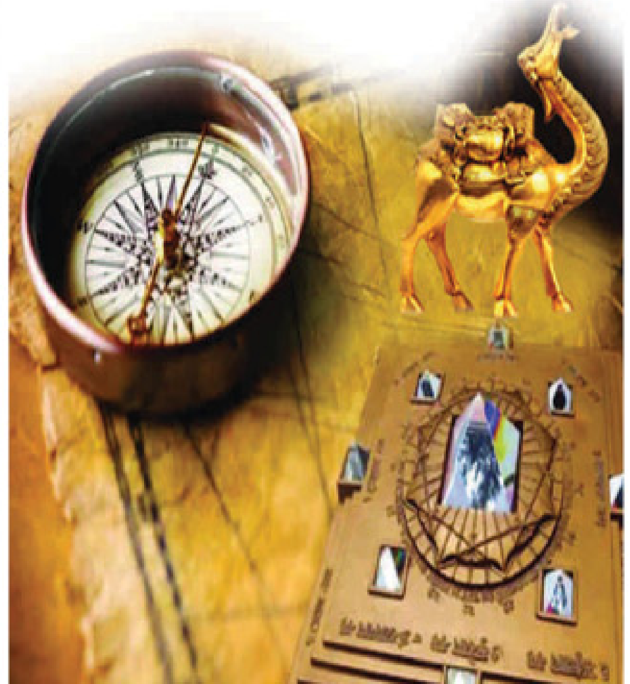

जानकारी

छोटे बच्चों में पॉटी और पेशाब का रुकना है खतरनाक

हो सकता है यूरिया साइकिल डिसऑर्डर का खतरा

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर (UCDs) रोगों का एक समूह है, जो अक्सर छोटे बच्चों में पाया जाता है। आमतौर पर इस बीमारी में बच्चे को मल-मूत्र से जुड़ी परेशानियां होती हैं। बच्चे को सही से पॉटी न आना या बहुत दिनों तक पेट खराब रहना इस बीमारी के कुछ लक्षणों में से एक है। दरअसल हर इंसान में यूरिन के बाहर आने का भी एक चक्र होता है। इसी तरह बच्चों में भी इसी तरह का चक्र जन्म के बाद से ही विकसित होना शुरू हो जाता है। इस बीमारी के तहत जब आपका बच्चा प्रोटीन खाता है, तो उसका शरीर उसे अमीनो एसिड में बदल देता है और बाकी को नाइट्रोजन प्रोड्क्टस के रूप में बदल जाते हैं, जिसे वे मल या पॉटी के रूप में निकाल देते हैं। इस प्रक्रिया में लीवर नाइट्रोजन को यूरिया में बदलने के लिए कई एंजाइमों की आपूर्ति करता है, जो बाद में मल- मूत्र के रूप में शरीर निकल जाता है और इसकी पूरी प्रक्रिया को 'यूरिया चक्र ' कहा जाता है।

बच्चों में कैसे होता है ये रोग

यदि आपके बच्चे को यूरिया चक्र विकार है, तो उसका लीवर यूरिया साइकल की जरूरतों के हिसाब से काम नहीं कर पाता है। इस तरह से जब बच्चे का शरीर नाइट्रोजन, अमोनिया आदि को बाहर नहीं निकाल पाता है तो इसके हानिकारक पदार्थ ब्लड में मिक्स हो जाता है। फिर ये हानिकारक पदार्थ बल्ड के साथ सर्कुलेट होने के कारण मस्तिष्क की क्षति का कारण बन सकता है, जिससे बच्चा कोमा में भी जा सकता है। यदि आप इसे जल्दी से इलाज नहीं करते हैं, तो ये आपके बच्चे के लिए घातक हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इसके लिए अपने बच्चे में जन्म के बाद से उनके यूरिन साइकल पर ध्यान दें। आइए हम आपको बताते हैं कि इस बीमारी के लक्षण और निकारण क्या है?

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर के कारण

- शरीर में कुछ एंजाइमस जैसे ओटीसी (ओर्निथिन ट्रांसकार्बामाइलेज), एएसडी (आर्जिनिनोस्किनिक एसिड सिंथेटेज़) और एएलडी (आर्गिनोसिनसिनेज एसिड लीसेज़) के कम होने से
- माता-पिता से आने वाले डिफेक्टीव जीन का बच्चे में ट्रांसफर होने के कारण
- ज्यादा प्रोटीन लेने के कारण
- बच्चे में जन्म से लीवर खराब होने के कारण

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर के लक्षण

गंभीर यूसीडी वाले बच्चों में इसके लक्षण जीवन के पहले 24 घंटों के भीतर विकसित होते हैं। हालांकि ये सभी लक्षण एक साथ मौजूद नहीं हो सकते हैं। इसमें सबसे पहले बच्चों में यूरिन पास होने का साइकिल बिगड़ जाता है। फिर उनमें नींद, चिड़चिड़ा, दूध पिलाने पर उल्टी होने जैसी समस्याएं नजर आती है। इसके अलावा हल्के या मध्यम यूसीडी वाले बच्चों में कुछ और लक्षण दिख सकते हैं। जैसे कि-

- मिट-मछली या प्रोटीन से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थों को नापसंद करना
- उल्टी, मतली ■ मानसिक भ्रम या अतिसक्रिय व्यवहार ■ अक्सर थका हुआ या सोते रहना ■ बेहोशी

यूरिया साइकिल डिसऑर्डर का इलाज

- बच्चे को कम प्रोटीन, उच्च कैलोरी वाले आहार दें-आहार में प्रोटीन प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों से परहेज करके यूरिया साइकल डिसऑडर को कम किया जाता है। इसके लिए बच्चे को 6 माह बाद से ही फल और सब्जियों को किसी न रूप में दें।
- आहार विशेषज्ञ से बच्चे के डाइट के बारे में संपर्क करें क्योंकि इससे उन्हें शुरू से ही पोषनयुक्त खाना खाने को मिलेगा।
- कुछ बच्चों को शरीर से अतिरिक्त अमोनिया को पचाने में मदद करने के लिए दवा लेने की आवश्यकता होती है। इसके लिए बच्चे का डॉक्टर के पास ले जाएं।
- अगर बच्चे को लगातार मल-मूत्र के निकासी से जुड़ी समस्याएं हैं तो हो सकता है कि उसका लीवर खराब हो। ऐसे में बहुत ज्यादा परेशानी होने पर उनका लीवर प्रत्यारोपण करवाया जा सकता है।

वैज्ञानिकों ने खोजा ऐसा वायरस, जो हर तरह के कैंसर को मारने में है सक्षम

बड़ी सफलता

कैंसर को जड़ से खत्म करना शायद अगले कुछ सालों में संभव हो पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के एक वैज्ञानिक ने ऐसा वायरस खोज निकाला है, जो लगभग हर तरह के कैंसर को पूरी तरह खत्म करने में सक्षम है। मेडिकल साइंस के लिए ये एक बड़ी सफलता है।

कैंसर के इलाज के मामले में वैज्ञानिकों को एक बड़ी सफलता मिली है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा वायरस खोज लिया है, जो रिपोर्ट के अनुसार, हर तरह के कैंसर का खात्मा करने में सक्षम है। मेडिकल के क्षेत्र में इसे एक बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। इस वायरस को वैक्सीनिया CF33 (VaXinia CF33) नाम दिया गया है। कैंसर इस दुनिया की सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल करोड़ों लोगों की मौत होती है। पिछले 2-3 दशकों में कैंसर महामारी की तरह फैल रहा है। इस समय दुनियाभर में 100 से भी ज्यादा प्रकार के कैंसर पाए जाते हैं। किसी भी तरह के कैंसर का पता तीसरे या चौथे स्टेज में चलने पर इलाज की संभावना बहुत कम हो जाती है। मगर वैज्ञानिकों की इस सफलता के बाद उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सकेगा।

टेस्ट के दौरान दिखे हैरान करने वाले परिणाम

रिपोर्ट के अनुसार ये एक ऐसा वायरस है, जो शरीर में कॉमन कोल्ड (सर्दी-जुकाम) का कारण बनता है। मगर इसे कैंसर सेल्स के साथ इन्फ्यूज कराने के बाद वैज्ञानिक हैरान थे। टेस्ट के दौरान इस वायरस ने पेट्री डिश में सभी प्रकार के कैंसर को खत्म कर दिया। इसके बाद चूहों पर टेस्ट करने पर भी वैज्ञानिकों ने पाया कि इस वायरस ने ट्यूमर को सिकोड़ कर काफी छोटा कर दिया। इस वायरस को ऑस्ट्रेलियन बायोटेक कंपनी इम्यूजीन (Imugene) ने बनाया है, और इसे बनाने का श्रेय यूएस के वैज्ञानिक और कैंसर स्पेशलिस्ट प्रोफेसर युमान फॉन्ग (Yuman Fong) को जाता है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो अगले साल ही इसे दवा के तौर पर ब्रेस्ट कैंसर के मरीजों पर टेस्ट किया जाएगा।

19वीं सदी से खोजा जा रहा था इलाज

19वी सदीं शुरुआत में ही जब मरीजों को रेबीज का टीका देने के बाद उनके कैंसर में कमी देखी गई, तभी इस बात के परिणाम मिल गए थे कि ये वायरस कैंसर को खत्म करने का दम रखता है। मगर समस्या ये थी कि अगर इस वायरस को और अधिक पावरफुल बना दिया जाए, तो ये वायरस कैंसर के साथ-साथ व्यक्ति को भी मार सकता था। इसी समस्या का हल निकालने में प्रोफेसर फॉन्ग को सफलता मिली है। दरअसल काउपॉक्स नाम का एक वायरस होता है, जो पिछले 200 सालों से छोटीमाता (Small PoX) को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है और इसका इंसानों के शरीर पर कोई दुष्प्रभाव नहीं देखा गया है। प्रोफेसर फॉन्ग ने काउपाक्स नाम के इसी वायरस को कुछ अन्य वायरसों के साथ मिलाकर चूहों के ट्यूमर पर इसका ट्रायल किया है। ट्रायल में देखा गया कि चूहों के शरीर में मौजूद कैंसर सेल्स सिकुड़कर काफी छोटी हो गईं और उनका बढ़ना भी बंद हो गया।

ट्रिपल निगेटिव कैंसर के मरीजों पर किया जाएगा ट्रायल

फिलहाल प्रोफेसर फॉन्ग ऑस्ट्रेलिया में ही इस वायरस के क्लीनिकल ट्रायल की तैयारी कर रहे हैं। बाद में इसे अन्य देशों में भी टेस्ट किया जाएगा। इस ट्रायल के दौरान ट्रिपल निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर, मेलानोमा, फेफड़ों के कैंसर, ब्लैडर कैंसर, पेट के कैंसर के मरीजों पर टेस्ट किया जाएगा। हालांकि चूहों पर हुए इस शोध की सफलता इस बात को पूरी तरह आश्वस्त नहीं करती है कि इंसानों में भी इसके परिणाम वैसे ही देखने को मिलेंगे। अभी इंसानों पर इस वायरस का टेस्ट होना बाकी है, जिसके दौरान इसके दुष्प्रभावों की भी जांच करनी पड़ेगी। फिर भी प्रोफेसर फॉन्ग और मेडिकल साइंस से जुड़े सभी वैज्ञानिक इस शोध को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसे बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं।

सेहत

थुलथुला या सख्त, किस तरह का मोटापा होता है ज्यादा खतरनाक?

क्या आपके शरीर में भी बहुत सारा फैट जमा हो गया है, जिसे आप घटाना चाहते हैं? शरीर में जमा होने वाली अतिरिक्त चर्बी धीरे-धीरे आपको मोटापे का शिकार बना देती है। मगर क्या आप जानते हैं कि मोटापा भी कई प्रकार का होता है? आपने देखा होगा कि कुछ लोगों का पेट मोटापे के बाद बहुत सख्त हो जाता है, जबकि कुछ लोगों का पेट थुलथुला होता है, जो चलने या काम करने के दौरान बहुत अधिक हिलता-डुलता है। दोनों को ही मोटापा माना जाता है, मगर इनके प्रकार में अंतर होता है। मोटापे के ये 2 प्रकार अलग-अलग तरह के फैट के जमा होने के कारण होते हैं।

सख्त और थुलथुले मोटापे में अतंर

हम दिनभर जो भी खाना-पीना लेते हैं, उसमें अलग-अलग प्रकार के फैट होते हैं। हर तरह के फैट की प्रॉसेसिंग शरीर अलग तरह से करता है। एक जटिल प्रक्रिया के तहत आपका खाया हुआ खाना ग्लाइसेरॉल (Gycerol) और फैटी एसिड (fatty Acids) में बदलता है। इन दोनों तत्वों का इस्तेमाल शरीर ऊर्जा (Energy) के लिए करता है। इसी ऊर्जा से आपके शरीर के अंग अपना-अपना फंक्शन करते हैं और आप भी दिनभर काम कर पाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के बाद आपके शरीर में जो एनर्जी बची रह जाती है, उसे शरीर भविष्य में इस्तेमाल के लिए शरीर में फैट के रूप में जमा कर लेता है। अगर आप रोजाना अपने शरीर की जरूरत से ज्यादा खाना खाते हैं, तो आपके शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होता चला जाता है और आप मोटे होते चले जाते हैं। अगर मोटापे के बाद आपकी त्वचा मुलायम है, तो इसका अर्थ है कि ये सबकटेनियस फैट (subcutaneous fat) है। वहीं अगर मोटापे के बाद आपकी त्वचा सख्त है, तो ये विसरल फैट (visceral fat) है।

कौन सा फैट है ज्यादा खतरनाक, सख्त या मुलायम?

subcutaneous fat आपकी त्वचा के निचले हिस्से में जमा होता है। इस फैट को आप आसानी से देख पाते हैं और यही वो फैट है, जो आपके शरीर के आकार को बिगाड़ता है, जैसे- पेट, जांघों, बांहों, गले के आसपास जमा चर्बी। जबकि visceral fat वो है, जो आपके पेट के अंदरूनी हिस्से में गहराई तक जमा होती है। ये फैट आपके अंदरूनी अंगों के आसपास भी जमा हो जाता है और बॉडी फंक्शन में बाधा पैदा करने लगता है। इसलिए visceral fat को ज्यादा खतरनाक माना जाता है। ये फैट आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन को बढ़ा देता है और कई गंभीर बीमारियों को बढ़ावा देता है, जिनमें डायबिटीज, कैंसर, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां शामिल हैं। इसलिए जिन लोगों का मोटापा सख्त होता है, उनको सेहत से जुड़े खतरों और बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है।

थोड़ा सा बॉडी फैट भी है जरूरी

अगर आप मोटापे के डर से कैलकुलेशन करके खाना-पीना शुरू करने की सोच रहे हैं, तो रुक जाएं। अगर आप रोजाना उतना ही फैट लेंगे, जितना आप खर्च करते हैं, तो ये भी आपके शरीर के लिए अच्छा नहीं है। दरअसल थोड़ी मात्रा में अतिरिक्त फैट आपके शरीर के लिए जरूरी है। ये फैट आपके शरीर के अंदरूनी अंगों की रक्षा करता है और बीमारी, थकान या उपवास आदि स्थितियों में शरीर इसी फैट का इस्तेमाल एनर्जी के स्रोत के रूप में करता है। ये फैट कितना होना चाहिए, इसका कोई निश्चित पैमाना नहीं है। आपको इतना करने की जरूरत है कि शरीर के किसी भी अंग, खासकर पेट के आसपास इतना फैट न जमा होने दें कि बेल्ट लगाने के बाद आपका पेट अलग से बाहर नजर आए। इसके अलावा स्वस्थ रखने के लिए अपने शरीर को दिनभर एक्टिव रखना भी बेहद जरूरी है।

कैसे घटाएं शरीर में जमा चर्बी?

- आपके शरीर में किसी भी तरह का फैट जमा हो, इसे घटाने का एक ही तरीका है, और वो ये है कि आप अपनी लाइफस्टाइल और खानपान को सही रखें। इसे आप कैसे सही करेंगे, इसके लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स कुछ नियम बताते हैं-
- सबसे पहले तो अपने सोने-जागने, खाने-पीने और काम के समय को निर्धारित करें और रोजमर्रा के कामों के लिए एक तय नियम बनाएं।
- मोटापा घटाने के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी है। रोजाना कम से कम 30-40 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें।
- तेल, घी, मक्खन, मांसाहारी आहारों का सेवन कम करें।
- किसी एक चीज को ज्यादा खाने के बजाय, बैलेंस डाइट को फॉलो करें। रोज के खाने में ताजी सब्जियां, फलों और मोटे अनाजों को अपनी डाइट में शामिल करें।
- अगर मोटापा बहुत ज्यादा है और आपको इसके कारण किसी तरह की शारीरिक या मानसिक परेशानी हो रही है, तो ट्रेन्ड हेल्थ एक्सपर्ट/डायटीशियन/फिटनेस एक्सपर्ट की सलाह लें और अपनी बॉडी के अनुसार इसे कम करने का सही तरीका खोजें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1669

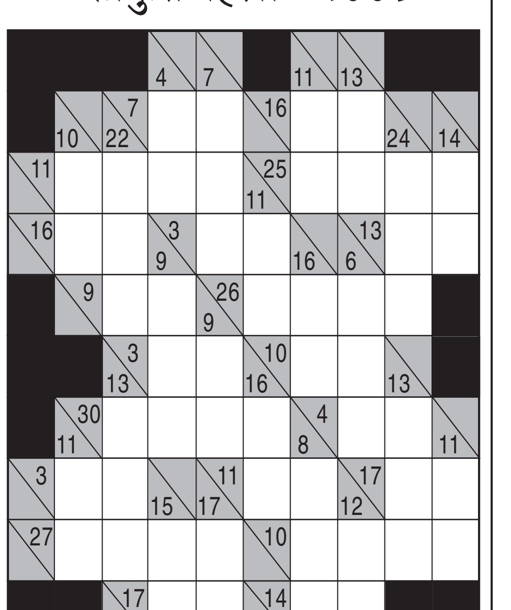

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 / 24 | 1 2 3 4 5
7, 8, 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1668 का हल

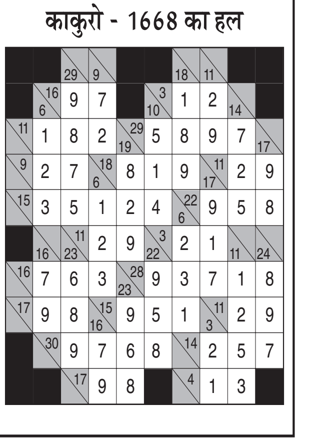

हंसी के फूव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1669

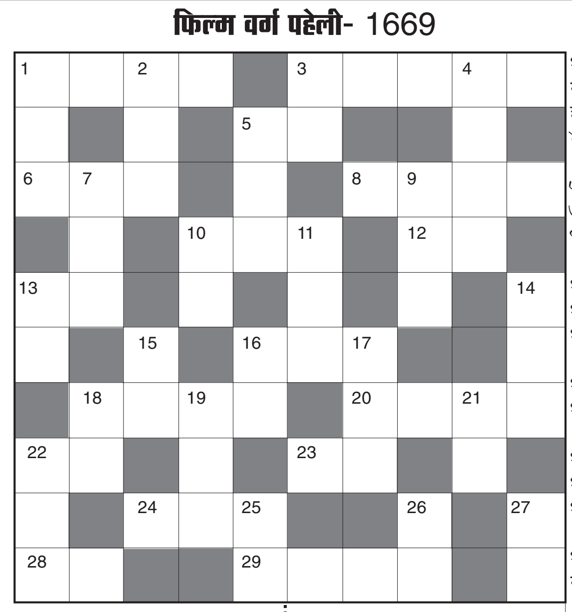

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1668

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	ग		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		ग	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	र्मी	ली		सो	च		श		ग
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	ग	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -1669

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1668 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 1669

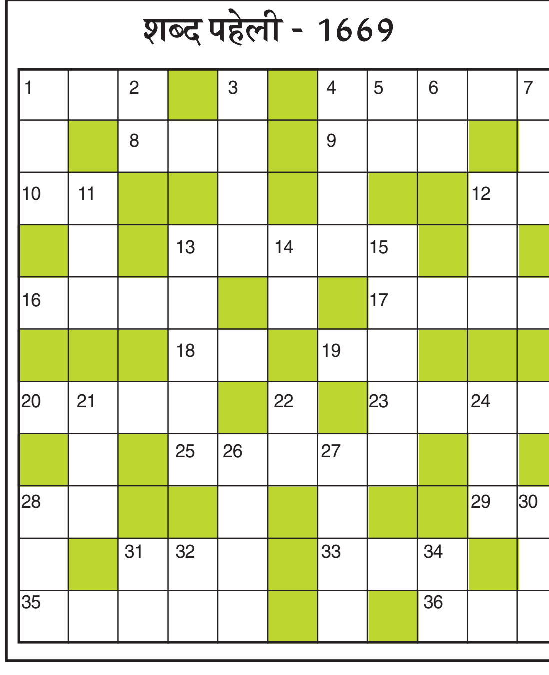

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली - 1668 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

लात-घूंसे, थप्पड़ सब चल गए; मोतिहारी में BPSC शिक्षकों से भिड़ गए केके पाठक के अधिकारी

मोतिहारी. मोतिहारी का डायट सेंटर उस वक्त जंग का अखाड़ा बन गया। जब बीपीएससी के शिक्षकों और केके पाठक के अधिकारियों के बीच झड़प हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से लात-घूंसे और थप्पड़ तक चले। जिसके बाद डायट केंद्र पर हड़कंप मच गया। कोई समझ ही नहीं पाया कि आखिर क्यों शिक्षकों और अधिकारियों के बीच भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि डायट पहुंचे शिक्षकों और अधिकारियों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद दोनों गुट आपस में भिड़े गए।

मोतिहारी के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान में बीपीएससी के शिक्षक योगदान देने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान डीपीओ और शिक्षकों के बीच गर्मागर्मी हो गई। कहासुनी से शुरू हुआ विवाद हाथापाई में बदल गया। जिसके बाद दोनों तरफ से सैकड़ों की संख्या में मारपीट शुरू हो गई। जिसमें जिसे मौका मिला, उसके लात-घूंसे और थप्पड़ बरसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। और सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया।

शिक्षकों के मुताबिक कालू पाकर प्रखंड फेनहारा के प्रधानाध्यापक डायट पहुंचे थे। जहां डीपीओ और डाटा ऑपरेटर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों ने प्रधानाध्यापक की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची ने उन्हें हिरासत में ले लिया। जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। और मोतिहारी का डायट सेंटर जंग का अखाड़ा बन गया।

50 हजार का वॉन्टेड कुंदन साह गिरफ्तार; हाई प्रोफाइल लूट, बैंक डकैती का मास्टरमाइंड

अररिया जिले से भागलपुर के टॉप 10 अपराधियों में शामिल 50 हजार के वॉन्टेड कुंदन साह को गिरफ्तार किया है। जो हाईप्रोफाइल लूट और 30 लाख की बैंक डकैती का मास्टरमाइंड रह चुका है।

भागलपुर. भागलपुर जिले के टॉप टेन अपराधियों में शामिल 50 हजार के इनामी कुंदन साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी एसआईटी ने अररिया जिले के सिमराहा से की। वह मोजाहिदपुर के वारसलीगंज का रहने वाला है। एसपी सिटी राज ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि इनामी अपराधी कुंदन साह पर कहलगांव थाना में 2021 में तीन कांड दर्ज हैं जो लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं।

वहीं, जीरोमाइल थाना में वर्ष 2018 में, मोजाहिदपुर थाना में 2019 में लूट का और कोतवाली थाना में वर्ष 2018 में डकैती का केस उसपर दर्ज है। बैंक डकैती का केस भी उसपर दर्ज है। इस दौरान कहलगांव एसडीपीओ शिवानंद सिंह भी मौजूद थे।

भागलपुर के कहलगांव शहर में जून और जुलाई 2021 में 18 दिन के अंदर हुए में दो हाई प्रोफाइल भीषण डकैती में 50 हजार का इनामी कुख्यात कुंदन साह शामिल था। विक्रमशिला मोहल्ला के कायस्थ टोला में 25 जून 2021 को रिटायर्ड प्रोफेसर रत्नेश्वर प्रसाद सिंह के घर में नगदी समेत 30

लाख से ज्यादा की डकैती हुई थी। प्रोफेसर दंपती को कमरा में बंद कर फरार हो गए थे।

दूसरी डकैती की वारदात 12 जुलाई को कहलगांव नगर में रेलवे उल्टा पुल के निकट उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक में हुई थी। इसमें करीब 4 लाख रुपए से ज्यादा एवं तीन टैब और दो मोबाइल फोन लूटकर फायरिंग करते हुए अपराधी फरार हो गए थे। दोनों कांडों में आधा दर्जन से ज्यादा अपराधी शामिल थे। जिसमें कुख्यात इनामी अपराधी कुंदन साह भी शामिल था। एसपी सिटी ने कहा कि टीम को पुरस्कृत करने के लिए वरीय अधिकारी से अनुशंसा की जाएगी। जीरोमाइल थाना क्षेत्र में पिछले साल नवंबर महीने में दियारा क्षेत्र में हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मक्के की खेती को लेकर हुए विवाद के बाद हुई फायरिंग मामले में पुलिस ने नवगछिया के परबत्ता स्थित जगतपुर के रहने वाले मनी यादव को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी में एसटीएफ का भी सहयोग लिया गया। एसपी सिटी ने बताया कि उस मामले में अभी तक कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कहलगांव थाना क्षेत्र के पैठानपुरा के रहने वाले मणिकांत मणि के घर से चोरी हुए आभूषण के साथ एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी सिटी ने प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी।

बताया कि पैठानपुरा के ही रहने वाले अमन कुमार को एक टूटा हुआ सहित दो सोने के कंगन, कंगन के टूटे हुए भाग, मंगल सूत्र, सोने की अंगूठी, एक जोड़ा चांदी का पायल, एक चांदी का सिक्का, एक पीस चांदी की बिछिया और 30 हजार रुपये नगद के साथ गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली, भोपाल के रसूखदारों पर रडार, हल्द्वानी हिंसा मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक को पनाह देने वालों की खंगालेंगे कुंडली

हल्द्वानी. हल्द्वानी हिंसा के आरोपी अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब उन रसूखदार लोगों की जांच में जुट गई है। जिन्होंने मलिक को लुकआउट सर्कुलर और वांटेड होने के बाद भी पनाह दी या किसी न किसी तरह उसकी फरार होने में मदद की।

पुलिस ने इनमें से कुछ बड़े कारोबारी, राजनीतिक चेहरों का पता भी लगा लिया है। जिसमें दिल्ली से लेकर भोपाल तक कुछ बड़े नाम शामिल हैं। हल्द्वानी में वनभूलपुरा हिंसा के बाद अब्दुल मलिक दिल्ली, गुजरात, चंडीगढ़ और भोपाल समेत कई शहरों पर छिपता रहा।

पुलिस के मुताबिक जहां-जहां मलिक ठहरा वहां उसका शानदार इंतजाम था। पुलिस ने कुछ जगह चिह्नित की हैं, जिन्होंने उसकी मदद की, लेकिन पुलिस को जानकारी नहीं दी। पुलिस की अब तक की जांच में दिल्ली से भोपाल तक के बड़े कारोबारी, राजनीतिक संबंध और ऊंची पहुंच वाले लोग शामिल बताए जा रहे हैं।

मलिक के आने जाने व उसके रहने और एक जगह से दूसरी जगह जाने में किस तरह मदद और जब मलिक खुद फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहा था तो आखिर किस तरह से वह फरार होने के लिए लोगों से संपर्क कर रहा था इसका लिंक भी तलाशा जा रहा है।

प्रेम प्रसंग के विवाद में जमकर चले ईंट-पत्थर, युवती के भाई को मार डाला

मथुरा. मथुरा में कोसीकलां के कोटवन गांव में युवती को भगाने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। जमकर मारपीट के बाद ईंट-पत्थर चले। इस दौरान पत्थर लगने से दो लोग घायल हो गए। अस्पताल में एक युवक की मौत हो गई। दूसरे को हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस एक आरोपी महिला की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग में युवती को भगा ले जाने विवाद में शनिवार देर रात दोनों पक्ष भिड़ गए।

युवक पक्ष की महिला एवं अन्य परिजनों ने युवती के भाई शंभू (47) एवं बलराम (37) पुत्रगण भगत सिंह से मारपीट करते हुए ईंट पत्थर से हमला कर दिया। हमले में दो युवक गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायल भाइयों को हास्पिटल में भर्ती

कराया। जहां डॉक्टरों ने शंभू को मृत घोषित कर दिया। बलराम की हालत गंभीर है। पुलिस ने रेवती पत्नी नारायण सिंह, पुत्र रतन सिंह, देवराज, सतवीर पुत्रगण नारायण सिंह सहित, रतीराम, मोहनश्याम पुत्रगण रोशन, वलराम पुत्र रामे के मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि छह नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, वहीं आरोपी महिला की तलाश हो रही है।

झांसा देकर दुराचार करने वाले की जमानत खारिज

शादी का झांसा देकर युवती से दुराचार करने वाले की जमानत याचिका को जिला जज आशीष गर्ग की अदालत ने खारिज कर दिया। अदालत में जमानत याचिका का विरोध शासकीय अधिवक्ता शिवराम तरकर द्वारा किया गया। डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में वैल्थ मैनेजर अभिषेक डे के खिलाफ एक युवती ने शादी का झांसा देकर दुराचार और मारपीट करने के की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश पर उसे जेल भेज दिया था। जेल में निरूद्ध अभिषेक डे ने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की।

जमानत प्रार्थना पत्र में उसने युवती पर अपनी मर्जी से लिव इन रिलेशन में रहने की बात कही। इसके साथ दुराचार के आरोप को झूठा बताया। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि अभिषेक- डे प्राथमिकी में स्पष्ट नामित है, जिसके विरुद्ध बाद विवेचना आरोप पत्र तैयार हो चुका है। इसके साथ ही अभियुक्त आवेदक की ओर से उसे झूठा फंसाए जाने का कोई यथोचित कारण नहीं दर्शया गया है। समस्त तथ्यों और परिस्थितियों को प्रकाश में लाए, बिना गुण-दोष के आधार पर अभियुक्त को जमानत देने का कोई कारण न होने पर जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त किया गया।

पुलिस अफसर की फोटो का इस्तेमाल कर लाखों की ठगी, मैसेज और फिर कॉल कर ऐसे लूटा

प्रयागराज. प्रयागराज में पुलिस अफसर की फोटो लगाकर साइबर शातिरों ने एक व्यक्ति से 2.10 लाख की ठगी कर ली है। पीड़ित ने शिवकुटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिवकुटी निवासी कमलेश नारायण पांडेय ने तहरीर दी है कि उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिस नंबर से मैसेज आया उसमें उनके पूर्व परिचित पुलिस अफसर की फोटो लगी थी। मैसेज में लिखा था कि हमारे मित्र नवीन कुमार तोमर सीआईएसएफ में इंस्पेक्टर हैं। उनका तबादला हो गया। उनका घरेलू सामान कम कीमत पर आप ले लीजिए। इस पर कमलेश नारायण ने दिए गए मोबाइल नंबर पर बात की। नवीन कुमार से फर्नीचर और वीरेंद्र कुमार पांडेय से कार खरीदने की बात कर ली। इसके बाद ऑनलाइन पहले एक लाख दस हजार रुपये बताए गए एकाउंट में ट्रांसफर कर दिए। शेष रकम एक लाख अपने दामाद से ऑनलाइन ट्रांसफर कराया। इसके बाद शातिर सामान भेजने में बहाना करने लगे। कमलेश की तहरीर पर वीरेंद्र कुमार शेखर, नवीन कुमार तोमर, वीरेंद्र पांडेय पर केस दर्ज कराया है।

रिटायर रक्षाकर्मी के दो लाख रिश्तेदार ने हड़पे

रिटायर डिफेंसकर्मी के दो लाख रुपये एक रिश्तेदार ने हड़प लिए। शिवकुटी थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया है। थरवई में डाल तिवारी का पूरा, गोहरी के रहने वाले त्रिलोचन नाथ त्रिपाठी डिफेंस से रिटायर हैं। उनका खाता एसबीआई तेलियरगंज में है। उन्होंने तहरीर दी है कि नवाबगंज के अंधियारी का पूरा निवासी रिश्तेदार रमाकांत पांडेय उनसे मिलने आए। उसने पत्नी की बीमारी का हवाला देकर ऑपरेशन के लिए दो लाख रुपये मांगे।

इस पर त्रिलोचन त्रिपाठी ने डेढ़ लाख रुपये चेक और पचास हजार रुपये नकद दे दिए। काफी समय बीतने के बाद भी रमाकांत ने रकम वापस नहीं की। मांगने पर भी रुपये नहीं लौटा रहा है। जान से मारने की धमकी दी है। परेशान त्रिलोचन त्रिपाठी ने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की। शिवकुटी पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा पटना, जमीन विवाद में 10 राउंड फायरिंग, इलाके में दहशत

राजधानी पटना में जमीन विवाद को लेकर जमकर फायरिंग हुई। दबंगों ने 10-15 राउंड फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक एक जमीन के दो दावेदार हैं, जिसको लेकर विवाद हुआ। और एक पक्ष ने फायरिंग।

पटना. राजधानी पटना के एकता विहार कॉलोनी, फुलवारीशरीफ में जमीन विवाद में रविवार की रात ताबड़तोड़ गोलीबारी से इलाका थर्रा गया। एक के बाद एक कई राउंड गोलियां चलीं। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो दस राउंड गोलियां चलीं। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारीशरीफ थानेदार दलबल के साथ पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है।

भीखाचक चितकोहरा निवासी अखिलेश कुमार ने कहा कि एकता नगर में उनकी डेढ कट्ठा जमीन है। जिसका रविवार को हमलोग बाउंड्री कर रह थे। रात नौ बजे के आसपास 10 से 15 की संख्या में बाइक सवार कुछ लोग आये और बाउंड्री को तोड़ने लगे, वहीं इसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, करीब 8 से 10 राउंड फायरिंग करते हुए गाली गालौज की।

बाउंड्री को तोड़ गिरा दिया, इसकी सूचना फुलवारी पुलिस को दी गई। फुलवारी पुलिस पहुंच कर मामले की जांच में जुटी है, घटना स्थल पर करीब 04 खोखा मिला है। बता दें की इस मामले में अखिलेश कुमार ने फुलवारी नगर परिषद के एक पार्षद प्रतिनिधि समेत 15 पर इस घटना का आरोप लगाया है। दस रंगदारी की मांग की आरोप में यह भी कहा है कि एक पार्षद प्रतिनिधि व उसके अन्य साथियों द्वारा दस लाख की रंगदारी की मांग की गई है। दस लाख दो तब जमीन पर काम करने देंगे।

फुलवारीशरीफ एएसपी बिक्रम सिहाग ने कहा कि एक जमीन का दो दावेदार हैं, एक ने चुपके से दिन में बाउंड्री कर ली तो दूसरे जमीन के दावेदार ने रात में आकर बाउंड्री को तोड़ दिया। मामला जमीन विवाद का है। कोई रंगदारी का मामला नहीं है। एएसपी ने यह भी कहा कि गोली चलने की जानकारी नहीं है। पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है।

थाने के सामने AAP पार्षद को महिलाओं ने चप्पल से पीटा, हैरान कर देगी वजह

श्योपुर. मध्य प्रदेश में कुछ महिलाओं ने आम आदमी पार्टी के एक पार्षद की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है की करीब एक दर्जन महिलाओं ने दुकान के बाहर बैठे नगर पालिका के वार्ड पार्षद को पड़कर उनकी चप्पलों से पिटाई की है। इस दौरान महिलाओं ने पार्षद पर काम कराने के एवज में रिश्वतखोरी करने के आरोप भी लगाए हैं। पार्षद की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में महिलाएं पार्षद को चप्पलों से पीटती हुई नजर आ रही हैं और लोगों की भीड़ तमाशा देख रही है।

मामला कोतवाली थाने के ठीक सामने का है, जहां शहर के वार्ड 14 के पार्षद जुगल मेहरा के साथ उनके वार्ड की कुछ महिलाओं ने चप्पलों से मारपीट की है। इस दौरान पार्षद खुद को बचाने की कोशिश करते रहे लेकिन, महिलाएं उन्हें चप्पलों से पीटती रहीं। बाद में लोगों की भीड़ के समझाने पर महिलाएं वहां से चली गईं। इस मामले में पार्षद ने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की है।

AAP पार्षद पर घूस लेने का आरोप

AAP पार्षद को लेकर महिलाओं का आरोप है कि जुगल मेहरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किस्त डलवाने के नाम पर 10-10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसे लेकर महिलाएं नाराज थीं और उन्होंने उनकी पिटाई कर दी।

कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि AAP पार्षद को लेकर महिलाओं का आरोप है कि जुगल मेहरा ने प्रधानमंत्री आवास योजना में किस्त डलवाने के नाम पर 10-10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसकी वजह से महिलाएं नाराज थीं। शनिवार को नगर पालिका में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में जुगल मेहरा भी शामिल हुए थे। जिसके बाद महिलाओं ने अचानक जुगल मेहरा को पकड़ लिया और फिर मारपीट शुरू हो गई।

AAP पार्षद ने दी सफाई

इस बारे में वार्ड पार्षद जुगल मेहरा का कहना है कि, वह तो दुकान की बाहर बैठे थे तभी कुछ महिलाओं ने उनके साथ मारपीट और अभद्रता की है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा है कि महिलाओं द्वारा इस तरह के आरोप गलत लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे खिलाफ षड्यंत्र है। मैंने ऐसी शिकायत कोतवाली थाने में पहुंचकर की है। इस बारे में श्योपुर एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता का कहना है, मुझे आपके द्वारा इस बारे में बताया गया है। अगर थाने पर इस तरह की कोई शिकायत आई होगी या वीडियो होगा तो नियमों सरकार की जाएगी।

UPSESSB Shikshak Bharti : एमसीए डिग्रीधारी भी बन सकेंगे कम्प्यूटर के सहायक अध्यापक

नई दिल्ली. UPSESSB Teacher Recruitment : प्रदेश के 2355 राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों में एमसीए डिग्रीधारी अभ्यर्थी भी कंप्यूटर विषय के सहायक अध्यापक (एलटी ग्रेड) बन सकेंगे। शिक्षा निदेशालय की ओर से शिक्षकों की भर्ती के लिए अधियाचन तो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजा जा चुका है लेकिन नियमावली अपडेट न होने के कारण विज्ञापन जारी नहीं हो पा रहा है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ शिक्षा (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) सेवा (षष्टम् संशोधन) नियमावली 2023 में किए गए संशोधन की मंजूरी के लिए पिछले दिनों माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने अपरमुख्य सचिव दीपक कुमार को प्रस्ताव भेजा है।

सहायक अध्यापक कंप्यूटर के लिए पहले बीटेक/बीई (कंप्यूटर विज्ञान में) या कंप्यूटर विज्ञान में विज्ञान स्नातक या कंप्यूटर अप्लीकेशन में विज्ञान स्नातक या कंप्यूटर अप्लीकेशन में स्नातक या एनआईईएलआईटी से ह्यएह्न स्तरीय पाठ्यक्रम के साथ स्नातक की उपाधि के साथ बीएड या समकक्ष उपाधि अनिवार्य थी। नए नियम में पुरानी अर्हता के साथ ही एमसीए (कंप्यूटर अप्लीकेशन में परास्नातक) को भी मान्य किया गया है। पहले बीएड अनिवार्य अर्हता थी जिसे अब अधिमानी (वेटेज) अर्हता के रूप में मान्यता दी गई है। माना जा रहा है कि अर्हता में संशोधन से राजकीय स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षकों की कमी दूर हो सकेगी। इससे पहले लोक सेवा आयोग ने 2018 की एलटी ग्रेड

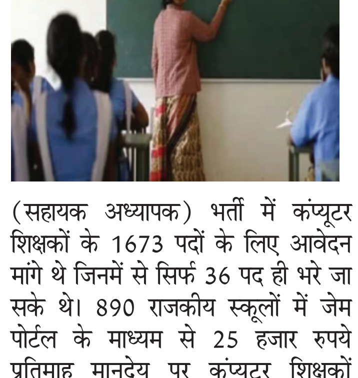

(सहायक अध्यापक) भर्ती में कंप्यूटर शिक्षकों के 1673 पदों के लिए आवेदन मांगे थे जिनमें से सिर्फ 36 पद ही भरे जा सके थे। 890 राजकीय स्कूलों में जेम पोर्टल के माध्यम से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय पर कंप्यूटर शिक्षकों (आउटसोर्स) को रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में बजट का प्रावधान किया गया था। 27 जनवरी 2023 को समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ में बैठक भी हुई। लेकिन आज तक नियुक्ति नहीं हो सकी।

बीएफए डिग्रीधारी बगैर बीएड बन सकेंगे कला शिक्षक:

नई नियमावली में कला शिक्षकों की अर्हता में भी बदलाव का प्रस्ताव है। पहले सहायक अध्यापक कला के लिए कला अथवा ललितकला विषय के साथ स्नातक और बीएड या समकक्ष उपाधि अनिवार्य थी। अब कला विषय के साथ स्नातक डिग्रीधारियों के लिए बीएड की उपाधि तो अनिवार्य है। लेकिन ललितकला (बीएफए) करने वाले सीधे आवेदन कर सकेंगे। इनके लिए बीएड को अधिमानी (वेटेज) अर्हता माना गया है।

हनुमानजी को सिंदूर चढ़ाने की परंपरा क्यों

अद्‍भुत रामायण में एक कथा का उल्लेख मिलता है जिसमें श्री रामचंद्र का राज्याभिषेक होने के पश्चात एक मंगलवार की सुबह जब हनुमानजी को भूख लगी, तो वे माता जानकी के पास कुछ कलेवा पाने के लिए पहुंचे।

सीता माता की मांग में लगा सिंदूर देखकर हनुमानजी ने उनसे आश्चर्यपूर्वक पूछा, माता! मांग में आपने यह कौन-सा द्रव्य लगाया है।

इस पर सीता माता ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, पुत्र! यह सिंदूर है, जो सुहागिन स्त्रियों का प्रतीक, मंगलसूचक, सौभाग्यवर्धक है, जो स्वामी के दीर्घायु के लिए जीवनपर्यंत मांग में लगाया जाता है। इससे श्रीराम मुझ पर प्रसन्न रहते हैं।

हनुमानजी ने यह जानकर विचार किया कि जब अंगुली भर सिंदूर लगाने से स्वामी की आयु में वृद्धि होती है, तो फिर क्यों न सारे शरीर पर इसे लगाकर स्वामी भगवान श्रीराम को अजर-

अमर कर दूं। उन्होंने जैसा सोचा, वैसा ही कर दिखाया। अपने शरीर पर सिंदूर पोतकर भगवान् श्रीराम की सभा में पहुंच गए। उन्हें इस प्रकार सिंदूरी रंग में रंगा देखकर सभा में उपस्थित सभी लोग हंसे, यहां तक कि भगवान श्रीराम भी उन्हें देखकर मुस्कारा, और बहुत प्रसन्न हुए।

उनके सरल भाव पर मुग्ध होकर उन्होंने यह घोषणा की कि जो भक्त मंगलवार के दिन मेरे अनन्य प्रिय हनुमान को तेल,सिंदूर चढ़ाएंगे, उन्हें मेरी प्रसन्नता प्राप्त होगी और उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होगी। इससे माता जानकी के वचनों पर हनुमानजी को और भी अधिक दृढ़ विश्वास हो गया।

कहा जाता है कि उसी समय से भगवान श्रीराम के प्रति हनुमानजी की अनुपम स्वामी भक्ति को याद करने के लिए उनके सारे शरीर पर चमेली के तेल में सिंदूर घोलकर लगाया जाता है। इसे अन्य स्थानों पर चोला चढ़ाना भी कहते हैं।

सुख समृद्धि पानी हो तो ना करें यह काम

कभी-कभी बहुत पूजा पाठ करने पर भी अपेक्षित फल नहीं मिलता है। और हम इसका दोष अपनी किस्मत और भगवान को देने लगते है।लेकिन सच तो यह है कि कुछ गलत कार्यों के द्वारा उसका विपरीत प्रभाव परिवार एवं स्वयं पर पड़ने से जातक दुखी और अशान्त हो जाते हैं। आज हम आपको उन्हीं कार्यों के बारे में बता रहें जो आपको नहीं करने चाहिए।

1. गीले वस्त्रों को पहनकर अथवा दोनों हाथ घुटनों से बाहर करके जो जप होम और दान किया जाता है वह सब निष्फल हो जाता है। 2. बाल खोलकर आचमन और देवपूजन नहीं करना चाहिए। 3. घर में दो शिवलिंग, तीन गणेश, दो शंख, दो सूर्य प्रतिमा, तीन देवी प्रतिमा, दो गोमती चक्र और दो शाल ग्राम का पूजन नहीं करना चाहिए। इनका पूजन करने से गृह स्वामी को दुख अशांति की प्राप्ति होती है।

आधुनिक जीवन शैली के चलते आज कोई भी शुभ कार्य करने से पूर्व मूहूर्त निकलवाने को महत्व नहीं दिया जाता। इन मूहूर्त विधानों की उपेक्षा कर अपनी-अपनी सुविधानुसार कार्य करने का ही फल है कि आज के अधिकतम मानव दुखी देखे जाते हैं।

अपने घर के विभाग इस प्रकार बनाएं पूर्व दिशा की ओर ड्राइंग-रूम, आग्नेय दिशा में रसोई, दक्षिण दिशा में शयन करने का स्थान, नैत+त्य दिशा में आयुधशाला, पश्चिम दिशा में भोजनगृह, वायव्य दिशा में धन संग्रह करने का घर, उत्तर दिशा में जल स्थान और ईशान दिशा में देवस्थान बनाएं।

जीवन से लड़ने की प्रेरणा देती है गीता

जीवन एक संग्राम है और इसलिए कुरुक्षेत्र की रणभूमि में गीता का गान एक सुयोग्य पृष्ठभूमि का सर्जन है। भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, विश्व के मानव मात्र को गीता के ज्ञान द्वारा जीवनाभिमुख बनाने का चिरंतन प्रयास किया है।

जीवन रोने के लिए नहीं हैए भाग जाने के लिए नहीं हैए हंसने के लिए है, खेलने के लिए हैं, संकटों से, हिम्मत से लड़ने के लिए है, वैसे ही अखंड आशा और दुर्दम्य श्रद्धा के बल पर विकास करने के लिए है। गीता मानव मात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे-बड़े संग्रामों के सामने हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती है।

लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के मंगलप्रभात के समय कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर योगेश्वर श्रीकृष्ण के मुखारविंद से गीता का ज्ञान प्रवाह बहा और भारत को गीता का अमूल्य ग्रंथ प्राप्त हुआ। तबसे यह दिन भारत के ज्वलंत सांस्कृतिक इतिहास का एक सुवर्ण पृष्ठ बनकर रहा है।

केवल भारत ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण विश्व के सूज्ञ व्यक्ति भावपूर्ण अन्तःकरण से गीता जयंती का उत्सव प्रतिवर्ष मनाते हैं। किसी भी ग्रंथ का जन्मदिवस मनाया जाना यह कदाचित सम्पूर्ण विश्व में गीता की ही विशेषता मानी जा सकती है।

गीता अर्थात योगश्वर श्रीकृष्ण के मुखारविंद से स्त्रवित माधुर्य व सौंदर्य का वांगयीन स्वरूप! भगवान गोपालकृष्ण की प्रेम मुरली ने गोकुल में सभी को मुग्ध किया तो योगेश्वर कृष्ण की ज्ञान मुरली गीता ने कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर अर्जुन को युद्ध के लिए प्रवृत्त किया।

तबसे लेकर आज तक अनेक ज्ञानी, भक्त, कर्मयोगी, ऋषि, संत, समाजसेवक और चिंतक, फिर वे किसी भी देश या काल के हों, किसी धर्म या जाति के हों, उन सभी को गीता ने मुग्ध किया है।

कृष्णस्तु भगवान स्वयं से मुख से प्रवाहित इस वांगमय ने मानव को जीवन जीने की हिम्मत दी है। किसी भी विशिष्ट धर्मसंघ या सम्प्रदाय की धुन में न पड़कर गीताकार ने मानव जीवन के चिरंतन मूल्यों को गीता में ग्रथित किया है।

ऐसा अमूल्य ग्रंथ मानव मात्र को देकर भी कृष्ण की नम्रता कितनी अद्भुत है। भगवान स्वमुख से कहते हैं कि इसमें मेरा कुछ भी मौलिक नहीं है। ऋषिभिर्बहुधा गीतं ऋषियों ने जो अनेक बार अनेक प्रकारों से गाया है, वही मैं फिर से कह रहा हूं।

भगवान की इस नम्रता से प्रसन्न होकर गाए हुए एक स्त्रोत में श्रीमदाद्य शंकराचार्य ने भगवान श्रीकृष्ण को मेघसुंदरम् कहकर उनकी बिरुदावलि गाई है।

समुद्र से पानी खींचकर बनने वाले बादल का पानी भले ही उसका स्वयं का न हो, परंतु उस पानी की मिठास उसकी अपनी है। उसी तरह कदाचित ज्ञान, विचार स्वयं के न भी हों फिर भी गीता का जो विरला ही माधुर्य है, वह श्रीकृष्ण का स्वयं का है।

सामुद्रिक ज्योतिष है सबसे पुरानी

सामुद्रिक ज्योतिष विषय को हस्त रेखा विज्ञान के नाम से जाना जाता है। यह अपने आप में ही पूर्ण है जिसे भविष्य का ज्ञाता भी माना जाता है। वैसे देखा जाए तो ज्योतिष सबसे पुराना विषय है क्योंकि मनुष्य जाति के इतिहास की जितनी खोजबीन हो सकी उसमें ऐसा कोई भी समय नहीं था जब ज्योतिष मौजूद न रहा हो। इसमें शरीर के अंगों, त्वचा के रंग, हथेली की रेखाओं, चिन्हों एवं नाखूनों के साथ ही हथेली के आकार का भी गूढ़ अध्ययन होता है। सामुद्रिक ज्योतिष का जन्म आज से करीब 5000 ई. पू. माना जाता है। सामुद्रिक ज्योतिष के रचियता कुमार कार्तिकेय है। जिन्होंने अपने पिता भगवान शिव जी की प्रेरणा से इसकी रचना की। रचना के समय ही सामुद्रिक ज्योतिष ज्ञान को गणेश जी ने उठाकर समुद्र में फेंक दिया। शिव जी के कहने पर समुद्र ने उसे वापस लौटा दिया इस तरह ज्योतिष की यह विधा सामुद्रिक ज्योतिष कहलायी। सामुद्रिक ज्योतिष महासागर की तरह गहरा है। इस सदर्भ में यह भी कहा जाता है कि ऋषि समुद्र ने इसे पुष्पित और पल्लवित किया जिसके कारण भी यह सामुद्रिक ज्योतिष के नाम से विख्यात है। वर्तमान में ठकिरोठ ने हस्तरेखा विज्ञान का प्रचार प्रसार किया।

जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व सुमेर में मिले हुए हडडी के अवशेषों पर ज्योतिष के चिन्ह अंकित है। पश्चिम में पुरानी से पुरानी जो खोजबीन हुई है। वह जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व इन हड्डियों की है। जिन पर ज्योतिष के चिन्ह और चंद्र की यात्रा के चिन्ह अंकित है। नवग्रह पूजन का विशेष महत्व ग्रंथ-पुराणों में वर्णित है। सभी प्रकार की पूजाओं में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है। ग्रहों की कुल संख्या 9 है और हथेली पर जितने भी ग्रह हैं उन सबके लिए अलग अलग स्थान निर्धारित किया गया है। ये पर्वत हमारी हथेली पर चुम्बकीय केन्द्र हैं। जो अपने ग्रहों से उर्जा प्राप्त कर मस्तिष्क और शरीर के विभिन्न अंगों तक पहुंचाते हैं। भारतीय संस्कृति में नवग्रह-उपासना का उतना ही महत्व है, जितना कि भगवान विष्णु, शिव तथा अन्य देवोपासना का है। जन्म से लेकर उपनयन, विवाह आदि संस्कारों में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है।

अशुभ ऊर्जा मिटाता है दर्पण

हर व्यक्ति के घर में दर्पण लगा होता है। यह घर के अन्य जरूरी हिस्सों की तरह काफी महत्वपूर्ण होता है। दर्पण का हर क्षेत्र में काफी महत्व है। दर्पण का इस्तेमाल किसी भी तरह की अशुभ उर्जा का मार्ग बदलने के लिए किया जाता है। भारतीय वास्तु शास्त्र में ही नहीं बल्कि चाइनीज वास्तु यानी फेंगशुई में भी दर्पण को लाभकारी माना गया है लेकिन इसके लाभ के लिए इसका सही इस्तेमाल बहुत जरूरी है क्योंकि गलत इस्तेमाल से नुकसान होते भी देर नहीं लगती। इसका भवन और इसके आस-पास की उर्जा पर काफी प्रभाव पड़ता है इसलिए वास्तुशास्त्र में इसके सही इस्तेमाल पर काफी जोर दिया जाता है। मकान में वास्तु दोष निवारण के लिए मंत्रों का उपयोग बखूबी होता है। उसी तरह अष्टकोणीय दर्पण मकान के बाहर, आसपास, वास्तु दोष का शमन करता है।

1. मकान मुख्य सड़क के किनारे है या मकान के तीनों ओर सड़क है, तो यह अशुभ है इनको इस दर्पण का उपयोग करना चाहिए।

2. मकान के प्रवेश द्वार के सामने वृक्ष का होना अशुभ है। ऐसे में मकान मालिक अनचाही परेशानियों से घिरा रहता है। इस समस्या से निपटने के लिए अष्टकोणीय दर्पण का उपयोग करें।

3. मकान में तीन दरवाजे एक सीध में हों तो धन की हानि का कारण है। ऐसे में अष्टकोणीय दर्पण का उपयोग करना लाभकारी रहता है।

4. यदि मकान के सामने बिजली का खम्भा या बड़ा इलेक्ट्रॉनिक खम्भा, ट्रांसफार्मर हो तो, यह स्थिति शुभ नहीं मानी गयी है। ऐसे घर में बीमारी प्रवेश कर जाती एंव घर में अग्निकाण्ड, झगड़ा या कोर्ट केस का भय बना रहता है। घर के मुख्यद्वार पर अष्टकोणीय दर्पण इस प्रकार लगायें कि खम्भे का नाकारात्मक प्रतिबिम्ब परिवर्तित होकर वापस लौट जायें।

हार्दिक पांड्या ने क्रिकेट के मैदान पर की वापसी, IPL 2024 से पहले इस T20 टूर्नामेंट में कर रहे कप्तानी

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर ली है। एक तरह से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट आए हैं। वे मुंबई की एक लोकल टी20 टूर्नामेंट में खेलने उतरे हैं। हालांकि, इस टी20 टूर्नामेंट को किसी लीग का दर्जा प्राप्त नहीं है, लेकिन वे क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं, ये अच्छी बात टीम इंडिया के नजरिए से है। इस टी20 टूर्नामेंट के साथ वे आईपीएल 2024 की तैयारियों में भी जुट गए हैं। दरअसल, हार्दिक पांड्या सोमवार की दोपहर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में रिलायंस 1 के लिए कप्तान के तौर पर मैदान पर उतरे।

आईपीएल 2024 में भी वे मुंबई इंडियंस के कप्तान होंगे। उनको मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स से ट्रेड के जरिए खरीदा है। वहीं, पांच बार के आईपीएल विजेता कप्तान रोहित शर्मा से टीम मैनेजमेंट ने कप्तानी छीन ली है। वे इस सीजन बैटर के तौर पर खेलेंगे।

हार्दिक पांड्या अभी तक भारत की टी20 टीम के कप्तान थे, लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में रोहित शर्मा ने कप्तानी की और वे अब टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भी टीम के कप्तान होंगे। इस बात का ऐलान खुद बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने किया है। जय शाह ने ये बात राजकोट में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में की। वहीं, आईपीएल में रोहित शर्मा को हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खेलना है।

T20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले ऑस्ट्रेलिया में सेलेक्शन को लेकर सिरदर्द, किसे मिलेगा मौका और कौन होगा बाहर?

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया की टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले अपनी आखिरी टी20 सीरीज भी खेल ली है, लेकिन अभी तक फाइनल फिफ्टीन पर बात नहीं बन पाई है। ऑस्ट्रेलिया के पास खिलाड़ियों की कमी नहीं है, बल्कि सेलेक्शन को लेकर सिरदर्द है कि किसे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम में रखा जाए और किसे ड्रॉप किया जाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीता, लेकिन चयनकर्ताओं का सिरदर्द बढ़ गया, क्योंकि हर खिलाड़ी ने दमदार प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि कुछ अनलकी खिलाड़ी होंगे, जिनका सेलेक्शन इस साल के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए नहीं होगा। यूएसए और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का कप्तान भी तय नहीं है, क्योंकि वनडे और टेस्ट सीरीज में टीम को सफलता दिलाने वाले पैट कमिंस टी20 वर्ल्ड कप की टीम का हिस्सा जरूर होंगे, लेकिन सवाल ये है कि कप्तानी क्या वही करेंगे या फिर मिचेल मार्श को दी जाएगी। मार्श ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में कप्तानी की थी और टीम को जीत दिलाई थी। हालांकि, अन्य खिलाड़ियों को मौका देने की वजह से उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच से बाहर रहना उचित समझा और उस स्थिति में कप्तानी मैथ्यू वेड ने की। उस मैच को भी टीम ने जीता। यहां तक कि कुछ खिलाड़ी अभी भी टीम से बाहर हैं, जो सीधे टी20 टीम में जगह बनाने के काबिल हैं।

मैथ्यू वेड का मानना है कि टी20 विश्व कप शुरू होने से कुछ महीने पहले इतने सारे खिलाड़ियों का अच्छे फॉर्म में होना 2021 चैंपियन के लिए एक बड़ा बेनेफिट है, लेकिन उन्हें पता है कि कुछ बड़े नाम होंगे जो फाइनल में जगह बनाने से चूक जाएंगे। वेड ने तीसरे टी20 मैच के बाद कहा, ÷आखिरी कुछ स्थानों के लिए यह कठिन होने वाला है, मैं जॉर्ज (मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली) की स्थिति से ईर्ष्या नहीं करता। मैं 15 को नहीं चुनना चाहूंगा, क्योंकि कुछ अनलकी खिलाड़ी होंगे, लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि चोटें हमेशा लगी रहती हैं, जो लोग 15 से बाहर हैं उन्हें भी अवसर मिल सकते हैं, इसलिए हमें खुशी है कि हमारे पास इतनी गहराई है।ऑस्ट्रेलिया के टॉप ऑर्डर में ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर होंगे। नंबर तीन पर मिचेल मार्श का स्थान पक्का है। नंबर चार पर ग्लेन मैक्सवेल और पांच पर टिम डेविड होंगे। इनके अलावा टॉप 6 में स्टीव स्मिथ, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस में से एक को खेलने का मौका मिलेगा।

मुंबई इंडियंस ने गुजरात जाएंट्स को रौंदकर जमाया पहले स्थान पर कब्जा,आरसीबी टॉप-2 मे

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2024 का अपना लगातार दूसरा मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। आरसीबी टॉप-2 में है।

नई दिल्ली.वुमेंस प्रीमियर लीग यानी की WPL के दूसरे सीजन की शुरुआत से ही गत चैंपियन मुंबई इंडियंस ने पॉइंट्स टेबल पर अपनी पकड़ मजबूत करना शुरू कर दी है। सीजन के पहले दो मुकाबले जीतने के बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली एमआई की टीम 4 पॉइंट्स के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है। एमआई के अलावा लीग की दूसरी टीम आरसीबी ही है जिसका अभी तक खाता खुला है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपने पहले मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को धूल चटाई थी। ये दोनों टीमें फिलहाल डब्ल्यूपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में है।

मुंबई इंडियंस बनी नंबर-1

हरमनप्रीत कौर की मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल 2024 के दूसरे सीजन का आगाज पिछले सीजन की उप-विजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को हराकर ही किया था। पहले मैच में एमआई ने 4 विकेट से जीत दर्ज की थी। रविवार रात उनका दूसरी मुकाबला गुजरात जाएंट्स के साथ हुआ जहां उन्होंने टारगेट का पीछा करते हुए 5 विकेट से मुकाबला जीता। एमआई के खाते में इन दो लगातार जीत के साथ 4 अंक हो गए हैं और वह फिलहाल WPL 2024 पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर है।मुंबई इंडियंस के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोलने में कामयाब रही है। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्स और गुजरात जाएंट्स की टीमें अपना-अपना पहला मुकाबला हारकर क्रमश तीसरे चौथे और पांचवे पायदान पर हैं।

कैसा रहा मुंबई इंडियंस वर्सेस गुजरात जाएंट्स का मुकाबला?

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी गुजरात जाएंट्स निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 126 रन ही बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही। शबनीम इस्माइल ने शुरुआत से ही जीजी की बैटर्स पर अपना शिकंजा कसा हुआ था, उन्होंने कुल तीन विकेट चटकाए। वहीं मिडिल ओवर्स में अमेलिया केर ने 4 विकेट हॉल लेकर गुजरात की कमर तोड़ दी। गुजरात के लिए 9वें नंबर पर बैटिंग करने आई तनुजा कंवर 28 रनों के साथ टॉप स्कोरर रही।127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत तो अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 50 रन के अंतर टॉप-3 बल्लेबाजों को खो दिया था। मगर तब कप्तान हरमनप्रीत कौर (46*) ने अमेलिया केर (31) के साथ टीम को संभाला और मुंबई को सीजन की दूसरी जीत 11 गेंदें शेष रहते दिलाई।

इतिहास रचने की कगार पर यशस्वी जायसवाल, बनेंगे ऐसा कारनामा करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली. भारतीय स्टार सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास आज रांची में इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड द्वारा मिले 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 40 रन बोर्ड पर लगा चुका है।

यशस्वी जायसवाल नाबाद 16 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। अगर आज यानी मुकाबले के चौथे दिन उनके बल्ले से 50 और रन निकलते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन पूरा कर लेंगे। इसी के साथ वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। बता दें, भारत को जीत के लिए अभी 152 रनों की दरकार है।

यशस्वी जायसवाल अपने टेस्ट करियर का यह 8वां मुकाबला खेल रहे हैं। अभी तक वह 3 शतक और दो अर्धशतक के दम पर 950 रन बना चुके हैं। इस मुकाबले में 50 और रन बनाते ही यशस्वी 1000 रन के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज 1000 रन पूरा करने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर और चेतेश्वर पुजारा के नाम है जिन्होंने 11-11 टेस्ट में ये कमाल किया था। यशस्वी अगर आज 1000 रन पूरा कर लेते हैं तो वह 8वे ही मैच में यह उपलब्धि हासिल कर इतिहास रच देंगे।

रांची में रोमांच से भरपूर था चौथा टेस्ट मैच, गिल-जुरेल का धमाका; इंडिया का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली.एजेंसी

रांची के जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम में इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला गया। चौथे टेस्ट मैच का नतीजा चौथे दिन के दूसरे सेशन में निकल आया। टीम इंडिया ने इस मुकाबले को पांच विकेट से जीता और सीरीज में 3-1 से कब्जा कर लिया। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला बाकी है, लेकिन स्कोरलाइन इस समय 3-1 है। इंग्लैंड की टीम ने पहला मुकाबला जीता था और अगले तीन मैचों में टीम इंडिया ने जीत हासिल की। रांची में ये टेस्ट मैच बहुत ही ज्यादा रोमांचक हुआ, क्योंकि इस मैच में कभी पलड़ा भारत की ओर होता तो कभी इंग्लैंड की टीम आगे दिखाई देती, लेकिन अंततः जीत टीम इंडिया को मिली।इस मुकाबले की बात करें तो टीम इंडिया के खिलाफ इंग्लैंड की टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। टीम इंडिया गेंदबाजी के लिए उतरी तो पहले दिन के पहले ही सेशन में इंग्लैंड के पांच बल्लेबाजों को आउट कर दिया। हालांकि, दूसरे सेशन में एक विकेट नहीं गिरा, जबकि तीसरे सेशन में दो विकेट गिरे। बावजूद इसके इंग्लैंड की टीम ने 353 रन अपनी पहली पारी में बनाए, जिसमें जो रूट का शतक शामिल था। 58 रनों की पारी ओली रॉबिन्सन ने भी खेली थी। वहीं, भारत के लिए 4 विकेट रविंद्र जडेजा ने निकाले थे।

दूसरे दिन भारत को बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा और टीम को जल्द ही पहला झटका कप्तान रोहित शर्मा के रूप में लगा। हालांकि, दूसरे विकेट के लिए यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल के बीच 82 रनों की साझेदारी हुई, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया के विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया। 177 रन पर 7 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बाद ध्रुव जुरेल ने 90 रनों की बेसकीमती पारी खेली और टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा। टीम इंडिया अपनी पहली पारी में 307 पर ढेर हो गई और इंग्लैंड को 46 रनों की बढ़त मिल गई। अब तक रोमांच का तड़का इस मैच में लग चुका था, क्योंकि पहली पारी के आधार पर भारत पीछे था और भारत को ही चौथी पारी खेलनी थी।

सुरेश रैना ने की ध्रुव जुरेल की तारीफ, बोले- वह अद्भुत है, मैं उसके साथ खेला हूं

नई दिल्ली.एजेंसी

रांची टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत के लिए शानदार बल्लेबाजी करते हुए 90 रन बनाने वाले ध्रुव जुरेल की हर कोई तारीफ कर रहा है। ध्रुव जुरेल ने उस समय पर टीम के लिए रन बनाए, जब टीम मुश्किल में थी। पिछले टेस्ट मैच में उन्होंने डेब्यू किया था और वहां तेज गति से रन बनाए थे, लेकिन यहां उन्होंने परिस्थितियों के हिसाब से खेला और 90 रन बनाने में सफल हुए। इसी को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने उनकी तारीफ की है। रैना ने रोहित शर्मा को लेकर भी कहा है कि ध्रुव जुरेल को मौका देने के लिए उनकी सराहना भी होनी चाहिए।

बाएं हाथ के बल्लेबाज सुरेश रैना ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, जुरेल अद्भुत रहा है। मैंने यूपी के लिए उनके साथ कुछ मैच खेले हैं, उन्हें टीम का हिस्सा बनाने का श्रेय रोहित शर्मा को भी जाता है। उनकी विकेटकीपिंग से भी मैं बहुत प्रभावित हूं। एक आर्मी परिवार से आने के कारण उनका रवैया निडर है। जुरेल को जब भी मौका मिलता था, वे बड़े शॉट खेलते थे और जब आखिर में वे अकेले बचे तो उन्होंने तेज गति से कुछ रन बनाए, लेकिन टॉम हार्टली की एक खतरनाक नीची रहती हुई गेंद पर वे क्लीन बोल्ड हो गए, अन्यथा उनका शतक बन सकता था।

ध्रुव जुरेल की बात करें तो उनको बल्लेबाजी के उद्देश्य से ही टीम में शामिल किया गया था, क्योंकि पहले दो मैचों में केएस भरत खेले थे। उन्होंने विकेटकीपिंग तो अच्छी की, लेकिन बल्लेबाजी में उन्होंने कोई योगदान नहीं दिया था। ऐसे में मैनेजमेंट उनसे आगे बढ़ा और ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया। ध्रुव जुरेल की कीपिंग कभी-कभी वर्क इन प्रोग्रेस नजर आई, लेकिन बल्ले से उन्होंने काफी प्रभाव छोड़ा। हालांकि, कुछ मौकों पर उन्होंने विकेटकीपिंग की स्किल्स दिखाई और टीम इंडिया को विकेट दिलाए।

गुजरात जाएंट्स की हास्यपद फील्डिंग, 1 के बदले खर्च किए 3 रन...वीडियो देख कोई नहीं रोक पाएगा हंसी

तीसरा मुकाबला गुजरात जाएंट्स (जीजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान गुजरात की टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 के बदले 3 रन खर्च किए। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट के मैदान पर आपने मिसफील्ड तो बहुत देखी होगी, मगर ऐसी घटना कम ही देखी होगी जहां किसी टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 की जगह 3 रन खर्च किए हो। इस दौरान टीम के खिलाड़ियों ने एक गेंद पर 4-4 बार थ्रो फेंके। जी हां, यह घटना रविवार की रात वुमेंस प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन के दौरान घटी। WPL 2024 का तीसरा मुकाबला गुजरात जाएंट्स (जीजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान गुजरात की टीम ने मिसफील्ड के चलते 1 के बदले 3 रन खर्च किए। इस दौरान एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर-ब्रंट की सूझबूझ भी काफी काम आई।

यह घटना मुंबई इंडियंस की पारी के 5वें ओवर की है। कैथरीन ब्राइस की पांचवी गेंद पर नेट साइवर-ब्रंट मिड विकेट की दिशा में शॉट खेलकर एक रन लेना चाहती थी। उन्होंने आसानी से यह रन पूरा भी कर लिया था। मगर गुजरात जाएंट्स की फील्डर का थ्रो सीधा स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स पर जाकर लगा जिस वजह से मुंबई को ओवर थ्रो पर एक रन और भागने का मौका मिला।ओवरथ्रो का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा। विकेट पर लगने के बाद गेंद बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में गई जहां जीजी की खिलाड़ी ने थ्रो विकेट कीपर बेथ मूनी की तरफ फेंका, मगर वह उसे पकड़ नहीं पाई। गेंद एक बार फिर मिड विकेट पर पहुंच गई थी और इस बार हरमनप्रीत और ब्रंट के बीच तालमेल नहीं बैठा। गुजरात की खिलाड़ी ने इस बार नेट साइवर-ब्रंट को रन आउट करने के लिए डायरेक्ट थ्रो विकेट पर लगाने की कोशिश की, मगर वह इससे चूक गई जिस वजह से मुंबई को ओवर थ्रो के चलते तीसरा रन मिला।

मुंबई को यहां एक और रन बटोर सकती थी क्योंकि गुजरात की प्लेयर्स ने चौथा ओवर थ्रो भी किया था, मगर हरमनप्रीत कौर एक और रन चुराने के लिए कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी। जिस वजह से उन्होंने चौथी बार ना दौड़ने का फैसला किया।

माइकल वॉन ने DRS विवाद को खत्म करने के लिए बताया अनोखा तरीका, कहा- फैंस नहीं करते विश्वास

माइकल वॉन ने का कहना है कि जिस रूम से डीआरएस के फैसले लिए जाते हैं वहां पर कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दिए जाएं ताकि जब फैसला हो रहा हो तो सबको पता चल सके कि उस रूम में क्या हो रहा है।

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने DRC विवाद को खत्म करने का अजीबो-गरीब तरीका बताया है। उनका कहना है कि जिस रूम से डीआरएस के फैसले लिए जाते हैं वहां पर कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दिए जाएं ताकि जब फैसला हो रहा हो तो सबको पता चल सके कि उस रूम में क्या हो रहा है। वॉन ने यह बात भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज में हो रही DRC कॉन्ट्रोवर्सी के बीच कही। इस टेस्ट सीरीज में कई फैसले अंपायर्स कॉल पर रहे हैं जो भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों के लिए काल बना है। इसके अलावा कई फैसले ऐसे थे जिसे देखने के बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान खुश नहीं थे.

राजकोट टेस्ट में जैक क्रॉली के विकेट पर विवाद हुआ था, वहीं रांची में जारी चौथे टेस्ट में जो रूट के डिसमिसल पर इंग्लैंड का रोना जारी है। इंग्लैंड की दूसरी पारी में जो रूट का शिकार आर अश्विन ने किया। राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए अश्विन ने रूट को अपने जाल में फंसाया था और उन्हें LBW आउट किया। मैदान पर मौजूद अंपायर ने तो रूट को आउट नहीं दिया, मगर भारत ने उनके फैसले को चैलेंज देते हुए DRC का इस्तेमाल किया।

थर्ड अंपायर ने पाया कि गेंद कि पिच, इंपैक्ट और विकेट तीनों पर रेड हैं तो उन्होंने रूट को आउट करार दिया। हालांकि इंग्लिश क्रिकेट पंडित और फैंस ने बॉल ट्रैकिंग पर सवाल उठाए कि जब गेंद पिच हो रही थी तो वह लाइन के बाहर थी। रूट ने भी उस समय सवाल नहीं उठाए, मगर वह ड्रेसिंग रूम में पहुंचने के बाद जरूर इसे रिचैक कर रहे थे। वॉन ने एक्स पर इस फैसले को हैरान कर देने वाला बताया था हालांकि कुछ देर बाद ही उन्होंने अपना यह पोस्ट डिलीट कर दिया।माइकल वॉन ने अब टेलिग्राफ के अपने कॉलम में लिखा, ÷सोशल मीडिया पर केवल एक नजर डालने से पता चलता है कि बहुत से लोग इस पर भरोसा नहीं करते हैं। कुछ टीमों के पक्ष या विपक्ष में लिए जाने वाले निर्णयों को लेकर बहुत गुस्सा और संदेह है। मेजबान प्रसारकों और ट्रक (रूम) में कौन है, इसके बारे में संदेह है ऐसा इसके बावजूद है कि टेकनोलॉजी बनाने वाली कंपनियां वास्तव में मेजबान प्रसारक के समान देश से नहीं हैं। उदाहरण के लिए, हॉक-आई यूके की एक कंपनी है लेकिन इस सीरीज में इसका उपयोग किया जा रहा है। उन्हें सिर्फ मेजबान प्रसारक द्वारा लाया गया है।वॉन का सुझाव कुछ-कुछ वैसा ही है जैसा फीफा फुटबॉल में करता है। हालांकि, फुटबॉल जगत में VAR (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के आने के बाद से विवाद कम नहीं हुए हैं।उन्होंने आगे लिखा, ÷तो यहां पारदर्शिता और जवाबदेही को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए एक सरल समाधान है। ट्रक (रूम) में एक कैमरा और माइक्रोफोन चिपका दें ताकि जब कोई निर्णय लिया जा रहा हो, तो हम सभी जान पाएं कि वास्तव में क्या हो रहा है और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

ब्वॉयफ्रेंड Karan Sharma संग डेट गईं

सुरभि चंदना

वीडियो शेयर कर बोलीं- ये आखिरी बार है

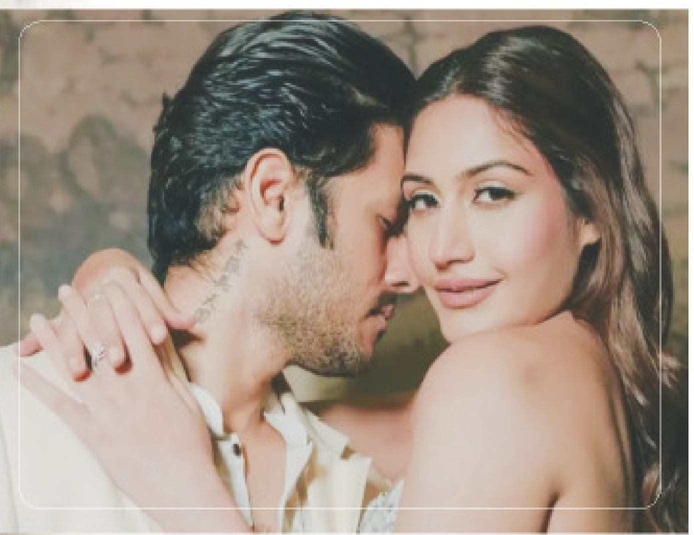

बॉलीवुड कपल रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की शादी के बाद अब टीवी इंडस्ट्री में भी शहनाई बजने वाली है। इश्कबाज फेम एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने बचपन के प्यार ब्वॉयफ्रेंड करण शर्मा से जल्द फेरे लेने वाली हैं।इन दिनों एक्ट्रेस जोर-शोर से तैयारियों में लगी हुई हैं। हाल ही में सुरभि की बैचलेरेट पार्टी की झलक देखने को मिली थी। वहीं अब देर रात एक्ट्रेस अपने मंगेतर के साथ आखिरी बार डेट नाइट पर पहुंची, जिसकी एक झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की।

सुरभि -करण की आखिरी डेट

सुरभि और करण 24 फरवरी को मुंबई में एक रोमांटिक डिनर पर पहुंचे थे। इस खूबसूरत शाम में सुरभि पर्पल बॉडी-फिट टॉप और डेनिम जींस में खूबसूरत लग रही थीं। दूसरी ओर, करण ने ब्लैक शर्ट और बैगी डेनिम जींस में नजर आए।इस दौरान एक्ट्रेस ने पैपराजी से भी मुलाकात की और बताया कि, शादी से पहले की आखिरी डेट है।

इसके अलावा सुरभि ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर होने वाले पति करण के साथ वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कहती हैं कि- करण ये हमारी आखिरी डेट नाइट होने जा रही तो तुम कैसा फील कर रहे हो? इसके जवाब में करण कहते हैं कि- लास्ट डेट नाइट नहीं ऐज नॉट मैरिड कपल। इसके बाद सुरभि बताती हैं कि ये हमारी आखिरी डेट है शादी से पहले की। इसके बाद हम दोनों मिस्टर एंड मिसेज होने वाले हैं।

मार्च में हो रही है शादी

एक्ट्रेस अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड करण के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग करने जा रही हैं। हाल ही में सुरभि ने बताया था कि वह और करण 1 और 2 मार्च को शादी करेंगे। शादी राजस्थान के जयपुर में होगी। सुरभि और करण 13 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और अब शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

Karan Deol ने पत्नी

दृशा आचार्य

के जन्मदिन पर लुटाया प्यार, सनी-बॉबी देओल ने ऐसे किया विश

सनी देओल के बड़े बेटे करण देओल ने बीते साल 18 जून को अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड दृशा आचार्य से शादी की थी। करण अक्सर खास मौकों पर अपनी पत्नी दृशा के साथ सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते हैं।आज भी करण ने दृशा के जन्मदिन पर उन्हें बर्थडे विश करते हुए कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं और अपनी पत्नी के लिए एक स्वीट नोट भी लिखा है। उनके इस पोस्ट पर अंकल बॉबी देओल और पिता सनी देओल ने भी रिएक्ट किया है।

करण देओल ने किया ये पोस्ट

आज 25 फरवरी को करण देओल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी दृशा आचार्य के साथ शादी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली फोटो में दृशा दिल खोलकर हंसते हुए नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी फोटो में करण खुश दिखाई दे रहे हैं।पोस्ट को शेयर करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, जब आप सही व्यक्ति के आसपास होते हैं, तो आप केवल हंसते हैं। मेरे लगातार मुस्कुराने की वजह दृशा आचार्य को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

बॉबी देओल-सनी देओल ने ऐसे किया रिएक्ट

करण देओल के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए चाचा और एनिमल स्टार बॉबी देओल ने कमेंट सेक्शन में रेड हार्ट इमोजी शेयर किए। दूसरी तरफ, पिता सनी देओल ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर करण की पोस्ट रि-शेयर की और साथ में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो बेटा।

करण देओल का वर्क फ्रंट

करण देओल ने साल 2019 में फिल्म पल पल दिल के पास से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। इसके साथ ही उन्होंने अभी कुछ दिन पहले अपने सोशल मीडिया पर स्क्रिप्ट के साथ कुछ तस्वीरें साझा की थीं और कैप्शन में लिखा, किरदार में उतरना।

प्रेग्नेंसी को लेकर ट्रोल करने वालों को दिव्या अग्रवाल का करारा जवाब, कहा- हर वक्त बकवास करना..

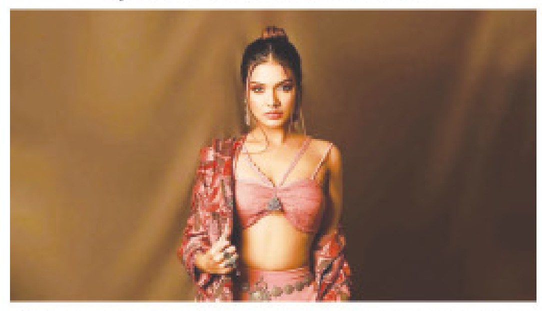

दिव्या अग्रवाल ने अपने बेस्ट फ्रेंड अपूर्व पडगांवकर से दो दिन पहले मुंबई के चेंबूर स्थित घर में शादी की थी. दिव्या अग्रवाल और अपूर्वा पडगांवकर तब से एक-दूसरे को जानते हैं जब दिव्या ने अपने करियर की शुरुआत भी नहीं की थी. एक्स-बॉयफ्रेंड वरुण सूद के साथ हुए ब्रेकअप के बाद पूरी तरह से टूट चुकीं दिव्या को अपूर्व ने सहारा दिया था. कुछ समय बाद दोनों ने डेट करना शुरू किया. और पिछले साल दिव्या के 30वें जन्मदिन पर अपूर्व ने उनसे सगाई की. एक तरफ दिव्या के फैंस उन्हें शादी के लिए बधाई दे रहे हैं वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग ये कह रहे हैं कि प्रेग्नेंसी की वजह से दिव्या ने अपूर्व से जल्दबाजी में शादी कर ली.दिव्या ने प्रेग्नेंसी को लेकर उन्हें ट्रोल करने वाले सोशल मीडिया यूजर्स को एक पोस्ट के साथ करारा जवाब दिया है. अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिव्या ने लिखा है.卐'इतने मोटे क्यों हो, इतने पतले क्यों हो, इतने काले क्यों हो, इतने छोटे क्यों हो, इतने लंबे क्यों हो?' कहने के बजाए सिर्फ ये कहें, 'प्यारे लग रहे हो.' और अपनी जिंदगी में आगे बढ़िए. हर वक्त बकवास करने की जरूरत नहीं होती भाई.' आपको बता दें, शादी से पहले भी दिव्या-अपूर्व को कई बार सोशल मीडिया ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा है.

हर बार दिया है करारा जवाब

सोशल मीडिया पर ट्रोल होना दिव्या और अपूर्व के लिए नई बात नहीं है. अपनी सगाई की घोषणा करते ही अपूर्व को ट्रोलर्स ने उनके रंग को लेकर ट्रोल किया, दिव्या को भी कई बार 'गोल्ड डिगर', 'चीटर' जैसे ताने सोशल मीडिया पर सुनने पड़ते हैं. वरुण के साथ हुए ब्रेकअप के बाद वरुण के फैंस ने भी दिव्या को सोशल मीडिया पर टारगेट करना शुरू कर दिया था. लेकिन हर बार 'बिग बॉस ओटीटी 1' की इस विनर ने अपने ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है.

नेपोटिज्म पर बोलीं रवीना टंडन- ऐसे में तो आधी इंडस्ट्री खत्म हो जाएगी

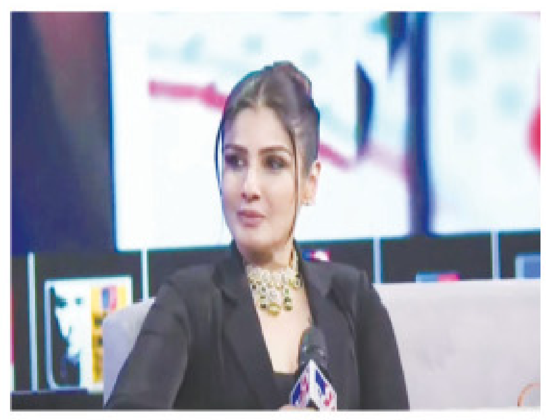

टीवी 9 नेटवर्क के ग्लोबल समिट 'व्हाट इंडिया थिंक्स टुडे' के दूसरे एडिशन की शुरुआत हो चुकी है. 25 फरवरी यानी आज शुरू हुआ ये ग्लोबल समिट तीन दिनों तक चलेगा. इसमें कई बड़ी हस्तियां शिरकत करने वाली हैं. पहले दिन ही दिल्ली में हो रहे इस कार्यक्रम में फिल्म एक्ट्रेस रवीना टंडन शामिल हुईं. रवीना टंडन से 'व्हाट इंडिया थिंक्स टुडे' कार्यक्रम के दौरान कई सवाल किए गए. रवीना ने तमाम सवालों के खुलकर जवाब दिए और कई मुद्दों पर अपनी बात रखी.रवीना टंडन फिल्म फैमिली से आती हैं. उनके पिता रवि टंडन फिल्ममेकर थे. रवीना खुद बड़ी एक्ट्रेस हैं. रवीना ने इस दौरान अपने पिता और मां का ज़िक्र किया. साथ ही कहा कि बच्चों की परवरिश में सबसे बड़ा हाथ मां का होता है. उन्होंने कहा कि मेरी परवरिश में भी मेरी मां का अहम योगदान रहा है. रवीना ने इस दौरान बताया कि उनकी मां ने बिरजु महाराज के अंडर में 15 साल तक कथक किया था. उन्होंने कहा कि उनके अंदर हमेशा से एक आर्टिस्ट रहा है और कहीं न कहीं वही हमारे खून में भी है.

नेपोटिज्म पर कही ये बात

नेपोटिज्म पर हुए सवाल पर रवीना टंडन ने कहा कि अगर आप नेपो किडस् की बात करेंगे तो हमारी आधी पोलिटिक्स और आधी इंडस्ट्री खत्म हो जाएगी. इस दौरान उन्होने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि मैं प्रह्लाद कक्कड़ को असिस्ट कर रही थी. सभी मुझसे कह रहे थे कि तुम्हें स्क्रीन के पीछे नहीं स्क्रीन के आगे आना है. इसके बाद एक दिन रवीना को एक बड़ी फिल्म ऑफर हुई और उन्होंने हां कह दी.

कैसे हुई शुरुआत ?

रवीना टंडन ने बताया कि उन्हें शुरुआत में कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे थे पर वो लगातार सभी ऑफर ठुकराती जा रही थीं. इसकी वजह ये थी कि वो डायरेक्शन के फील्ड में जाना चाहती थीं.

उन्होंने कहा कि मैंने एक्टिंग के बारे में सोचा भी नहीं था. उन्होंने कहा कि जब मैं 13-14 साल की थी तब आप मुझे देखते तो ये बिल्कुल नहीं कह पाते कि ये स्टार बनने वाली है.उन्होंने कहा कि कई फिल्मों को मना किया. सलमान खान की पहली फिल्म मैंने प्यार किया बहुत बड़ी हिट रही थी. उसके बाद ही मुझे उनकी दूसरी फिल्म ऑफर हुई. उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने अपने कॉलेज में दोस्तों को बताया कि उन्हें सलमान खान की फिल्म ऑफर हुई है. दोस्तों ने रवीना से कहा कि तू ये फिल्म साइन कर ले. फिर तू कोई फिल्म करना या मत करना हमें मतलब नहीं पर ये फिल्म कर ले. हमें बस शूटिंग पर आना है और सलमान से मिलना है. फिर रवीना ने फिल्म के लिए हां कर दी.